सृष्टिक आरम्भ

शुरू मे

१ [1-2] शुरू मे परमेश्वर आकाश और पृथ्वीक सृष्टि कयलन्हि। पृथ्वी बिना-आकारक और सून-सान छल। अथाह जलक ऊपर अन्हार छल, और परमेश्वरक आत्मा जलक ऊपर मर्राइत छलन्हि।

[3-5] तखन परमेश्वर कहलन्हि, "इजोत होअय!" और इजोत भऽ गेल। परमेश्वर इजोत कैँ देखलन्हि जे ओ नीक अछि। इजोत कैँ अन्हार सँ अलग कयलन्हि, और इजोत कैँ "दिन" और अन्हार कैँ "राति" नाम देलन्हि। साँझ भेल, फेर भोर भेल, और एहिना पहिल दिन भऽ गेल।

[6-8] तखन परमेश्वर कहलन्हि, "जलक मध्य मे एहन अन्तर होअय जे जल दू भाग भऽ जाय।" परमेश्वर एक अन्तर बना कऽ ओकरा सँ ऊपरक जल और ओकरा सँ नीचाक जल कैँ अलग-अलग कयलन्हि। तहिना भैयो गेल। एहि अन्तर कैँ परमेश्वर "आकाश" नाम देलन्हि। साँझ भेल, फेर भोर भेल, और एहिना दोसर दिन भऽ गेल।

[9-10] तखन परमेश्वर कहलन्हि, "आकाशक नीचाक जल एक ठाम जमा भऽ जाय और सुखल भूमि देखाइ देअय।" तहिना भैयो गेल। परमेश्वर सुखल भूमि कैँ "जमीन" और जमा

भेल जल कैँ "समुद्र" नाम देलन्हि । और परमेश्वर देखलन्हि जे ओ नीक अछि ।

११-१३ तखन परमेश्वर कहलन्हि, "जमीन सभ रंगक घास-पात — बीआ वला गाछ और फल वला गाछ जकर फल मे अपना अपना जातिक अनुसार बीआ छैक, से जनमाबय ।" तहिना भैयो गेल । जमीन सभ रंगक घास-पात कैँ जनमौलक — रंग-बिरंगक बीआ वला गाछ और फल वला गाछ जकर फल मे अपना अपना जातिक अनुसार बीआ छलैक । परमेश्वर देखलन्हि जे ओ नीक अछि । साँझ भेल, फेर भोर भेल, और एहिना तेसर दिन भऽ गेल ।

१४-१९ तखन परमेश्वर कहलन्हि, "दिन कैँ राति सँ अलग करबाक हेतु आकाशक मध्य मे ज्योति-पिण्ड होअय । ओ सभ ऋतु, दिन और वर्षक चेन्ह होअय, और पृथ्वी पर इजोत करबाक लेल ओ आकाश मे ज्योति-पिण्ड होअय ।" तहिना भैयो गेल । परमेश्वर दूटा पैघ ज्योति-पिण्ड बनौलन्हि । बेसी इजोत करऽ वला कैँ दिनक शासक, और कम इजोत करऽ वला कैँ रातिक शासक बनौलन्हि । तारा सभ सेहो बनौलन्हि । परमेश्वर ओकरा सभ कैँ आकाशक मध्य मे रखलन्हि जाहि सँ पृथ्वी पर इजोत करय, दिन और राति पर शासन करय, और प्रकाश कैँ अन्हार सँ अलग करय । परमेश्वर देखलन्हि जे ओ नीक अछि । साँझ भेल, फेर भोर भेल, और एहिना चारिम दिन भऽ गेल ।

२०-२३ तखन परमेश्वर कहलन्हि, "समुद्र जीबैत जल-जन्तुक झुण्डक-झुण्ड उत्पन्न करय, और पृथ्वीक ऊपर आकाशक मध्य

मे चिड़ै उड़य ।" अतः परमेश्वर बड़का-बड़का समुद्री जानबर और सभ प्रकारक जीबैत प्राणी जे हेलैत अछि या पानि मे चलैत अछि, जकरा सँ समुद्र भरल छैक, सभ कँ अपना अपना जातिक अनुसार बनौलन्हि। सभ रंगक चिड़ै कँ अपना अपना जातिक अनुसार सेहो बनौलन्हि। परमेश्वर देखलन्हि जे ओ नीक अछि। परमेश्वर ओकरा सभ कँ ई कहैत आशीष देलन्हि जे, "फड़ह-फुलाह, और समुद्र कँ भरि दैह, और पृथ्वी पर चिड़ै अनगणित भऽ जाय।" साँझ भेल, फेर भोर भेल और एहिना पांचम दिन भऽ गेल।

२४-२५ तखन परमेश्वर कहलन्हि, "पृथ्वी जानबर सभ कँ अपना अपना जातिक अनुसार उत्पन्न करय—घरैआ पशु, जमीन मे ससरऽ वला जीव-जन्तु, और जंगली जानबर।" और तहिना भैयो गेल। परमेश्वर सभ रंगक जंगली जानबर, घरैआ पशु और जमीन मे ससरऽ वला जीव-जन्तु सभ कँ अपना अपना जातिक अनुसार बनौलन्हि। और परमेश्वर देखलन्हि जे ओ नीक अछि।

२६-२८ तखन परमेश्वर कहलन्हि, "हम सभ मनुष्य कँ अपने स्वरूप मे, अपने जकाँ, बनाबी। समुद्रक जीव-जन्तु पर, आकाशक चिड़ै पर, घरैआ पशु पर, जमीन मे ससरऽ वला जीव-जन्तु पर, और सम्पूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यक अधिकार होअय।" अतः परमेश्वर अपन स्वरूप मे मनुष्य कँ बनौलन्हि; परमेश्वर अपनहि स्वरूप मे पुरूष और स्त्री कँ बनौलन्हि। परमेश्वर ओकरा सभ कँ ई कहि कऽ आशीर्वाद देलन्हि जे, "फड़ह, फुलाह, पृथ्वी कँ भरि दैह, और ओहि पर अपन

अधिकार कऽ लैह । समुद्रक जीव-जन्तु, आकाशक चिड़ै और भूमि पर चलऽ वला सभ जीबैत प्राणी पर तोहर अधिकार हयतह ।"

२९-३० तखन परमेश्वर कहलन्हि, "देखह, पृथ्वीक सभ बीआ वला गाछ और सभ फल वला गाछ जकरा फल मे बीआ छैक, हम तोरा दैत छिअह । ओहि मे सँ तौं भोजन करह । और पृथ्वीक सभ जानबर कैं, आकाशक सभ चिड़ै कैं, और जमीन मे ससरऽ वला सभ जीव-जन्तु कैं, अर्थात् सभ प्राणी जकरा मे जीवनक साँस छैक, सभ कैं हम हरियर घास-पात भोजनक लेल दैत छी ।" तहिना भैयो गेल ।

३१ परमेश्वर अपन रचना कयल सम्पूर्ण सृष्टि कैं देखलन्हि जे ओ बहुत नीक अछि । साँझ भेल, फेर भोर भेल, और एहिना छठम दिन भऽ गेल ।



२ १-३ एहि प्रकारेँ आकाश और पृथ्वी एवं जे किछु ओहि मे अछि, एहि सभक रचना पूर्ण भऽ गेल। परमेश्वर सभ काज केँ पूरा कऽ कऽ, सातम दिन ओ ओहि समस्त काज सँ विश्राम कयलन्हि। ओ सातम दिन केँ आशीष देलन्हि और पवित्र बनौलन्हि किएक तँ सातम दिन ओ अपन सृष्टिक काज सँ विश्राम कयलन्हि।

रचनाक वृत्तान्त

४-६ आकाश और पृथ्वीक रचनाक यैह वृत्तान्त अछि—

प्रभु-परमेश्वर पृथ्वी और आकाश केँ जखन बनौलन्हि, ओहि समय मे पृथ्वी पर कोनो मैदानक घास-पात नहि छल, और कोनो खेतक गाछ अंकुरित नहि भेल छल, किएक तँ प्रभु-परमेश्वर पृथ्वी पर वर्षा नहि करौने छलाह, और जमीन जोतऽ लेल मनुष्यो नहि छल। पृथ्वी मे सँ तावा फूटि कऽ पूरा जमीन केँ पटाबए।

७ तँ प्रभु-परमेश्वर पृथ्वीक माटि सँ मनुष्य केँ गढ़लन्हि। ओकर नाक मे जीवनक साँस फुकलन्हि और मनुष्य एक जीबैत प्राणी बनि गेल।

८-१४ प्रभु-परमेश्वर पूब दिस एदन नामक स्थान मे एक बागिचा लगौने रहथि। ओहिठाम ओ मनुष्य केँ, जकरा ओ बनौने छलाह, राखि देलन्हि। प्रभु-परमेश्वर सभ रंगक गाछ केँ, जे देखऽ मे सुन्दर छल और खाय मे नीक छल, ओहि गाछ सभ केँ जमीन सँ उपजौलन्हि। बागिचाक बीच मे जीवनक गाछ और नीक-अधलाहक ज्ञानक गाछ लगौलन्हि। एकटा धार,

बागिचा कँ पटयबाक हेतु, एदन सँ बहैत, बागिचा सँ निकलल, और ओहिठाम सँ चारिटा धार भऽ गेल। पहिलाक नाम अछि पीशोन, जे हविला देश मे चारू कात घूमि कऽ बहैत अछि, जतऽ सोना भेटैत अछि। (ओहि देशक सोना वहुत नीक होइत अछि; ओहिठाम मोती और सुलेमानी पाथर सेहो भेटैत अछि।) दोसर धारक नाम अछि गीहोन, जे कुश देश मे चारू कात घूमि कऽ बहैत अछि। तेसर धारक नाम अछि तीग्रीस, जे आशूर सँ पूब बहैत अछि। चारिम धारक नाम अछि फरात।

१५-१७ प्रभु-परमेश्वर ओहि मनुष्य कँ लऽ जा कऽ एदनक बागिचा मे राखि देलन्हि जे ओ ओकर काज करय और ओकर देख-रेख करय। प्रभु-परमेश्वर मनुष्य कँ ई आज्ञा देलन्हि, "तोँ बागिचाक सभ गाछक फल खा सकैत छह, मुदा नीक-अधलाहक ज्ञानक गाछक फल नहि खैहह, कारण जाहि दिन तोँ ओकर फल खयबह, तोँ अवश्य मरि जयबह।"

१८-२० तखन प्रभु-परमेश्वर कहलन्हि, "मनुष्यक असगरे रहनाइ नीक नहि। हम ओकरा लेल एकटा एहन सहायक बनायब जे ओकरा सँ मेल खाय।" प्रभु-परमेश्वर माटि सँ पृथ्वीक सभ जानबर और आकाशक सभ चिड़ै कँ बनौने छलाह। सभ कँ ओ मनुष्य लग अनलन्हि जे, देखी, मनुष्य ओकरा सभक की की नाम राखत। प्रत्येक जीव-जन्तुक, जे जे नाम मनुष्य रखलक, ओकर वैह नाम भऽ गेल। एहिना मनुष्य सभ घरैआ पशु, आकाशक चिड़ै और जंगली जानबरक नाम रखलक। मुदा मनुष्यक लेल कोनो एहन सहायक नहि भेटल जे ओकरा सँ मेल खाय।

२१-२४ तैं प्रभु-परमेश्वर मनुष्य कैँ भारी निन्द मे सुता देलन्हि । जखन ओ सुतल छल तखन ओ ओकर एक पाँजरक हड्डी कैँ निकालि कऽ माँसु लऽ कऽ ओहि जगह कैँ फेर भरि देलन्हि । तखन प्रभु-परमेश्वर ओहि पाँजरक हड्डी सँ, जकरा मनुष्य मे सँ निकालने छलाह, स्त्री कैँ बनौलन्हि, और ओकरा मनुष्य लग अनलन्हि । मनुष्य कहलक,

"आब ई हमरे हड्डीक हड्डी थीक,
हमरे माँसुक माँसु थीक !
ओकर 'स्त्री' नाम राखल जायत,
कारण ओ पुरूष मे सँ निकालल गेल अछि ।"

एहि कारण पुरूष अपन माय-बाबु कैँ छोड़ि कऽ अपन स्त्रीक संग रहत, और दुनू एक भऽ जायत ।

२५ पुरूष और ओकर स्त्री दुनू नंगटे रहैत छल, और ओकरा सभ कैँ कोनो लज्जा नहि छल ।

मनुष्यक पतन

३ १ जतेक जानबर प्रभु-परमेश्वर बनौने छलाह, ओहि मे सँ सभ सँ धूर्त साँप छल । साँप स्त्री सँ पुछलक, "की सत्ये परमेश्वर कहलन्हि जे एहि बागिचाक कोनो गाछक फल नहि खयबाक चाही ?"

२-३ स्त्री साँप कैँ उत्तर देलक, "हम सभ बागिचाक सभ गाछ सँ फल तँ खा सकैत छी, मुदा परमेश्वर ई कहलन्हि जे, जे गाछ बागिचाक बीच मे छैक, तकर फल ने खाह ने छूबह — नहि तँ मरि जयबह ।"

[४-५]साँप स्त्री कैँ कहलक, "तोँ नहि मरबह! कारण परमेश्वर जनैत छथि जे जखने तोँ ओहि फल कैँ खयबह तखने तोहर आँखि फूजि जयतह और तोँ नीक और अधलाह कैँ जानि कऽ परमेश्वर जकाँ भऽ जयबह।"

[६]स्त्री ई देखि जे ओहि गाछक फल खाय मे नीक होयत, देखऽ मे सुन्दर अछि, और बुद्धि प्राप्त करबाक लेल इच्छा-योग्य अछि, फल तोड़ि कऽ खा लेलक। अपन घरवला कैँ, जे ओकरा संग छल, तकरा सेहो देलकैक, और ओहो खयलक।

[७]तखन दुनूक आँखि फूजि गेल, और ज्ञान भेलैक जे नंगटे छी। अतः अन्जीर गाछक पात कैँ जोड़ि-जोड़ि कऽ अपना लेल खौरकी बनौलक।

[८-९]तखन पुरूष और ओकर स्त्री प्रभु-परमेश्वरक साँझ खन कऽ बागिचा मे टहलबाक आवाज सुनलक, और बागिचाक गाछ सभक मध्य मे प्रभु-परमेश्वर सँ अपना कैँ नुका लेलक। मुदा प्रभु-परमेश्वर मनुष्य कैँ सोर पाड़लथिन्ह, "तोँ कतऽ छह?"

[१०]ओ उत्तर देलकन्हि, "अपनेक आवाज बागिचा मे सुनलहुँ और डेरा गेलहुँ, किएक तँ हम नंगटे छलहुँ; तैं हम अपना कैँ नुका लेलहुँ।"

[११]तँ ओ कहलथिन्ह, "तोरा के कहलकह जे तोँ नंगटे छह? की ओहि गाछक फल खयलह जाहि गाछक फल तोरा खयबाक लेल हम मना कयने रहिअह?"

[१२]पुरूष बाजल, "जाहि स्त्री कैँ अहाँ हमरा संग रहबाक लेल देलहुँ, वैह ओहि गाछक फल हमरा देलक और हम खयलहुँ।"

१३ तखन प्रभु-परमेश्वर स्त्री कैँ कहलथिन्ह, "ई तोँ की कयलह?" स्त्री कहलकन्हि, "साँप हमरा ठकि लेलक और हम खयलहुँ।"

१४-१५ तैं प्रभु-परमेश्वर साँप कैँ कहलथिन्ह, "तोँ ई काज कयने छें, तैं :

सभ घरैआ पशु और जंगली जानबर मे तोँही
शापित छें।
तोँ पेट भरे चलबें,
और जीवन-भरि तोँ गर्दा चाटैत रहबें।
हम तोरा और स्त्रीक बीच
तथा तोरा वंश और स्त्रीक वंशक बीच मे
दुश्मनी उत्पन्न करा देबौ :
ओ तोहर मस्तक कैँ थूड़ि देतौ
और तोँ ओकरा ऐड़ी मे डसबही।"

१६ स्त्री कैँ ओ कहलन्हि,

"हम तोरा गर्भवती होबऽ मे दुःख बहुत
बढ़यबह।
तोँ दर्द सँ बच्चा कैँ जन्म देबह।
तैयो तोहर इच्छा घरवलाक लेल हयतह
और ओ तोहर मालिक हयतह।"

१७-१९ आदम कैँ (अर्थात पुरूष कैँ) ओ कहलन्हि, "तोँ अपन स्त्रीक बात मानि कऽ ओहि गाछक फल खयलह, जे नहि खयबाक लेल हम आज्ञा देने रहिअह। एहि लेल,

जाबत तक तोँ जीबह ताबत तक
जमीन तोहर कारण शापित रहत।

ओकर फसिल खयबाक लेल
तौँ जीवन-भरि कठिन परिश्रम करबह ।
जमीन तोरा लेल कांट और झारपात
उपजाओत,
और तौँ खेतक उपजा खयबह ।



तोँ ताबत तक अपन पसेनाक रोटी खयबह
जाबत तक तोँ ओहि माटि मे नहि मीलि जयबह
जाहि सँ तोँ निकालल गेल छह :
माटिए छह, और माटि मे मीलि जयबह ।"

२०-२४ आदम अपन स्त्रीक "हेवा" (अर्थात् "प्राण") नाम रखलक, किएक तँ ओ सम्पूर्ण मनुष्य-प्राणीक माता बनलि । प्रभु-परमेश्वर आदम और ओकर स्त्री कँ चमड़ाक वस्त्र बना कऽ ओकरा सभ कँ पहिरा देलथिन्ह । तखन प्रभु-परमेश्वर कहलन्हि, "मनुष्य नीक और अधलाह जानि कऽ हमरा सभ मे एक जकाँ बनि गेल । आब एना नहि होअय जे ओ हाथ बढ़ा कऽ जीवनक गाछक फल तोड़ि लेअय और खा कऽ अमर भऽ जाय ।" तैं प्रभु-परमेश्वर ओकरा सभ कँ एदनक बागिचा मे सँ भगा देलथिन्ह, जे ओ ओहि भूमि पर खेती करय जाहि मे सँ ओ निकालल गेल छल । मनुष्य कँ बागिचा मे सँ निकालि कऽ जीवनक गाछक बाटक रखबारी करबाक हेतु, ओ एदन बागिचाक पुबरिया कात मे स्वर्गदूत सभ कँ और चारू दिशा मे घुमऽ वला धधकैत तरूआरि कँ सेहो राखि देलन्हि ।

काइन आ हाबिल

४ १-२ जखन आदम अपन स्त्री हेवा लग गेल तखन हेवा गर्भवती भेल और काइन नामक बालक कँ जन्म देलक । ओ कहलक, "प्रभुक सहायता सँ हम एक पुरूष कँ जन्म देने छी !" बाद मे हेवा काइनक भाय हाबिल कँ जन्म देलक ।

३-५ हाबिल भेंड़ाक चरबाह छल, मुदा काइन खेती करऽ वला किसान छल । समय बितला पर काइन खेतक किछु उपजा

प्रभु कैँ चढ़ौलक। मुदा हाबिल अपन भेंड़ा सभ मे सँ किछु पहिलुका बच्चा सभक चर्बी वला माँसु चढ़ौलक। प्रभु हाबिल सँ और ओकर चढ़ौवा सँ प्रसन्न भेलाह, मुदा काइन सँ और ओकर चढ़ौवा सँ प्रसन्न नहि भेलाह। तैं काइन बहुत तमसा गेल और ओकर मुँह क्रोध सँ कारी भऽ गेल।

६-७ तखन प्रभु काइन कैँ कहलथिन्ह, "तोँ किएक क्रोधित छह? और तोहर मुँह किएक कारी भऽ गेल छह? तोँ भलाइ करबह तँ की हम तोरा ग्रहण नहि करबह? लेकिन तोँ भलाइ नहि करबह तँ देखह! —तोरा दुआरि पर पाप प्रतीक्षा मे बैसल छह, और झपटि लेबऽ चाहैत छह, मुदा तोँ ओकरा काबू मे राखह!"

८ तखन काइन अपन भाय हाबिल कैँ कहलक, "आ! खेत दिस चल।" जखन ओ सभ खेत मे छल तखन काइन अपन भाय हाबिल पर आक्रमण कऽ कऽ जान सँ मारि देलकैक।

९ प्रभु काइन सँ पुछलथिन्ह, "तोहर भाय हाबिल कतऽ छह?" ओ उत्तर देलकन्हि, "पता नहि! हम की अपना भायक रखबार छी?"

१०-१२ प्रभु कहलथिन्ह, "ई तोँ की कयलह? सुनह! तोहर भायक शोणित भूमि मे सँ हमरा सोर पाड़ैत अछि। आब तोँ शापित छह, और जे भूमि तोहर हाथ सँ तोहर भायक शोणित स्वीकार करबाक हेतु अपन मुँह खोलने अछि, ताहि भूमि सँ तोँ बारल रहबह। आब जखन तोँ खेती करबह तखन भूमि उपजा नहि देतह; तोँ पृथ्वी पर एम्हर-ओम्हर बौआइत रहबह।"

१३-१४ काइन प्रभु कैँ कहलकन्हि, "हमर दण्ड सहऽ वला नहि अछि! आइ अहाँ हमरा एहि भूमि सँ भगा रहल छी। हम

अहाँक समक्ष मे आब नहि आबि सकब । हम पृथ्वी पर एम्हर-ओम्हर बौआइत रहब, और हमरा जे केओ भेट होयत, से हमरा जान सँ मारि देत ।"

१५-१६ मुदा प्रभु ओकरा कहलथिन्ह, "एना नहि होयत । जे केओ तोहर हत्या करतह तकरा सँ सात गुना बदला लेल जायत ।" तखन प्रभु काइन पर एकटा चेन्ह लगा देलथिन्ह जाहि सँ ओकरा सँ भेट होबऽ वला ओकर हत्या नहि करय । काइन प्रभुक सामने सँ चल गेल और एदन सँ पूब दिस नोद क्षेत्र मे रहऽ लागल ।

१७-१८ जखन काइन अपन स्त्री लग गेल, तखन ओकर स्त्री गर्भवती भऽ गेल और हनोक कँ जन्म देलक । ओहि समय मे काइन एक शहर बनबैत छल, और शहरक नाम अपना बेटाक नाम पर "हनोक" रखलक । हनोक इरादक पिता छल; इराद महूजाएलक पिता छल; महूजाएल मतुशाएलक पिता छल; मतुशाएल लामेकक पिता छल ।

१९-२२ लामेक दू स्त्री सँ विवाह कयलक, एक आदा नामक, और दोसर सिल्ला नामक । आदा याबल कँ जन्म देलक । ओ तम्बू मे रहऽ वला और पशु पोसऽ वला सभक पुरखा छल । ओकर भायक नाम युबाल छल । ओ सितार और बांसुरी बजाबऽ वला सभक पुरखा छल । सिल्ला सेहो तुबल-काइन नामक एक बालक कँ जन्म देलक । ओ पित्तड़ि और लोहाक रंग-बिरंगक औजार गढ़ऽवला छल । तुबल-काइनक बहीन नामह छल ।

२३-२४ लामेक अपन स्त्री लोकनि कँ कहलक,

"अए आदा ! अए सिल्ला ! हमर बात सुनू !

अए लामेकक स्त्री लोकनि, हमर बात पर
ध्यान दिअ !
हम एक पुरूष कैँ, जे हमरा घायल कयलक
और एक युबक कैँ, जे हमरा पिटलक,
तकरा जान सँ मारि देलहुँ ।
काइनक हत्याक लेल सात गुना बदला लेल
जायत तँ
लामेकक हत्याक लेल सतहत्तर गुना बदला
लेल जायत ।"

[25]आदम अपन स्त्री लग फेर गेल और ओकर स्त्री एक बालक कैँ जन्म देलक । ओकर नाम शेत ई कहि कऽ रखलक जे, "परमेश्वर हमरा हाबिलक बदला मे, जकरा काइन जान सँ मारि देलक, एक आरो बालक देलन्हि ।"

[26]शेत कैँ सेहो एक बालक भेल, जकर ओ एनोश नाम रखलक । ओही समय सँ लोक सभ प्रभुक नाम सँ आराधना करऽ लागल ।

आदमक वंशज

५ [1-2]आदमक वंश यैह अछि : —

जखन परमेश्वर मनुष्यक सृष्टि कयलन्हि तँ अपनहि स्वरूप मे ओकरा बनौलन्हि । ओ ओकरा पुरूष और स्त्रीक रूप मे बनौलन्हि । ओकरा सभक रचना कऽ कऽ आशीर्वाद दऽ ओकरा सभक "मनुष्य-जाति" नाम रखलन्हि ।

३-५ जखन आदम १३० वर्षक छल, तखन अपना जकाँ, अपन स्वरूप मे, ओकरा एक बालक भेलैक। ओकर ओ शेत नाम रखलक। शेतक जन्मक बाद आदम ८०० वर्ष आओर जीबैत रहल, और ओकरा आरो बेटा-बेटी भेलैक। सभ मिला कऽ आदम ९३० वर्ष तक जीअल; तकरबाद ओ मरि गेल।

६-८ जखन शेत १०५ वर्षक छल, तखन ओकरा एनोश नामक बालक भेलैक। एनोशक जन्मक बाद, शेत ८०७ वर्ष आओर जीबैत रहल, और ओकरा आरो बेटा-बेटी भेल। सभ मिला कऽ शेत ९१२ वर्ष तक जीअल; तकरबाद ओ मरि गेल।

९-११ जखन एनोश ९० वर्षक छल, तखन ओकरा केनान नामक बालक भेल। केनानक जन्मक बाद, एनोश ८१५ वर्ष आओर जीबैत रहल, और ओकरा आरो बेटा-बेटी भेल। सभ मिला कऽ, एनोश ९०५ वर्ष तक जीअल; तकरबाद ओ मरि गेल।

१२-१४ जखन केनान ७० वर्षक छल, तखन ओकरा महलालेल नामक बालक भेल। महलालेलक जन्मक बाद, केनान ८४० वर्ष आओर जीबैत रहल, और ओकरा आरो बेटा-बेटी भेल। सभ मिला कऽ केनान ९१० वर्ष तक जीअल; तकरबाद ओ मरि गेल।

१५-१७ जखन महलालेल ६५ वर्षक छल, तखन ओकरा यरेद नामक बालक भेल। यरेदक जन्मक बाद महलालेल ८३० वर्ष आओर जीबैत रहल, और ओकरा आरो बेटा-बेटी भेल। सभ मिला कऽ, महलालेल ८९५ वर्ष तक जीअल; तकरबाद ओ मरि गेल।

[१८-२०] जखन यरेद १६२ वर्षक छल, तखन ओकरा हनोक नामक बालक भेल। हनोकक जन्मक बाद यरेद ८०० वर्ष आओर जीबैत रहल, और ओकरा आरो बेटा-बेटी भेल। सभ मिला कऽ यरेद ९६२ वर्ष तक जीअल; तकरबाद ओ मरि गेल।

[२१-२४] जखन हनोक ६५ वर्षक छल, तखन ओकरा मतूशेलह नामक बालक भेल। मतूशेलहक जन्मक बाद हनोक ३०० वर्ष तक परमेश्वरक सगं-संग चलल। तथा ओकरा आरो बेटा-बेटी भेल। सभ मिला कऽ हनोक ३६५ वर्ष जीअल। हनोक परमेश्वरक संग-संग चलल, तकरबाद ओ नहि रहल किएक तँ परमेश्वर ओकरा ऊपर उठा लेलथिन्ह।

[२५-२७] जखन मतूशेलह १८७ वर्षक छल, तखन ओकरा लामेक नामक बालक भेल। लामेकक जन्मक बाद, मतूशेलह ७८२ वर्ष आओर जीबैत रहल, और ओकरा आरो बेटा-बेटी भेल। सभ मिला कऽ मतूशेलह ९६९ वर्ष तक जीअल; तकरबाद ओ मरि गेल।

[२८-३१] जखन लामेक १८२ वर्षक छल, तखन ओकरा एक बालक भेल। ओ ई कहि कऽ ओकर नाम 'नूह' रखलक, "एहि जमीन पर जे काज और परिश्रम हमरा सभ कैँ प्रभुक शापक कारण करऽ पड़त, ताहि परिश्रम मे ई बालक हमरा सभ कैँ आराम देत।" नूहक जन्मक बाद लामेक ५९५ वर्ष आओर जीबैत रहल, और ओकरा आरो बेटा-बेटी भेल। सभ मिला कऽ लामेक ७७७ वर्ष तक जीअल; तकरबाद ओ मरि गेल।

[३२] नूह कैँ ५०० वर्ष भेलाक बाद, ओकरा शेम, हाम, और याफत नामक बालक भेल।

जल-प्रलय

६ [१-३] पृथ्वी पर मनुष्यक संख्या बहुत बढ़ऽ लागल; और ओकरा सभ कँ बेटीओ सभ जन्म लैत छल। देव-पुत्र देखलक जे मनुष्यक बेटी सुन्दर छैक, और ओहि मे सँ जकरा ओ सभ चुनलक तकरा सँ विवाह कऽ लेलक। तखन प्रभु कहलन्हि, "हमर आत्मा मनुष्य मे सदिकालक लेल बास नहि करताह, कारण मनुष्य मरनिहार अछि : ओकरा एक सय बीसे वर्ष समय भेटत।"

[४] ओहि समय मे, तथा ओकराबाद मे सेहो, जखन देव-पुत्र सभ मनुष्यक बेटी लोकनि लग गेल और सन्तान कँ जन्म देलक, तखन पृथ्वी पर "नेफलीम" नामक बहुत शक्तिशाली आदमी सभ रहैत छल। ई सभ प्राचीन कालक बहुत नामी बलवान छल।

[५-८] प्रभु देखलन्हि जे मनुष्यक कुकर्म पृथ्वी पर बहुत बढ़ि गेल छैक, और ओकर मनक सभ विचार सदिखन अधलाहे छैक। तैं प्रभु पृथ्वी पर मनुष्य कँ बनाबऽ सँ पछतैलाह, और हुनका मन मे बहुत दुःख भेलन्हि। ओ कहलन्हि, "हम मनुष्य कँ, जकर हम सृष्टि कयलहुँ, पृथ्वी पर सँ मेटा देब। मनुष्य, जानबर, माटि मे ससरऽ वला जन्तु, और चिड़ै—सभक हम विनाश करब, कारण ओकर सभक सृष्टि कयला सँ हम दुःखी छी।" मुदा नूह सँ प्रभु प्रसन्न छलाह।

[९-१०] नूहक खिस्सा यैह अछि :—

अपना पीढ़ी मे नूहे एकटा भल और धार्मिक आदमी छल। परमेश्वरक संग-संग ओ हरदम चलैत रहैत छल। ओकरा शेम, हाम, और याफत नामक तीनटा बालक छल।

[११-१२] मुदा ओहि समय मे परमेश्वरक दृष्टि मे पृथ्वी भ्रष्ट भऽ गेल छल और हिंसा सँ भरि गेल छल । परमेश्वर देखलन्हि जे पृथ्वी कतेक भ्रष्ट भऽ गेल अछि, कारण सभ मनुष्य अपन अपन चालि-चलन कँ भ्रष्ट कऽ लेने छल ।

[१३-२२] तखन परमेश्वर नूह कँ कहलन्हि, "हम सम्पूर्ण मानव-जातिक विनाश करबाक निश्चय कयलहुँ अछि, किएक तँ ओकरे कारण पूरा पृथ्वी हिंसा सँ भरल अछि । हम ओकरा सभक और पृथ्वीओक नाश करब । तैं तों सरोक गाछक काठ सँ एक जहाज बना लिहह । ओहि मे कोठरी सेहो बनबिहह, और बाहर-भीतर अलकतरा सँ पोति दिहह । जहाज एहि तरहक बनबिहह : ओकर लम्बाइ ३०० हाथ, चौड़ाइ ५० हाथ, और उंचाइ ३० हाथ रखिहह । जहाज मे एक खिड़की बना कऽ, ताहि सँ एक हाथ ऊपर छत बनबिहह । जहाजक एक कात मे केबार बनबिहह, और जहाज तीन तल्लाक बनबिहह । हम आकाशक नीचा सभ प्राणी कँ, अर्थात् जाहि मे जीवनक साँस छैक, भीषण वर्षा द्वारा विनाश करब । पृथ्वी पर जे किछु अछि, से सभ मरि जायत । मुदा हम तोरा अपन वचन दैत छिअह । तों अपन बालक, स्त्री और पुतोहुक संग जहाज मे प्रवेश करबह । प्रत्येक जातिक जीबैत प्राणी मे सँ तों दू-दूटा, पुरूष और स्त्री जातिक, अपना संग जहाज मे सेहो लऽ जयबह, जाहि सँ ओहो सभ तोरा संग जीबैत रहत । प्रत्येक जातिक चिड़ै, जानबर, और माटि मे ससरऽ वला जन्तु मे सँ दू-दूटा तोरा लग चलि आओत जाहि सँ तों ओकरा सभ कँ जीबैत रखबह । सभ तरहक भोजनक वस्तु जे खायल जाइत छैक, से जमा कऽ

लिहह, जे तोरा तथा ओकरा सभक भोजनक लेल होयत ।" नूह सभ किछु परमेश्वरक आज्ञानुसार कयलक ।

७ १-५ तखन प्रभु नूह सँ कहलन्हि, "आब अपन पूरा परिवार लऽ कऽ जहाज मे जाह, किएक तँ एहि पीढ़ीक लोक मे सँ एकटा तोँही हमर दृष्टि मे धार्मिक छह । तोँ सभ जातिक शुद्ध पशु मे सँ पुरूष और स्त्री जातिक सात-सात जोड़ा, और अशुद्ध पशु मे सँ पुरूष और स्त्री जातिक एक-एक जोड़ा अपना संग लऽ जाह । सभ जातिक चिड़ै मे सँ पुरूष और स्त्री जातिक सात-सात जोड़ा सेहो लऽ जाह । एहि तरहें सौंसे पृथ्वी पर ओकर सभ जाति जीबैत रहत । सात दिनक बाद हम चालिस दिन और चालिस राति तक पृथ्वी पर वर्षा करब, और सभ जीबैत प्राणी कँ, जकरा हम बनौलहुँ, सभ कँ पृथ्वी पर सँ मेटा देब ।" नूह परमेश्वरक आज्ञानुसार सभ किछु कयलक ।

६-१० जखन भीषण वर्षा सँ पृथ्वी पर जल-प्रलय होबऽ लागल, तखन नूह ६०० वर्षक छल । नूह जल-प्रलय सँ बचबाक हेतु, अपन स्त्री, बालक और पुतोहु सभक संग जहाज मे गेल । जहिना परमेश्वर नूह कँ आज्ञा देने छलाह, तहिना शुद्ध और अशुद्ध पशुक, चिड़ै और माटि मे ससरऽ वला जन्तुक, दू-दूटा, पुरूष और स्त्री जातिक, नूह लग आयल और जहाज मे प्रवेश कऽ गेल । तखन सात दिनक बाद पृथ्वी पर प्रलयक भीषण वर्षा होबऽ लागल ।

११-१२ जाहि वर्ष नूह ६०० वर्षक छल, ओहि वर्षक दोसर मासक सतरहम दिन—ओही दिन महासागरक झरना फूटि पड़ल और आकाशक खिड़की खूजि गेल । चालिस दिन और चालिस राति तक पृथ्वी पर वर्षा जोर-जोर सँ होइत रहल ।

१३-१६ओहि दिन नूह अपन स्त्री, अपन बेटा सभ शेम, हाम, और याफत, और तीनू पुतोहु कैँ लऽ कऽ जहाज मे प्रवेश कयलक। ओकरा सभक संग अपना अपना जातिक अनुसार सभ रंगक जंगली जानबर, अपना अपना जातिक अनुसार सभ रंगक घरैआ पशु, अपना अपना जातिक अनुसार सभ रंगक माटि मे ससरऽ वला जन्तु, और सभ जातिक चिड़ै और उड़ऽ वला जन्तु सेहो जहाज मे गेल। सभ प्राणी मे सँ, अर्थात् जकरा मे जीवनक साँस रहैक सभ मे सँ दू-दू प्राणी नूह लग आबि कऽ जहाज मे प्रवेश कऽ गेल। जहिना परमेश्वर नूह कैँ आज्ञा देने छलाह, तहिना सभ जातिक जीबैत प्राणी मे सँ पुरूष और स्त्री जाति भीतर गेल। तखन प्रभु नूह कैँ जहाजक भीतर मे बन्द कऽ देलन्हि।



१७-२४ चालिस दिन तक पृथ्वी पर वर्षा होइत रहल और पानि बहुत बढ़ि गेल। बाढ़ि सँ जहाज भूमि पर सँ ऊपर उठि गेल। पानि आओर बढ़ल : बढ़ैत-बढ़ैत पृथ्वी पर पसरि गेल और जहाज पानिक ऊपर दहाय लागल। जल ततेक ने बढ़ि गेल जे सम्पूर्ण आकाशक नीचा ऊँच-ऊँच पहाड़ सभ सेहो ओहि मे डूबि गेल। पानि ततेक शक्तिशाली भऽ गेल जे पहाड़क ऊपर पन्द्रहो हाथ सँ बेसी पानि बढ़ि गेल। पृथ्वी पर जे किछु चलैत छल, अर्थात् चिड़ै, घरैआ पशु, जंगली जानबर, और सम्पूर्ण मानव-जाति सेहो, सभ प्राणी जकरा सँ पृथ्वी भरल छल, से सभ समाप्त भऽ गेल। सुखल भूमि पर रहऽ वला प्रत्येक प्राणी, जकर नाक मे जीवनक साँस छल, सभ मरि गेल। पृथ्वीक प्रत्येक जीबैत प्राणी नष्ट कयल गेल। मनुष्य, जानबर, माटि मे ससरऽ वला जन्तु, और आकाशक चिड़ै, सभ केँ ओ पृथ्वी पर सँ मेटा देलथिन्ह। मात्र नूह, और जे सभ ओकरा संग जहाज मे रहय, से बाँचि गेल। १५० दिन तक पृथ्वी पर जल-प्रलयक बाढ़ि रहल।

८ १-५ मुदा परमेश्वर नूहक एवं सभ जंगली और घरैआ पशुक जे जहाज मे छल, तकरा सभक ध्यान कयलन्हि : ओ पृथ्वी पर हवा बहौलन्हि जाहि सँ जल घटऽ लागल। महासागरक झरना और आकाशक खिड़की सभ बन्द कयल गेल छल, और वर्षा सेहो थमि गेल छल। पृथ्वी पर सँ जल कम होइत गेल। १५० दिनक बाद जल ततेक घटि गेल छल जे सातम मासक सतरहम दिन जहाज अरारात नामक पहाड़ पर ठहरि गेल। जल दसम मास तक घटैत रहल और दसम मासक पहिल दिन पहाड़क चोटी देखाइ पड़ल।

६-१२ चालिस दिनक बाद नूह जहाजक खिड़की, जे ओ बनौने छल, खोललक, और एक कौआ कँ उड़ा देलक। जाबत तक पृथ्वी परक जल नहि सुखि गेल, ताबत तक कौआ एम्हर-ओम्हर उड़ैत रहल। तखन नूह अपना लग मे सँ एक परवा कँ उड़ौलक, ई देखबाक लेल जे पृथ्वीक सतह पर सँ जल घटि गेल वा नहि। मुदा परवा कँ अपन पयर टेकबाक लेल कोनो जगह नहि भेटलैक, किएक तँ जल सम्पूर्ण पृथ्वी पर भरले छल। तैं ओ नूह लग जहाज मे फीरि आयल; नूह अपन हाथ बढ़ा कऽ ओकरा पकड़ि लेलक और अपना संग जहाज मे लऽ आयल। नूह सात दिन आओर ठहरल। तखन परवा कँ फेर उड़ौलक। सांझ खन परवा ओकरा लग फेर फीरि आयल; और ओ अपना लोलमे एक नव जैतूनक पात तोड़ि कऽ लेने आयल। एहि सँ नूह कँ पता लगलैक जे पृथ्वी पर सँ जल घटि गेल छैक। तखन सात दिन आओर ठहरि कऽ ओ फेर परवा कँ उड़ौलक, मुदा एहि बेर ओ ओकरा लग फीरि कऽ नहि आयल।

१३-१४ जाहि वर्ष नूह ६०१ वर्षक भेल, ओहि सालक पहिल मासक पहिल दिन पृथ्वी परक जल सुखि गेल। नूह जहाजक छत खोलि कऽ देखलक जे पृथ्वीक सतह सुखा गेल छैक। दोसर मासक सताइसम दिन तक पृथ्वी एकदम सुखा गेल।

१५-१७ तखन परमेश्वर नूह कँ कहलथिन्ह, "आब तों अपन स्त्री, बेटा और पुतोहु सभ कँ लऽ कऽ जहाज सँ निकलह। तोरा संग जतेक प्रकारक जीबैत प्राणी छह—चिड़ै, जानबर, और माटि मे ससरऽ वला जन्तु—सभ कँ अपना संग निकालि लैह, जाहि सँ ओ सभ फड़य-फुलाय और पृथ्वी कँ भरि देअय।"

१८-१९ नूह अपन स्त्री, बालक, और पुतोहु सभक संग जहाज मे सँ निकलि आयल। सभ जानबर, माटि मे ससरऽ वला जन्तु, और चिड़ै, अर्थात् जे सभ पृथ्वी पर चलैत अछि, अपना अपना जातिक अनुसार जहाज सँ निकलि आयल।

२०-२२ तखन नूह प्रभुक लेल एक पाथरक पीड़ी बनौलक, और ओहि पर सभ शुद्ध पशु और शुद्ध चिड़ै मे सँ बलिदान कऽ कऽ आगि मे चढ़ौलकन्हि। जखन प्रभु लग अग्नि-बलिदानक सुगन्ध पहुँचलन्हि, तखन ओ प्रसन्न भऽ कऽ अपन हृदय मे कहलन्हि, "ओनातऽ बचपन सँ मनुष्यक मनक सभ विचार अधलाहे छैक, तैयो हम आब ओकरा कारणे भूमि कैँ शाप फेर कहियो नहि देबैक। जेना हम एखन कयलहुँ तेना हम फेर कहियो सभ जीबैत प्राणीक विनाश नहि करब। जहिया तक पृथ्वी रहत, तहिया तक बाउग करबाक और कटबाक समय, जाड़ और गर्मी, दिन और रातिक भेनाइ कहियो समाप्त नहि होयत।"

नूह कैँ परमेश्वरक वचन

९ १-३ तखन परमेश्वर नूह और ओकर बेटा सभ कैँ आशीर्वाद देलथिन्ह जे, "फड़ह-फुलाह, और पृथ्वी मे भरि जाह। पृथ्वीक समस्त जानबर, आकाशक सभ चिड़ै, माटि मे ससरऽ वला प्रत्येक जन्तु, और समुद्रक सभ जल-जन्तु तोरा सँ डेरयतह। ओकरा सभ पर तोहर अधिकार रहतह। सभ जे जीबैत अछि और जे चलैत अछि तोहर भोजनक लेल हयतह। जहिना हम तोरा हरियर गाछ-वृक्ष देलिअह, तहिना आब हम तोरा सभ किछु दैत छिअह।

[४-६] "मुदा तोँ माँसु कँ ओकर प्राणक, अर्थात् शोणितक, संग नहि खैहह। और तोहर प्राण-हरणक लेल हम निश्चय बदला लेब। प्रत्येक जानबर और प्रत्येक मनुष्य जे मनुष्य कँ खुन कऽ देत, तकरा सँ हम बदला लेबैक। मनुष्य कँ जे खुन कऽ देतैक, तकरो मनुष्य द्वारा खुन कऽ देल जयतैक, किएक तँ अपनहि स्वरूप मे परमेश्वर मनुष्य कँ बनौलन्हि।

[७] "और तोँ सभ फड़ह-फुलाह! पृथ्वी पर सन्तान कँ जन्माबह और असंख्य भऽ जाह!"

[८-११] तखन परमेश्वर नूह और ओकर बालक सभ कँ कहलथिन्ह, "हम तोरा तथा तोरा द्वारा जन्माओल वंशज कँ और प्रत्येक जीबैत प्राणी कँ जे तोरा संग जहाज मे छल, अर्थात् चिड़ै, घरैआ पशु, जंगली जानबर—सभ जे तोरा संग जहाज सँ बहरायल—सभ कँ हम अपन वचन दैत छी। हम तोरा ई वचन दैत छिअह जे जल-प्रलय द्वारा सभ प्राणी फेर कहियो नष्ट नहि कयल जायत : पृथ्वीक विनाश करबाक लेल फेर कहियो जल-प्रलय नहि होयत।"

[१२-१६] तखन परमेश्वर कहलथिन्ह, "तोरा और तोहर संग प्रत्येक जीबैत प्राणी कँ, युग-युगक पीढ़ीक लेल हम ई वचन दैत छी। ओकर यैह चेन्ह होयत : मेघ मे हम अपन पनि-सोखा राखि देने छी; ओ हमरा और पृथ्वीक बीच मे जे वचन अछि, तकर चेन्ह रहत। जखन हम पृथ्वीक ऊपर मेघ लगायब और हमर पनि-सोखा देखाइ देत, तखन हम अपन वचन कँ मोन पाड़ब जे तोरा और सभ जातिक जीबैत प्राणी कँ देलहुँ, और वर्षा सँ कहियो जल-प्रलय नहि होयत जाहि सँ सभ प्राणी नष्ट भऽ जाय। जखन मेघ मे पनि-सोखा देखाइ देत तखन हम ओकरा देखि कऽ ओहि

अमर वचन कैँ स्मरण करब जे परमेश्वरक और पृथ्वीक सभ जातिक जीबैत प्राणीक बीच मे अछि ।"

१७तँ परमेश्वर नूह कैँ कहलन्हि, "जे वचन हमरा और पृथ्वीक सभ प्राणीक बीच मे अछि, तकर यैह चेन्ह थीक ।"

नूहक बालक

१८-१९ नूहक पुत्र जे जहाज मे सँ बहरायल, से यैह सभ अछि : शेम, हाम और याफत । (हाम कनानक पिता छल ।) ई सभ नूहक तीन पुत्र छल, और ओकरे सभ द्वारा पृथ्वी मनुष्य सँ भरि गेल ।

२०-२३ नूह किसान भऽ कऽ अंगूरक बागिचा लगौलक । अंगूरक दारू पीबि कऽ ओ माति गेल, और अपन तम्बूक भीतर मे नंगटे भऽ कऽ पड़ि रहल । तखन हाम, जे कनानक पिता छल, अपन पिता कैँ नंगटे देखैत रहल, और बाहर आबि कऽ अपन दुनू भाय कैँ ई बात कहि देलक । मुदा शेम और याफत कपड़ा लऽ, अपन कान्ह पर रखलक, और पछे मुँहें चलि कऽ अपन पिता कैँ ओहि कपड़ा सँ झाँपि देलक । मुँह दोसर दिस घुमा कऽ अपन पिता कैँ नंगटे नहि देखलक ।

२४-२५ जखन नूहक नशा टुटि गेल और ओकरा पता लागल जे ओकर छोटका पुत्र ओकरा संग की कयने छल, तखन ओ कहलक,

"कनान शापित होयत !
ओ अपन भाय सभक
सभ सँ नीच दास होयत ।"

२६-२७ ओ आगाँ कहलक,

"शेमक प्रभु-परमेश्वर धन्य छथिन्ह !
कनान शेमक दास होअय ।
परमेश्वर याफतक वंश कैँ पसारथि ।
याफत शेमक तम्बू सभ मे रहय ।
और कनान ओकर दास होअय ।"

२८-२९ जल-प्रलयक बाद नूह ३५० वर्ष आरो जीबैत रहल । सभ मिला कऽ नूह ९५० वर्ष तक जीअल, तकरबाद ओ मरि गेल ।

पृथ्वीक जाति सभ

१० [1] नूहक बालक शेम, हाम और याफतक यैह वंशज अछि । जल-प्रलयक बाद ओकरो सभ कैँ बेटा भेलैक ।

[2] याफतक बालक :

गोमेर, मागोग, मादै, जावन, तूबल, मेशेक,
और तीरास ।

[3] गोमेरक बालक :

अशकनज, रीपत, और तोगर्मा ।

४-५ जावनक वंशज :

एलीश, तशीश, कीती और दोदानी जातिक
लोक । (एकरे सभ सँ समुद्र लग रहऽ
वला जाति सभ विभिन्न देश मे बँटि गेल ।
सभ अपन अपन जाति, कूल और भाषाक
अनुसार अलग-अलग भऽ गेल ।)

[६] हामक बालक :

कूश, मिस्त्र, पूत, और कनान ।

[७] कूशक बालक :

सबा, हवीला, सबता, रामा, और सबूतका ।

रामाक बालक :

शेबा और ददान ।

[८-१२] कूशक वंशज निम्रोद सेहो छल । ओ पृथ्वी पर पहिल शक्तिशाली योद्धा छल । परमेश्वरक देखबा मे ओ शक्तिशाली शिकार खेलऽ वला छल । तैं ई कहबी प्रचलित अछि जे, "निम्रोद जकाँ परमेश्वरक देखबा मे शक्तिशाली शिकार खेलऽ वला ।" ओकर राज्यक शुरू शिनार देश मे बाबूल, एरेक, अकद, और कलने मे भेल । ओहि देश सँ ओ अशूर देश गेल, जाहिठाम ओ नीनवे, रहोबोत-इर, कालह, और नीनवे आ कालहक बीच मे रेसन शहर सभ बनौलक । ई महानगर अछि ।

[१३-१४] मिस्त्रक वंश सँ ई सभ जाति बनल :

लूदी, अनामी, लहाबी, नप्तही, पत्रूसी,
कप्तोरी, और कसलूही (जकरा सँ
पलिश्ती लोक बनल) ।

[१५-१८] कनानक वंश मे सभ सँ पहिने शिदो भेल, तकरबाद इहो जाति सभ भेल :

हित्ती, जबुसी, अमोरी, गिर्गाशी, हिव्वी,
अर्की, सीनी, अर्वदी, समारी, और
हमाती ।

[१९-२०] बाद मे कनानक कूल-परिवार सभ पसरि गेल और कनानी सभक देशक क्षेत्र सिदोन सँ गेरारक दिस मे गासा तक

भऽ गेल, और सदोम, अमोरा, अदमा और सबोयीमक दिस लाशा तक छल। ई सभ अपन अपन कूल, भाषा, जाति और देशक अनुसार हामक वंशज अछि।

[२१] शेम कँ सेहो बालक भेलैक। शेम याफतक पैघ भाय तथा सभ एबेर लोकक मूलपुरखा छल।

[२२] शेमक बालक :

एलाम, अशूर, अर्पक्षद, लूद और आरम।

[२३] आरमक बालक :

ऊस, हूल, गेतेर, और मश।

[२४] अर्पक्षदक बालक शेलह भेल, और शेलहक बालक एबेर भेल।

[२५] एबेर कँ दुटा बालक भेल :

एकटाक नाम पेलेग राखल गेल, किएक तँ
ओकरे समय मे पृथ्वीक लोक बाँटल
गेल, और दोसर भायक नाम जोक्तान
छल।

[२६-२९] जोक्तानक बालक :

अलमोदद, शेलेप, हसर्मावेत, जेरह, हदोराम,
उजाल, दिकला, ओबल, अबिमेल,
शेबा, ओपीर, हविला, और जोबाब। ई
सभ जोक्तानक बालक छल।

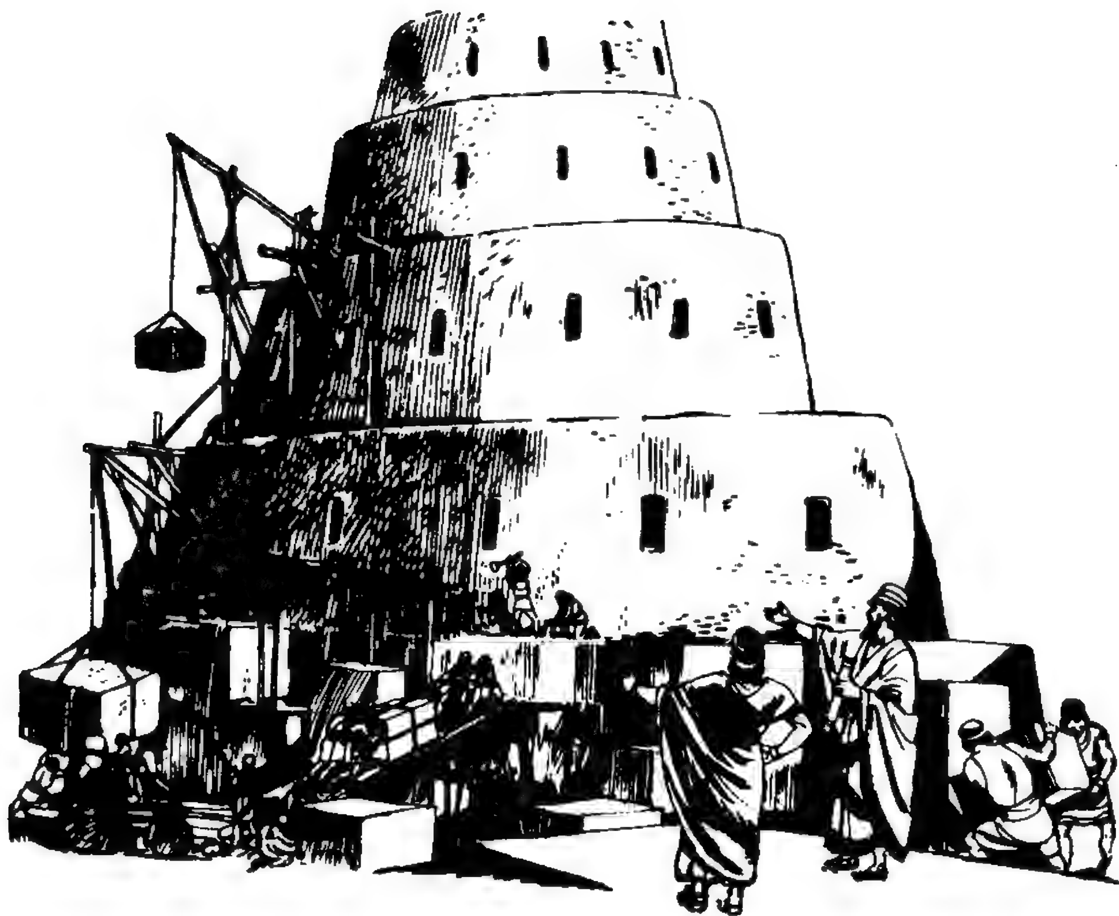
[३०-३१] जाहि क्षेत्र मे ओ सभ रहल, से मेशा सँ पूब मे सपार देशक पहाड़ी प्रदेश तक छल। ई सभ अपन अपन कूल, भाषा, जाति और देशक अनुसार शेमक वंशज छल।

[३२] ई सभ अपन कूल और जातिक अनुसार नूहक वंशज अछि। और जल-प्रलयक बाद पृथ्वी-भरिक जाति सभ एकरे मे सँ बँटि गेल।

बाबूलक मिनार

११ [१-४] सौंसे संसार मे एकैटा भाषा और एकैटा बजबाक तरीका छल। लोक सभ पूब दिस जा कऽ शिनार देश मे सम्तल मैदान पाबि ओहि मे बसि गेल। तखन एक दोसर कँ कहलक, "आउ, हम सभ ईंटा बना कऽ आगि मे पका कऽ खूब मजगूत बना ली!" पाथरक बदला मे ईंटा, और चूनक मसालाक बदला मे अलकतरा लऽ कऽ काज करऽ लागल। तखन ओ सभ कहलक, "आउ! हम सभ अपना लेल एक शहर बना लेब, जाहि मे एक मिनार सेहो बनायब जकर चोटी आकाश तक पहुँचत, जाहि सँ अपने सभ बहुत नामी भऽ जायब और सौंसे पृथ्वी पर छिड़िआ नहि जायब।"

[५-७] मुदा जाहि शहर और मिनार कँ ओ सभ बनबैत छल, तकरा देखबाक हेतु प्रभु उतरि अयलाह। ओ कहलन्हि, "ई सभ एकै जाति और एकै भाषाक लोक अछि, और जे काज कऽ रहल अछि, से तँ शुरूए छैक—एकराबादो मे, जतेक काजक योजना बनाओत, ओहि मे सँ एकरा सभक लेल नहि होबऽ वला कोनो काज नहि होयत। एहि लेल आउ! हम सभ उतरि कऽ एकरा सभक भाषा गड़बड़ा देब, जाहि सँ ई सभ एक दोसरक बात नहि बुझत।"



८-९ तैं प्रभु ओकरा सभ कँ सौंसे पृथ्वी पर छिड़िआ देलथिन्ह, और ओ सभ शहर बनौनाइ छोड़ि देलक। एहि कारण ओहि शहरक नाम "बाबूल" राखल गेल, किएक तँ ओहि ठाम सौंसे संसारक भाषा प्रभु गड़बड़ा देलथिन्ह। और ओहि ठाम सँ प्रभु ओकरा सभ कँ सौंसे पृथ्वी पर छिड़िआ देलथिन्ह।

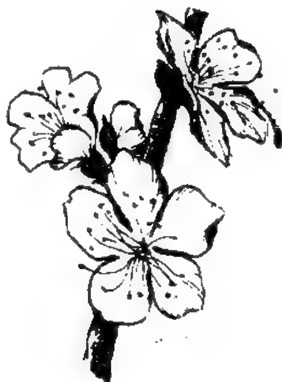
भाग २

युहन्नाक अनुसार शुभ समाचार

"युहन्नाक अनुसार शुभ समाचार" "उत्पत्ति" सँ करीब १३ वा १४ सौ वर्षक बाद लिखल गेल । एहि बीचक समय मे की सभ भेल, से बाइबिलक "पुरान नियम" मे भेटत । संक्षेप मे ई कहल जा सकैत अछि जे ओहि बीचक पीढ़ी सभ मे परमेश्वर मनुष्य-जाति कँ उद्धारकर्ताक आगमन स्वीकार करबाक लेल नाना प्रकारें तैयार कऽ रहल छलाह ।

तँ एहि दोसर भाग मे पाठक देखताह जे परमेश्वर अपन वचन पूरा करैत, अपन एकलौता पुत्र कँ मनुष्य-जातिक उद्धारकर्ताक रूप मे संसार मे पठौलन्हि । हुनकर नाम छन्हि प्रभु यीशु मसीह । एहि भागक लेखक प्रभु यीशुक एक शिष्य छथि, जिनकर नाम युहन्ना छन्हि । युहन्ना अपन लेख मे देखबैत छथि जे प्रभु यीशु वास्तव मे के छथि, लोक सभ कँ ओ परमेश्वरक दिस सँ की सम्बाद देलन्हि, संगहि परमेश्वरक शक्ति द्वारा ओ की सभ काज कयलन्हि, और लोक सभ हुनका कोन तरहें स्वीकार वा अस्वीकार कयलकन्हि । अन्त मे प्रभु यीशु कोना मुइलाह और तेसर दिन फेर जीवि उठलाह, से सभ बात एहि दोसर भाग मे भेटैत अछि ।

जेना लेखक अपने कहने छथि, ई पुस्तक एहि लेल लिखल गेल जाहि सँ, "अहाँ सभ विश्वास करी जे यीशु चुनल मसीह और परमेश्वरक पुत्र छथि, और विश्वास कयला सँ अहाँ सभ कँ हुनका द्वारा जीवन प्राप्त होअय ।" (युहन्ना २०:३१)



युहन्नाक अनुसार शुभ समाचार

वचन मनुष्य बनलाह

१ १-५ कोनो वस्तुक उत्पत्ति सँ पहिने वचन रहथि। वचन परमेश्वरक संग छलाह, और अपने परमेश्वर छलाह। तँ वैह शुरू मे परमेश्वरक संग छलाह। वचने द्वारा सभ वस्तु उत्पन्न कयल गेल, और जे किछु उत्पन्न भेल ओहि मे सँ एकोटा वस्तु हुनका बिना उत्पन्न नहि भेल। हुनका मे जीवन छल, और ई जीवन मनुष्यक लेल ज्योति छल। ज्योति अन्हार मे प्रकाश दैत अछि, और अन्हार ओहि पर कहियो विजयी नहि भेल अछि।

६-८ परमेश्वर द्वारा पठाओल गेल एक आदमी आयल, जकर नाम युहन्ना छल। ओ गवाहीक लेल आयल, ओहि ज्योतिक विषय मे गवाही देबाक लेल, जाहि सँ ओकरा द्वारा सभ लोक विश्वास करय। ओ अपने ओ ज्योति नहि छल, बल्कि ओहि ज्योतिक सम्बन्ध मे गवाही देबाक हेतु आयल छल।

९ ओ ज्योति वास्तविक ज्योति छल, जे प्रत्येक मनुष्य केँ प्रकाशित करैत अछि। और ओ ज्योति संसार मे आबि रहल छलाह।

१०-१३ ओ संसार मे छलाह, संसार हुनका द्वारा बनाओल गेल छल; तैयो संसार हुनका नहि चिन्हलकन्हि। ओ अपना

ओहिठाम अयलाह, और अपन लोक हुनका स्वीकार नहि कयलकन्हि, मुदा जे सभ हुनका स्वीकार कयलक, अर्थात् जे सभ हुनका पर विश्वास कयलक, तकरा सभ कँ ओ परमेश्वरक सन्तान बनबाक अधिकार देलथिन्ह। ई सभ ने मनुष्यक वंशज सँ जनमल, ने शारीरिक इच्छा सँ, और ने कोनो पुरूषक कल्पना सँ, वल्कि परमेश्वर द्वारा जनमल।

१४ वचन मनुष्य बनि गेलाह, और अनुग्रह आ सत्य सँ परिपूर्ण, हमरा सभक बीच मे निवास कयलन्हि। हम सभ हुनकर एहन महिमा देखलहुँ जेना पिताक एकलौता पुत्रक महिमा।

१५-१८ युहन्ना हुनका विषय मे ई गवाही दऽ कऽ जोर सँ कहलक, "यैह छथि जिनका बारे मे हम कहैत छलहुँ जे, ओ जे हमरा बाद अबैत छथि, से हमरा सँ श्रेष्ठ छथि, किएक तँ हमर जन्मो सँ पहिने ओ छलाह।" हुनक परिपूर्णता मे सँ हमरा सभ गोटे कँ अनुग्रह भेटल अछि, हँ, आशीष पर आशीष। कारण, धर्मनियम मूसा द्वारा देल गेल, मुदा अनुग्रह और सत्य यीशु मसीह द्वारा आयल। परमेश्वर कँ केओ कहियो नहि देखने छन्हि। मुदा एकलौता पुत्र, जे अपने परमेश्वर छथि, और जे पिताक संगति मे रहैत छथि, वैह हुनका प्रगट कयने छथि।

युहन्नाक गवाही

१९-२२ युहन्नाक गवाही ई अछि। यरूशलेम शहर सँ यहूदी लोकनि पुरोहित आ लेवी (सहायक पुरोहित) सभ कँ ओकरा लग ई पुछबाक लेल पठा देलन्हि जे, "अहाँ के छी?" तँ युहन्ना मानि लेलक—अस्वीकार नहि कयलक—ओ खुलि कऽ मानि लेलक जे, "हम परमेश्वरक चुनल मसीह नहि छी।" ओ सभ

ओकरा सँ पुछलथिन्ह, "तँ की, अहाँ एलिआ छी ?" ओ उत्तर देलकन्हि, "हम से नहि छी ।" "की अहाँ परमेश्वरक ओ प्रवक्ता छी जे आबऽ वला छथि ?" ओ जवाब देलक, "नहि ।" तखन ओ सभ ओकरा फेर पुछलथिन्ह, "तखन अहाँ छी के ? कहू ने जाहि सँ हमरा सभ कँ जे पठौलन्हि तिनका सभ कँ किछु उत्तर दऽ सकबन्हि । अपना विषय मे अहाँ की कहैत छी ?"

२३ओ उत्तर देलक, "हम एक स्वर छी जे भविष्यवक्ता यशायाहक कहल वचनानुसार निर्जन जंगल मे जोर सँ आवाज दऽ रहल अछि जे, 'प्रभुक आगमनक लेल बाट सोभ्क करह' ।"

२४-२८फारिसी लोकनि द्वारा पठाओल गेल किछु गोटे ओकरा सँ पुछलथिन्ह, "अहाँ जँ मसीह नहि छी, आ ने एलिआ आ ने ओ प्रवक्ता, तँ अहाँ बप्तिस्मा किएक दैत छी ?" युहन्ना हुनका सभ कँ उत्तर देलकन्हि, "हम पानि सँ बप्तिस्मा दैत छी, मुदा अहाँ सभक बीच मे एक व्यक्ति ठाढ़ छथि जिनका अहाँ सभ नहि चिन्हैत छियन्हि । ओ वैह छथि जे हमरा बाद अबैत छथि, और हम हुनकर पनहिओ खोलबाक जोगर नहि छी ।" ई सभ बात योर्दन नदीक ओहि पार बेथनिआ गाम मे भेल, जाहिठाम युहन्ना बप्तिस्मा दैत रहय ।

यीशु—परमेश्वरक बलिभेंड़ा

२९-३१दोसरे दिन युहन्ना यीशु कँ अपना दिस अबैत देखि कहलक, "देखू ! ई परमेश्वरक बलिभेंड़ा छथि जे संसारक पाप उठा कऽ लऽ जाइत छथि । ई वैह छथि जिनका विषय मे हम कहलहुँ जे, हमरा बाद मे एक व्यक्ति अबैत छथि जे हमरा सँ श्रेष्ठ छथि किएक तँ हमर जन्मो सँ पहिनहि ओ छलाह । हमहूँ हुनका

नहि चिन्हैत छलहुँ, मुदा हम पानि सँ बप्तिस्मा दैत एहि लेल अयलहुँ जे ओ अपन इस्राएली लोक पर प्रगट होथि ।"

[३२-३४]युहन्ना ई गवाही देलक, "हम परमेश्‍वरक आत्मा कँ आकाश सँ परबा जकाँ उतरैत आ हुनका पर टिकैत देखलहुँ । हम अपने तँ हुनका नहिए चिन्हितहुँ, मुदा जे हमरा पानि सँ बप्तिस्मा देबऽ लेल पठौलन्हि, से हमरा कहने छलाह जे, 'जिनका पर तोँ आत्मा कँ उतरैत और टिकैत देखबह, वैह छथि जे पवित्र आत्मा सँ बप्तिस्मा देताह ।' हम ई बात देखने छी और गवाही दैत छी जे ई परमेश्‍वरक पुत्र छथि ।"

यीशुक प्रथम शिष्य लोकनि

[३५-३९]फेर दोसरे दिन युहन्ना अपन शिष्य मे सँ दू गोटेक संग ओहिठाम ठाढ़ छल । यीशु कँ ओहि दऽ कऽ जाइत देखि ओ कहलक, "देखू ! परमेश्‍वरक बलिभेंड़ा !" ई बात सुनि दुनू शिष्य यीशुक पाछाँ लागि गेल । यीशु घूमि कऽ ओकरा सभ कँ पाछाँ अबैत देखि कहलथिन्ह, "अहाँ सभ की चाहैत छी ?" ओ सभ हुनका कहलकन्हि, "रब्बी (जकर अर्थ अछि 'गुरूजी'), अपने कतऽ ठहरल छी ?" ओ ओकरा सभ कँ उत्तर देलथिन्ह, "चलू देखि लिअ ।" तखन ओ सभ जा कऽ देखि लेलक जे ओ कतऽ ठहरल छथि, आ ओहि दिन हुनका संग रहल । लग-भग चारि बजे साँझ छल ।

[४०-४२]ई दुनू जे युहन्नाक बात सुनि कऽ यीशुक पाछाँ भऽ चलल रहय, ओहि मे सँ एक अन्द्रेयास छल, सिमोन पत्रुसक भाय । ओ तुरत अपन भाय सिमोन सँ भेट कऽ ओकरा कहलक, "हमरा सभ कँ परमेश्‍वरक चुनल मसीह भेटलाह" (जे युनानी

भाषा मे 'ख्रिष्ट' कहबैत छथि)। ओ ओकरा यीशु लग अनलक। यीशु ओकरा ध्यानपूर्बक देखि कहलथिन्ह, "तोँ सिमोन, युहन्नाक बालक छह। तोहर नाम 'कैफा' हयतह।" (यानी 'पत्रुस' अर्थात् 'चट्टान')

४३-४५ दोसरे दिन यीशु गलील अंचल जयबाक निश्चय कयलन्हि। तखन हुनका फिलिप्पुस भेट भेलन्हि। ओ ओकरा कहलथिन्ह, "हमर अनुसरण करह।" फिलिप्पुस अन्द्रेयास और पत्रुसक गाम बैतसैदाक निवासी छल। फिलिप्पुस नथनेल सँ भेट कऽ कऽ कहलकैक, "हमरा सभ कैँ ओ भेटलाह जिनका विषय मे मूसा धर्मनियम मे लिखने छथि आ जिनका विषय मे परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनि सेहो लिखने छथि। ओ छथि युसुफक बेटा, नासरत निवासी यीशु।"

४६ "नासरत?" नथनेल बाजि उठल। "की नासरत सँ किछुओ नीक आबि सकैत छैक?" फिलिप्पुस ओकरा कहलक, "चलि कऽ देखि लिअ।"

४७-४९ यीशु नथनेल कैँ अपना लग अबैत देखि कहलथिन्ह, "देखू! ई एक सही इस्राएली अछि, जकरा मे कोनो छल-प्रपंच नहि!" नथनेल हुनका कहलकन्हि, "अहाँ हमरा कोना चिन्हैत छी?" यीशु उत्तर देलथिन्ह, "एहि सँ पहिनहि जे फिलिप्पुस तोरा बजौलकह, हम तोरा अंजीर गाछक तर मे देखने छलिअह।" एहि पर नथनेल बाजल, "गुरूजी! अहाँ परमेश्वरक पुत्र छी! अहाँ इस्राएलक राजा छी।"

५०-५१ यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "की तोँ एहि लेल ई बात विश्वास करैत छह कि हम तोरा कहलिअह जे अंजीर गाछक तर मे तोरा देखने छलिअह? तोँ एहू सँ पैघ बात सभ देखबह।"

तखन ओकरा इहो कहलथिन्ह, "हम तोरा सभ कँ विश्वास दिअबैत छिअह जे तोँ सभ स्वर्ग कँ खुजल तथा परमेश्वरक स्वर्गदूत सभ कँ मनुष्य-पुत्र (अर्थात् हमरा) पर नीचा उतरैत आ ऊपर चढ़ैत देखबह ।"

यीशु विवाहक उत्सव मे

२ १-५ एहि बातक तेसरे दिन गलील अंचलक काना नामक गाम मे विवाह छल । ओहिठाम यीशुक माय छलि, और यीशु तथा हुनकर शिष्य सेहो विवाह मे निमन्त्रित छलाह । अंगूरक दारू घटला पर माय यीशु कँ कहलकन्हि, "हिनका सभ कँ आब दारू नहि छन्हि ।" यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "तोरा सँ हमरा कोन काज? हमर समय एखन नहि आयल अछि ।" तखन हुनकर माय बारिक सभ कँ कहलक, "ई जे किछु तोरा सभ कँ कहथुन्ह से करिहह !"

६-१० लग मे यहूदी लोकनिक रीतिक अनुसार शुद्ध करबाक लेल छओटा पाथरक घैल राखल छल । प्रत्येक मे करीब सौ-सवासौ लीटर अँटैत छल । यीशु बारिक सभ कँ कहलथिन्ह, "घैल सभ मे पानि भरि दहक ।" ओ सभ घैल कँ कानो-कान भरि देलक । तखन ओकरा सभ कँ कहलथिन्ह, "आब किछु निकालि कऽ भड़ारी कँ दऽ अबहुन ।" ओ सभ दऽ आयल, और भड़ारी ओहि पानि कँ चिखलन्हि जे दारू बनि गेल छल । हुनका नहि बुझल छलन्हि जे ई दारू कतऽ सँ आबि गेल (मुदा बारिक सभ जे पानि निकालने छल, तकरा सभ कँ बुझल छलैक), तँ भड़ारी बर कँ बजा कऽ कहलथिन्ह, "सभ आदमी

तँ बढ़ियाँ वला दारू पहिनहि परसैत अछि, और बाद मे जखन लोक सभ बहुते पीबि लेने रहैत अछि तखने साधारण वला परसैत अछि, मुदा अहाँ बढ़ियाँ वला एखनो धरि रखनहि छलहुँ !"

११एहि तरहें गलीलक काना गाम मे यीशु अपन चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभ शुरू कऽ कऽ अपन महिमा प्रगट कयलन्हि और हुनकर शिष्य हुनका पर विश्वास कयलकन्हि ।

१२एकरा बाद यीशु अपन माय, भाय और शिष्य सभक संग कपरनाम नगर गेलाह और ओहिठाम किछु दिन रहलाह ।

यीशु मन्दिर मे

१३-१८यहूदी लोकनिक फसह-पावनि लग अयला पर यीशु यरूशलेम चल गेलाह । मन्दिर मे ओ व्यापारी सभ कैँ गाय-बड़द, भेंड़ा और परबा बेचैत तथा टेबुल पर पैसा भजबऽ वला सभ कैँ बैसल देखलन्हि । ई देखि यीशु रस्साक कोर्रा बना कऽ सभ कैँ मन्दिर मे सँ बाहर भगा देलन्हि, भेंड़ा और माल-जाल कैँ सेहो । पाइ भजबऽ वला सभक सिक्का छिड़िआ कऽ ओकरा सभक टेबुल उनटा देलन्हि । परबा बेचऽ वला सभ कैँ ओ कहलथिन्ह, "एहि सभ कैँ एतऽ सँ तुरत लऽ जाह ! हमर पिताक घर कैँ बजार जुनि बनाबह !" तखन हुनकर शिष्य सभ कैँ धर्मशास्त्रक ई लेख मोन पड़ल जे, "हे परमेश्वर, तोहर घरक लेल हमर चिन्ता हमरा नष्ट कऽ देत ।" तखन यहूदी सभ हुनका कहलकन्हि, "ई सभ करबाक अधिकारक प्रमाण देबाक लेल अहाँ हमरा सभ कैँ कोन चिन्ह देखायब ?"

१९-२२यीशु उत्तर देलथिन्ह, "एहि मन्दिर कैँ ढाहि दिअ और हम एकरा तीन दिन मे फेर ठाढ़ कऽ देब ।" एहि पर यहूदी

सभ जवाब देलकन्हि, "एहि मन्दिर कैँ बनाबऽ मे हमरा सभ कैँ छियालिस वर्ष लागल, और की अहाँ एकरा तीन दिन मे फेर ठाढ़ कऽ देब !" मुदा यीशु जाहि मन्दिरक बारे मे बाजल छलाह, से हुनक देह छल। तैँ बाद मे जखन ओ मुइल सँ जीबि उठलाह तँ शिष्य सभ हुनकर एहि कथन कैँ स्मरण कयलक। तखन ओ सभ धर्मशास्त्रक लेख कैँ और यीशुक बात कैँ विश्वास कयलक।

२३-२५ जखन यीशु फसह-भोजक समय मे यरूशलेम मे छलाह, तँ बहुत लोक हुनकर चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभ जे ओ देखबैत छलाह, तकरा देखि कऽ हुनका पर विश्वास कयलकन्हि, मुदा यीशु अपना कैँ ओकरा सभक भरोस पर नहि छोड़लन्हि, कारण ओ सभ मनुष्य कैँ जनैत छलाह। मनुष्यक बारे मे हुनका ककरो द्वारा कोनो साक्षीक आवश्यकता नहि छलन्हि, किएक तँ ओ अपने जनैत छलाह जे मनुष्यक मन मे की बात होइत छैक।

नव जन्मक उपदेश

३ १-२ फारिसी लोकनि मे सँ एक निकोदीमुस नामक आदमी छलाह, जे यहूदी सभक धर्मसभाक सदस्य छलाह। एक राति ओ यीशु लग आबि कऽ कहलथिन्ह, "गुरूजी, हम सभ जनैत छी जे अपने परमेश्वर द्वारा पठाओल गेल गुरू छी, कारण जँ परमेश्वर संग नहि रहितथि तँ अपने जे चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभ देखा रहल छी, से केओ नहि देखा सकैत।"

३ तकर उत्तर मे यीशु हुनका कहलथिन्ह, "हम अहाँ कें सत्ये कहैत छी जे, जाबत तक केओ नव जन्म नहि लेत ओ परमेश्वरक राज्य नहि देखि सकत।"

४ निकोदीमुस हुनका कहलथिन्ह, "केओ बूढ़ भऽ कऽ कोना जन्म लेत? की ओ मायक गर्भ मे दोसर बेर प्रवेश कऽ फेर जन्म लऽ सकत?!"

५-८ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "हम अहाँ कें विश्वास दिअबैत छी जे, जखन तक केओ जल और आत्मा सँ जन्म नहि लेत ओ परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश नहि कऽ सकत। मनुष्य तँ खाली शारीरिक जन्म दैत अछि, मुदा पवित्र आत्मा आत्मिक जन्म दैत छथि। तैं एहि सँ आश्चर्य नहि मानू जे हम अहाँ कें कहलहुँ जे अहाँ सभ कें नव जन्म लेबऽ पड़त। हवा जतऽ चाहैत अछि ततऽ बहैत अछि; ओकर आवाज सुनैत छी लेकिन कतऽ सँ आबि रहल अछि वा कतऽ जा रहल अछि से नहि जानि सकैत छी। जे आत्मा सँ जन्म लैत अछि, तकरो एहिना होइत छैक।"

९ निकोदीमुस हुनका कहलथिन्ह, "ई सभ बात कोना भऽ सकैत अछि?"

१०-१५ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "अहाँ इस्राएलक गुरू छी, आ ई बात नहि बुझैत छी?! हम अहाँ कें सत्ये कहैत छी जे, जे बात हम जनैत छी, वैह बात बजैत छी, मुदा तैयो अहाँ सभ हमरा गवाही कें स्वीकार नहि करैत छी। जखन हम अहाँ कें पृथ्वी परक बात कहैत छी और अहाँ विश्वास नहि करैत छी, तँ स्वर्गक बात जँ कहब तँ अहाँ कें कोना विश्वास होयत? केओ स्वर्ग मे नहि चढ़ल अछि; वैहटा चढ़ल अछि जे स्वर्ग सँ उतरल अछि—अर्थात् मनुष्य-पुत्र। जहिना मूसा निर्जन जंगल मे

पित्तड़िक साँप कँ ऊपर लटका देलन्हि, तहिना मनुष्य-पुत्र कँ सेहो अवश्य ऊपर लटकाओल जयतन्हि जाहि सँ जे केओ हुनका पर विश्वास करत से अनन्त जीवन प्राप्त करत ।

१६-२१ "हँ, परमेश्वर संसार सँ एहन प्रेम कयलन्हि जे ओ अपन एकलौता बेटा कँ देलन्हि, जाहि सँ जे केओ हुनका पर विश्वास करत से नाश नहि होयत वल्कि अनन्त जीवन पाओत । परमेश्वर तँ अपना बेटा कँ संसार मे एहि लेल नहि पठौलन्हि जे ओ संसार कँ दोषी ठहराबथि, वल्कि एहि लेल जे हुनका द्वारा संसारक उद्धार होअय । जे व्यक्ति हुनका पर विश्वास करैत अछि से दोषी नहि ठहराओल जाइत अछि, मुदा जे व्यक्ति हुनका पर विश्वास नहि करैत अछि, से दोषी ठहराओल जा चुकल अछि, किएक तँ ओ परमेश्वरक एकलौता बेटा पर विश्वास नहि कयने अछि । दोष एहि मे भेल, जे संसार मे इजोत आबि गेल और लोक कँ इजोतक बदला अन्हारे नीक लगलैक, कारण ओकर काज अधलाहे होइत छल । जे अधलाह काज करैत अछि से इजोत सँ घृणा करैत अछि और इजोत लग नहि अबैत अछि जाहि सँ ओकर काज कतौ प्रगट नहि भऽ जाइक । मुदा जे सत्यक अनुसरण करैत अछि से इजोत लग अबैत अछि जाहि सँ ई प्रगट भऽ जाय जे ओ जे किछु कयने अछि से परमेश्वरक इच्छाक अनुसार कयने अछि ।"

बप्तिस्मा देबऽ वला युहन्नाक आखिरी गवाही

२२-२६ एकराबाद यीशु अपन शिष्य सभक संग यहूदीयाक देहात जा कऽ ओकरा सभक संग रहलाह और लोक कँ बप्तिस्मा देबऽ लगलाह । युहन्ना सेहो शालीम लग एनोन गाम मे बप्तिस्मा

दैत छल, कारण ओतऽ पानि बहुत छल, और लोक सभ ओकरा लग आबि कऽ बप्तिस्मा लैत छल। (ओहि समय मे युहन्ना जहल मे नहि राखल गेल छल।) तँ युहन्नाक शिष्य कोनो एकटा यहूदीक संग शुद्ध करबाक रीतिक विषय मे वाद-विवाद करऽ लागल। ओ सभ युहन्ना लग आबि कऽ कहलक, "गुरूजी, ओ जे योर्दन नदीक ओहि पार अपनेक संग छलाह, जिनका बारे मे अपने गवाही देलहुँ, से आब बप्तिस्मा दऽ रहल छथि और सभ लोक हुनके लग जा रहल अछि।"

२७-३० एहि पर युहन्ना उत्तर देलक, "मनुष्य किछुओ प्राप्त नहि कऽ सकैत जँ परमेश्वर सँ नहि देल जाइत। अहाँ सभ अपने हमर गवाह छी जे हम कहलहुँ जे, ओ चुनल मसीह हम नहि छी, वल्कि हम हुनका सँ आगाँ पठाओल गेल छी। कनियाँ बरे कँ छन्हि; बरक मित्र, जे बरक प्रतीक्षा मे ठाढ़ भऽ कऽ सुनैत अछि, से बरक आवाज सुनि बड्ड आनन्दित होइत अछि। तैँ हमर ई आनन्द आब पूर्ण भऽ गेल अछि। ई जरूरी अछि जे ओ बढ़ैत रहथि आ हम घटैत रही।

३१-३६ "जे ऊपर सँ आयल छथि से आओर सभ सँ पैघ छथि। जे पृथ्वी सँ अछि से पृथ्वीएक अछि और खाली पृथ्वी वला बात सभ कहैत अछि। जे स्वर्ग सँ अबैत छथि वैह आओर सभ सँ पैघ छथि, और जे बात ओ देखने छथि और सुनने छथि, तकरे गवाही दैत छथि। मुदा केओ हुनका गवाही कँ स्वीकार नहि करैत अछि। जे व्यक्ति हुनका गवाही कँ स्वीकार कयने अछि, से एहि बात पर अपन छाप लगा देने अछि जे परमेश्वर सत्य छथि, कारण जिनका परमेश्वर पठौने छथिन्ह, से वैह बात कहैत छथि जे परमेश्वर कहैत छथि। हुनका परमेश्वर अपन

आत्मा, बिना नापि-जोखि कऽ दैत छथिन्ह। पिता पुत्र सँ प्रेम करैत छथि और हुनके हाथ मे सभ किछु दऽ देने छथिन्ह। जे पुत्र पर विश्वास करैत अछि, तकरा अनन्त जीवन छैक; जे पुत्र कैँ नहि मानैत अछि, से ओहि जीवन कैँ नहि देखत—ओकरा पर परमेश्वरक क्रोध रहैत छन्हि।"

सामरी स्त्री और यीशुक जीवन-जल

४ १-६ जखन प्रभु कैँ पता लगलन्हि जे फारिसी सभ सुनलक अछि जे यीशु युहन्ना सँ बेसी शिष्य कैँ बनबैत छथि और बप्तिस्मा दैत छथि (ओना तऽ यीशु अपने नहि वल्कि हुनक शिष्य सभ बप्तिस्मा दैत छलाह) तखन ई बात बूझि कऽ ओ यहूदीया अंचल छोड़ि कऽ फेर गलील अंचलक लेल बिदा भऽ गेलाह। रस्ता मे हुनका सामरिया प्रदेश भऽ कऽ जयबाक छलन्हि। सामरिया मे सुखार नगर पहुँचलाह। ई नगर ओहि खेत लग अछि जे याकूब अपना बेटा युसुफ कैँ देने छलाह। ओतऽ याकूबक इनार छल, और यीशु यात्रा सँ थाकि कऽ इनार पर बैसलाह। दुपहरिआक समय छल।

७-८ ताबते मे एक सामरी स्त्री पानि भरऽ आयल। यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "हमरा पानि पीबऽ लेल दैह।" (हुनकर शिष्य सभ भोजनक समान किनबाक लेल नगर मे गेल छल।)

९ सामरी स्त्री कहलकन्हि, "अपने यहूदी भऽ कऽ हमरा सामरी स्त्री सँ कोना पानि मँगैत छी?" (कारण यहूदी सभ सामरी लोक सँ कोनो सम्पर्क नहि रखैत अछि।)

१० यीशु उत्तर देलथिन्ह, "जँ तोँ परमेश्वरक वरदान कैँ जनितह, और ई जनितह जे ओ के छथि जे तोरा कहैत छथुन्ह जे

पिबऽ लेल दैह, तँ तोँही हुनके सँ मँगितह और ओ तोरा जीवनक जल दितथुन्ह ।''

११-१२ स्त्री बाजल, ''मालिक, पानि भरऽ लेल अपने कँ डोलो तक नहि अछि, और इनार गहींर अछि । ई जीवनक जल अपने लग आओत कतऽ सँ? की अपने हमरा सभक पुरखा याकूब सँ पैघ छी? ओ तँ हमरा सभ कँ ई इनार प्रदान कयलन्हि, जाहि मे सँ ओ अपने और हुनकर बालक लोकनि पीलन्हि और माल-जाल सभ सेहो पीलक ।''

१३-१४ यीशु बजलाह, ''जे ई पानि पीत, तकरा फेर पियास लगतैक, मुदा जे ओ जल पीत जे हम देबैक, तकरा कहियो फेर पियास नहि लगतैक । कारण, हम ओकरा पीबाक लेल जे जल देबैक, से ओकरा मे सदिखन ऊमरैत रहतैक और अनन्त जीवन तक बहतैक ।''

१५ स्त्री कहलकन्हि, ''यौ मालिक! हमरा ई जल दिअ जाहि सँ हमरा कहियो नहि पियास लागय और एहिठाम पानि भरऽ नहि आबऽ पड़य ।''

१६-१७ ओ कहलथिन्ह, ''जा कऽ अपना घरवला कँ बजा लबहुन ।'' स्त्री हुनका जवाब देलकन्हि, ''हमरा घरवला नहि अछि ।''

१७-२० यीशु ओकरा कहलथिन्ह, ''तोँ ठीके कहैत छह जे हमरा घरवला नहि अछि, कारण तोरा पाँचटा घरवला भेल छलह, और जे तोरा लग एखन छह, सेहो तोहर घरवला नहि छह । ई बात तोँ एकदम सत्य कहलह ।'' स्त्री बाजल, ''मालिक, हमरा बुझबा मे अबैत अछि जे अपनेक संग परमेश्वरक बुद्धि अछि । आब कहू । हमरा सभक पुरखा एहि

पहाड़ पर आराधना कयलन्हि, लेकिन अपने यहूदी लोकनि कहैत छी जे आराधना करबाक स्थान मात्र यरूशलेम अछि ।"

[२१-२४]यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "हमर विश्वास करह । ओ समय आओत जहिया तौँ सभ ने एहि पहाड़ पर पिताक आराधना करबह, ने यरूशलेम मे । तौँ सामरी लोक तकर आराधना करैत छह जकरा जनिते नहि छह । हम सभ तकर आराधना करैत छी जकरा जनैत छी, कारण उद्धार यहूदी लोकनि सँ होइत अछि । मुदा ओ समय आबि रहल अछि, हँ, आबिओ गेल, जे सत्य आराधक पिताक आराधना आत्मा और सत्य सँ करतन्हि, किएक तँ पिता एहने आराधक चाहैत छथि । परमेश्वर आत्मा छथि, और ई आवश्यक अछि जे हुनकर आराधक आत्मा आओर सत्य सँ हुनकर आराधना करन्हि ।"

[२५-२६]स्त्री कहलकन्हि, "हम जनैत छी जे मसीह, जे ख्रिष्ट कहबैत छथि, से आबऽ वला छथि । ओ जखन औताह तखन हमरा सभ कँ सभ बात बुझा देताह ।" यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "हम, जे तोरा सँ बात कऽ रहल छिअह, वैह छी ।"

[२७]ओहि क्षण हुनकर शिष्य सभ घूमि आयल । ओकरा सभ कँ बहुत आश्चर्य भेलैक जे यीशु एक स्त्री सँ बात कऽ रहल छथि, मुदा केओ नहि कहलकन्हि जे, अहाँ की चाहैत छी, वा ओकरा सँ किएक बात कऽ रहल छी ?

[२८-३०]तखन स्त्री अपन घैल छोड़ि नगर मे जा कऽ लोक सभ कँ कहऽ लागल जे, "आउ, एक आदमी कँ देखू ! जे किछु हम कहियो कयने छी, से सभ बात ओ हमरा कहलन्हि । की ई

परमेश्वरक चुनल मसीह तँ नहि छथि?" लोक सभ नगर सँ बहरायल और यीशु लग आबऽ लागल ।

३१-३८एहि बीच मे शिष्य सभ यीशु कँ आग्रह कयलकन्हि जे, "गुरूजी, किछु खा लिअ ।" मुदा ओ ओकरा सभ कँ कहलथिन्ह, "हमरा लग एहन भोजन अछि जकरा बारे मे तौँ सभ नहि किछु जनैत छह ।" शिष्य सभ एक दोसरा कँ कहऽ लागल, "केओ हिनका लेल भोजन तँ नहि आनि देने छन्हि?" यीशु ओकरा सभ कँ कहलथिन्ह, "हमर भोजन ई अछि जे हम अपन पठाबऽ वलाक इच्छाक अनुसार चली और जे काज हमरा देने छथि तकरा पूरा करी । की तौँ सभ नहि कहैत छह जे, एखन चारि मास बाँकी अछि तखन फसीलक कटनी करबाक समय आओत? लेकिन हम कहैत छिअह जे आँखि खोलि कऽ खेत दिस देखह! एखनो कटनीक लेल पाकि गेल अछि! एखनो काटऽ वला कँ बोनि भेटैत छैक—एखनो ओ फसील काटि कऽ अनन्त जीवनक लेल लबैत अछि, जाहि सँ बाउग करऽ वला और काटऽ वला दुनू एक संग खुशी मनाओत । एहि प्रकारे ओ कहबी शिद्ध होइत अछि जे बाउग करत केओ और काटत केओ । हम तोरा सभ कँ ओकरा काटऽ लेल पठौलिअह जकरा लेल तौँ सभ परिश्रम नहि कयने छलह । परिश्रम कयलक दोसर, और तौँ सभ ओकर परिश्रमक फल मे सहभागी भेलह ।"

बहुतो सामरी लोकक विश्वास

३९-४२ओहि नगरक बहुत सामरी लोक ओहि स्त्रीक ई गवाही जे, जे किछु हम कहियो कयने छी से सभ बात ओ हमरा

कहलन्हि, से सुनि यीशु पर विश्वास कयलक । तैं ओ सभ यीशु लग पहुँचि कऽ आग्रह कयलकन्हि जे, अपने हमरा सभक संग रहल जाओ । और यीशु ओतऽ दू दिन रहलाह । हुनकर बात सुनि आओर बहुत लोक हुनका पर विश्वास कयलक । ओ सभ ओहि स्त्री कँ कहलक, "आब तोरे कहबाक कारणे विश्वास नहि करैत छी, वल्कि हम सभ अपने कान सँ हुनकर बात सुनने छी और जनैत छी जे ई वास्तव मे संसारक उद्धारकर्ता छथि ।"

हाकिमक पुत्र कँ स्वस्थ कयलन्हि

४३-४५ओहिठाम दू दिन रहलाक बाद यीशु गलीलक लेल बिदा भऽ गेलाह । (यीशु अपने गवाही देने छलाह जे भविष्यवक्ता कँ अपन पैतृक स्थान में आदर नहि होइत छैक ।) जखन गलील अंचल पहुँचलाह तँ गलील निवासी सभ हुनका स्वागत कयलकन्हि, किएक तँ ओ सभ हुनक सभ काज जे ओ यरूशलेम मे फसह-भोजक अवसर पर कयने रहथि, से देखने छल, कारण ओहो सभ पावनि मे गेल छल ।

४६-४७तँ यीशु फेर गलीलक काना गाम मे अयलाह, जाहिठाम ओ पानि कँ अंगूरक दारू बना देने रहथि । कपरनाम नगर मे राजाक एक हाकिम छलाह जिनकर बालक अस्वस्थ छलन्हि । ओ ई खबरि सुनि जे यीशु यहूदीया अंचल सँ गलील मे पहुँचि गेल छथि, से जा कऽ हुनका सँ निवेदन कयलथिन्ह जे, "चलि कऽ हमरा बेटा कँ नीक कऽ दिअ ।" कारण ओ मरऽ पर छल ।

४८यीशु हुनका कहलथिन्ह, "अहाँ सभ जाबत तक चिन्ह और चमत्कार नहि देखब ताबत विश्वास कहियो नहि करब ।"

४९-५० हाकिम हुनका कहलथिन्ह, "यौ सरकार, एखन चलू; नहि तँ हमर बौआ मरि जायत।" यीशु उत्तर देलथिन्ह, "जाउ अहाँ — अहाँक बेटा बाँचि गेल।"

५०-५३ ओ आदमी यीशुक कथन पर विश्वास कयलन्हि और चल गेलाह। ओ रस्ते मे छलाह कि हुनकर नोकर सभ भेट कऽ हुनका कहलकन्हि, "अपनेक बच्चा ठीक भऽ गेल अछि!" ओ ओकरा सभ सँ पुछलथिन्ह जे कतेक बजे सँ बच्चा ठीक होबऽ लागल, तँ ओ सभ कहलकन्हि, "काल्हिखन लग-भग एक बजे दिन मे ओकर बोखार उतरि गेल।" तखन ओ बुझलन्हि जे ठीक ओही घड़ी यीशु हुनका कहने छलथिन्ह जे, अहाँक बेटा बाँचि गेल। और ओ अपन पूरा परिवार यीशु पर विश्वास कयलन्हि।

५४ ई आब दोसर चमत्कारपूर्ण चिन्ह छल जे यीशु यहूदीया अंचल सँ गलील अंचल मे आबि कऽ देखौलन्हि।

अड़तीस वर्षक रोगी तुरत स्वस्थ भऽ गेल

५ १-४ बाद मे यहूदी सभक एक पावनिक अवसर पर यीशु फेर यरूशलेम गेलाह। यरूशलेम मे, भेड़-द्वारि लग एक कुण्ड अछि जे यहूदी सभक भाषा मे बेथसादा कहबैत अछि, जकरा चारू कात पाँचटा असोरा छैक। एहि असोरा सभ पर बहुत रोगी पड़ल रहैत छल — आन्हर, लकबा मारल लोक सभ। (ई सभ पानिक हिलबाक समयक प्रतीक्षा मे रहैत छल, कारण समय-समय पर एक स्वर्गदूत उतरि कऽ पानि कँ हिला दैत छलैक, और एहि हिलैनाइक बाद, जे रोगी सभ सँ पहिने पानि

मे पैसैत छल से अपन रोग सँ मुक्त भऽ जाइत छल, चाहे जे कोनो रोग होइक ।)

[५-६] एक आदमी ओतऽ छल जे अड़तीस वर्ष सँ रोग सँ पीड़ित छल । यीशु जखन ओकरा देखलथिन्ह, ई बूझि कऽ जे ओ बहुत दिन सँ ओना पड़ल अछि, तँ ओकरा कहलथिन्ह, "की तोँ स्वस्थ होबऽ चाहैत छह?"

[७] ओ रोगी हुनका उत्तर देलकन्हि, "मालिक, पानिक हिलला पर कुण्ड मे उतारऽ वला हमरा केओ नहि अछि । हम उतरबाक कोशिशे करैत छी कि ततबहि मे हमरा सँ पहिने केओ दोसर उतरि जाइत अछि ।"

[८-९] तखन यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "उठह ! अपन पटिआ उठा लैह, और चलह-फीरह !" ओ आदमी तुरत स्वस्थ भऽ गेल और अपन पटिआ उठा कऽ चलऽ-फिरऽ लागल ।

[९-१३] जाहि दिन ई भेलैक, से विश्रामक दिन छल । तेँ यहूदी सभ ओहि स्वस्थ कयल गेल आदमी केँ कहऽ लगलैक, "आइ तँ विश्रामक दिन अछि; पटिआ उठौनाइ मनाह छौ !" मुदा ओ उत्तर देलकैक, "जे आदमी हमरा स्वस्थ कऽ देलन्हि, वैह हमरा कहलन्हि जे पटिआ उठा कऽ चलह-फीरह ।" ओ सभ ओकरा पुछलकैक, "ओ के अछि जे तोरा कहलकौ जे उठा कऽ चलह-फीरह?" ओ स्वस्थ भेल आदमी ई नहि जनैत छल जे ओ के छलाह, कारण यीशु ओहिठाम सँ भीड़ मे चल गेल छलाह ।

[१४-१५] किछु कालक बाद यीशु ओहि आदमी केँ मन्दिर मे भेट कऽ कऽ कहलथिन्ह, "देखह, तोँ स्वस्थ भऽ गेल छह, आब पापक रास्ता छोड़ह, नहि तँ एहू सँ भारी दशा मे पड़ि

जयबह ।'' ओ आदमी जा कऽ यहूदी सभ कँ कहि देलकैक जे, यीशुए छथि जे हमरा स्वस्थ कयलन्हि ।

पुत्र द्वारा जीवन

१६-१८ यीशु कँ विश्रामक दिन मे एहन काज करबाक कारणे यहूदी सभ हुनका सताबऽ लगलन्हि । मुदा ताहि पर यीशु ओकरा सभ कँ ई उत्तर देलथिन्ह, ''हमर पिता एखनो तक काज करैत रहैत छथि, और हमहूँ काज करैत रहैत छी ।'' एहि कारणे यहूदी सभ हुनका खून कऽ देबाक आओर कोशिश करऽ लागल किएक तँ ओ खाली विश्रामेक दिनक नियम कँ उल्लँघन नहि करैत छलाह वल्कि ओ परमेश्वर कँ अपन पिता कहि कऽ अपना कँ परमेश्वरक समतूल सेहो ठहराबैत छलाह ।

१९-२३ यीशु ओकरा सभ कँ ई उत्तर देलथिन्ह, ''हम अहाँ सभ कँ सत्ये कहैत छी जे, पुत्र स्वतन्त्र रूप सँ किछु नहि कऽ सकैत अछि । ओ मात्र वैह करैत अछि जे ओ अपन पिता कँ करैत देखैत अछि, किएक तँ जहिना पिता करैत छथि ठीक ओहिना पुत्रो करैत अछि, कारण पिता पुत्र सँ प्रेम करैत छथिन्ह और पिता जे किछु करैत छथि से सभ ओकरा देखा दैत छथिन्ह, और एहू सँ पैघ काज ओकरा देखा देथिन्ह, जाहि सँ अहाँ सभ कँ आश्चर्य होयत । कारण जहिना पिता मुर्दा कँ उठा कऽ ओकरा जीवन दैत छथि, तहिना पुत्रो जकरा चाहैत अछि तकरा जीवन दैत अछि । और पिता ककरो न्याय करऽ वला नहि छथि : ओ न्याय करबाक सभ अधिकार सेहो पुत्रे कँ देने छथिन्ह, जाहि सँ सभ लोक जेना पिताक आदर करैत छन्हि तेना

पुत्रोक आदर करैक । जे पुत्रक आदर नहि करैत अछि, से पिताक सेहो नहि करैत छन्हि, जे ओकरा पठौने छथिन्ह ।

२४-३० "हम अहाँ सभ कँ सत्ये कहैत छी जे, जे हमर बात सुनैत अछि और हमरा पठाबऽ वला कँ मानैत अछि तकरा अनन्त जीवन छैक । ओकर न्याय कयले नहि जयतैक, कारण ओ एखने मृत्यु कँ पार भऽ कऽ जीवन मे प्रवेश कऽ लेने अछि । हम अहाँ सभ कँ विश्वास दिअबैत छी जे ओ समय आबि रहल अछि, हँ, आबिओ गेल जखन मुइल सभ परमेश्वरक पुत्रक आवाज सुनत, और जे सभ सुनत से सभ जीअत, किएक तँ जहिना पिता अपने जीवनक स्रोत छथि तहिना ओ पुत्रो कँ अपने जीवनक स्रोत होयबाक अधिकार देने छथिन्ह । और ओ पुत्र कँ मनुष्य-पुत्र होयबाक कारणे न्याय करबाक अधिकार सेहो देने छथिन्ह । एहि बात सँ आश्चर्यित नहि होउ ! कारण ओ समय आबि रहल अछि जहिया मुइल सभ अपन कब्बर मे सँ ओकर आवाज सुनि कऽ बाहर निकलि आओत । जे नीक कयने अछि से जीवनक लेल उठत, और जे अधलाह कयने अछि से दण्ड पयबाक लेल उठत । हम अपने सँ किछु नहि कऽ सकैत छी; हमरा जहिना न्याय करबाक लेल कहल जाइत अछि तहिना हम न्याय करैत छी । और हमर न्याय उचित होइत अछि, कारण हमर उद्देश्य ई अछि जे हम अपन नहि वल्कि हमरा जे पठौलन्हि, तिनकर इच्छा पूरा करियन्हि ।

यीशुक विषय मे गवाही

३१-३२ "जँ हम अपना बारे मे स्वयं गवाही देब तँ हमर गवाही पकिआ नहि मानल जायत । मुदा एक गोटे आओर छथि

जे हमरा बारे मे गवाही दैत छथि, और हम जनैत छी जे ओ जे गवाही दैत छथि से एकदम सत्य अछि ।

३३-४० "अहाँ सभ अपने युहन्ना कँ पुछबौलहुँ, और ओ सत्यक गवाही देलक । ई बात नहि अछि जे हम मनुष्यक गवाही पर निर्भर रहैत छी, मुदा हम एकर चर्चा एहि लेल करैत छी जे अहाँ सभक उद्धार होअय । युहन्ना तँ एक जरैत दीप छल जे इजोत दैत छल, और ओकर इजोत मे आनन्द लेनाइ अहाँ सभ कँ किछु काल धरि नीक लागल । मुदा हमरा एकटा गवाही अछि जे युहन्नोक गवाही सँ पैघ अछि, किएक तँ जे काज हमर पिता हमरा पूर्ण करबाक लेल देने छथि, तथा जे काज हम कऽ सेहो रहल छी, से हमरा बारे मे गवाही दैत अछि जे पिता हमरा पठौने छथि । और पिता, जे हमरा पठौलन्हि, से अपने हमरा बारे मे गवाही देने छथि । अहाँ सभ हुनकर आवाज कहियो नहि सुनने छी, आ ने हुनकर स्वरूप कहियो देखने छी, और ने हुनकर वचन कँ अपना मन मे रहऽ दैत छी; कारण जकरा ओ पठौने छथि तकर अहाँ सभ विश्वास नहि करैत छी । अहाँ सभ धर्मशास्त्रक अध्ययन करैत छी किएक तँ अहाँ सभ मानैत छी जे ओहि सँ अहाँ सभ कँ अनन्त जीवन भेटैत अछि । वैह शास्त्र हमरा बारे मे गवाही दैत अछि, और तैयो जीवन प्राप्त करबाक लेल अहाँ सभ हमरा लग नहि आबऽ चाहैत छी ।

४१-४४ "हमरा मनुष्यक प्रशंसा सँ कोनो मतलब नहि । मुदा अहाँ सभ कँ हम जनैत छी; हम जनैत छी जे अहाँ सभक हृदय मे परमेश्वरक प्रेम नहि अछि । हम अपन पिताक नाम पर आयल छी, तैयो हमरा स्वीकार नहि करैत छी । मुदा जँ कोनो दोसर व्यक्ति अपना नाम पर अबैत अछि तँ ओकरा अहाँ सभ स्वीकार

करैत छिऐक । तँ अहाँ सभ विश्वास कोना कऽ सकब जखन कि एक दोसर सँ प्रशंसा चाहैत छी लेकिन जे प्रशंसा एक-मात्र परमेश्वर सँ प्राप्त होइत अछि से चाहिते नहि छी ?

४५-४७ "मुदा ई नहि सोचू जे हम पिताक समक्ष अहाँ सभ पर दोष लगायब । अहाँ सभ कँ दोष लगाबऽ वला मूसा छथि, जिनका पर अहाँ सभ समस्त आशा रखने छी । जँ मूसाक विश्वास करितहुँ तँ हमरो विश्वास करितहुँ, कारण ओ हमरे बारे मे लिखने छथि । मुदा हुनकर लेख पर जँ विश्वास नहि करैत छी तँ हमर कथन पर कोना विश्वास करब ?"

पाँच हजार लोक कँ भोजन करौलन्हि

६ १-६ एकरा बाद मे यीशु गलील झील, अर्थात् तिबिरियास झीलक ओहि पार गेलाह। बड़का भीड़ यीशुक चमत्कारपूर्ण चिन्ह जे ओ रोगी सभ पर देखबैत छलाह, ताहि सँ प्रभावित भऽ हुनका पाछाँ-पाछाँ अबैत छल । यीशु पहाड़ पर चढ़ि कऽ अपन शिष्य सभक संग बैसि रहलाह । यहूदी सभक फसह-भोजक पावनि लगिचायल छल । यीशु जखन नजरि उठा कऽ बड़का भीड़ कँ अपना लग अबैत देखलन्हि तखन फिलिप्पुस कँ कहलथिन्ह, "हम सभ एकरा सभ कँ खुअयबाक लेल कतऽ सँ रोटी किनू?" ई बात ओ फिलिप्पुस कँ जाँचबाक लेल कहलथिन्ह, कारण अपने तखनो जनैत छलाह जे ओ की करताह ।

७ फिलिप्पुस हुनका उत्तर देलकन्हि जे, "एकरा सभक लेल कनिको-कनिको रोटी जे किनब से आठो मासक बोनि सँ नहि होयत ।"

८-१० हुनकर एक शिष्य, अन्द्रेयास, सिमोन पत्रुसक भाय, हुनका कहलकन्हि, "एतऽ एक बालक अछि जकरा संग मे जओक पाँचटा रोटी छैक आ दूटा माछ, लेकिन एतेक लोक मे एतबे सँ की हयतैक?" यीशु आज्ञा देलथिन्ह, "लोक सभ कँ बैसा दहक।" ओहि ठाम बहुत घास छल, और ओहि पर लोक सभ बैसैत गेल। पुरूषक संख्या लग-भग पाँच हजार छल।

११-१३ तखन यीशु रोटी लेलन्हि, और परमेश्वर कँ धन्यवाद कऽ कऽ बैसलाहा लोक सभ मे बटबा देलथिन्ह। तहिना माछो लऽ कऽ कयलन्हि, और सभ कँ जतेक-जतेक चाहैत छल, ततेक भेटलैक। सभ लोकक भरि इच्छा भोजन कयलाक बाद यीशु शिष्य सभ कँ कहलथिन्ह, "आब उबरल टुकड़ा सभ जमा कऽ लैह, जाहि सँ किछुओ बरबाद नहि होअय।" ओ सभ ओहि पाँचटा जओक रोटीक टुकड़ा, जे



भोजन करऽ वला लोक सभ सँ बाँचि गेल छल, तकरा जमा कऽ कऽ ओहि सँ बारहटा पथिआ भरि देलक ।

१४-१५ लोक सभ यीशु द्वारा कयल गेल ई चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखि कऽ कहऽ लागल, "ई तँ अवश्य परमेश्वरक ओ प्रवक्ता छथि जे संसार मे आबऽ वला छथि ।" यीशु ई बुझलन्हि जे लोक सभ हुनका जबरदस्ती पकड़ि कऽ राजा बनाबऽ चाहैत छल, तँ ओ फेर पहाड़ पर असगरे चल गेलाह ।

पानि पर चललाह

१६-२१ साँझ पड़ला पर यीशुक शिष्य सभ झीलक किनार पर जा नाओ मे चढ़ि कऽ कपरनाम नगर जयबाक लेल झील केँ पार करऽ लागल । ताबत अन्हार भऽ गेल छल और यीशु एखन तक ओकरा सभ लग नहि आयल छलाह । हवा बहुत जोर बहैत छल, और झील मे बड़का लहरि उठैत छल । जखन ओ सभ लग-भग तीन-चारि मील नाओ केँ खेबि लेने छल तखन यीशु केँ झील पर चलैत और नाओ दिस अबैत देखलक, और भयभीत भऽ गेल । मुदा ओ ओकरा सभ केँ कहलथिन्ह, "हम छी, नहि डेराह !" तखन ओ सभ खुशी सँ हुनका नाओ मे लऽ लेबाक लेल तैयार भेल, और नाओ तुरत ओहि स्थान पर पहुँचल जाहिठाम ओ सभ जा रहल छलाह ।

२२-२४ प्रात भेने झीलक ओहिपार रहि गेल लोक सभ बुझलक जे एतऽ एकैटा नाओ छल, और ओ सभ जनैत छल जे यीशु अपन शिष्य सभक संग ओहि नाओ मे नहि चढ़ल छलाह, मात्र शिष्ये सभ बिदा भऽ गेल छल । तखन तिबिरियास नगर सँ

दोसर नाओ सभ ओहि जगह लग पहुँचल जाहिठाम प्रभुक धन्यवाद कयलाक बाद ओ सभ रोटी खयने छल । तँ लोक सभ जखन देखलक जे ने यीशु आ ने हुनकर शिष्य सभ एतऽ छथि, तखन ओ सभ नाओ सभ मे चढ़ि कऽ यीशुक खोज मे कपरनाम नगर गेल ।

जीवनक रोटी—यीशु

२५-२७झीलक ओहिपार जखन यीशु ओकरा सभ कँ भेटलथिन्ह तखन ओ सभ पुछलकन्हि, "गुरूजी, अहाँ एतऽ कखन अयलहुँ?" यीशु ओकरा सभ कँ उत्तर देलथिन्ह, "हम अहाँ सभ कँ सत्ये कहैत छी जे अहाँ सभ हमरा एहि लेल नहि तकैत छी जे हमर चिन्ह देखि बुझलहुँ, वल्कि एहि लेल जे अहाँ सभ रोटी खा कऽ अघा गेलहुँ । जे भोजन नहि टिकैत अछि, ताहि लेल परिश्रम नहि करू, वल्कि ओहि भोजनक लेल परिश्रम करू जे अनन्त जीवन तक टिकैत अछि और जे मनुष्य-पुत्र अहाँ सभ कँ प्रदान करत, कारण ओकरा पर पिता-परमेश्वर अपन छाप लगा देने छथिन्ह ।"

२८-२९तखन ओ सभ हुनका पुछलकन्हि, "परमेश्वरक काज करबाक लेल, हम सभ की करू?" यीशु बजलाह, "परमेश्वर अहाँ सभ सँ जे काज चाहैत छथि, से ई अछि जे जकरा ओ पठौने छथि तकरा पर विश्वास करू ।"

३०-३१एहि पर ओ सभ हुनका कहलकन्हि, "तखन अहाँ कोन चिन्ह देखायब, जकरा देखि कऽ हम सभ अहाँ पर विश्वास कऽ सकब? अहाँ की काज करैत छी? हमरा सभक पुरखा निर्जन प्रदेश मे मन्ना वला रोटी खयने छल, जेना शास्त्र

मे लिखल अछि जे, 'ओ ओकरा सभ कैँ खयबाक लेल स्वर्ग सँ रोटी देलथिन्ह ।' "

[३२-३३]एहि पर यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, "हम अहाँ सभ कैँ विश्वास दिअबैत छी जे, बात ई नहि जे अहाँ सभ कैँ मूसा स्वर्ग सँ रोटी देलन्हि, वल्कि ई जे हमर पिता अहाँ सभ कैँ स्वर्ग सँ वास्तविक रोटी दऽ रहल छथि । हँ, परमेश्वर जे रोटी दैत छथि, से ओ अछि जे स्वर्ग सँ उतरि कऽ संसार कैँ जीवन दैत अछि ।"

[३४]ओ सभ हुनका कहलकन्हि, "यौ मालिक, हमरा सभ कैँ ई रोटी एखनो आ सभ दिन दैत रहू !"

[३५-४०]यीशु बजलाह, "जीवनक रोटी हमहीं छी । जे हमरा लग आओत से कहियो भूखल नहि रहत; जे हमरा पर विश्वास करत, तकरा कहियो पियास नहि लगतैक । मुदा जेना अहाँ सभ कैँ कहने छलहुँ, अहाँ सभ हमरा देखने छी और तैयो विश्वास नहि करैत छी । जकरा पिता हमरा दैत छथि, से सभ हमरा लग आओत, और जे केओ हमरा लग आओत, तकरा हम कहियो नहि अस्वीकार करब । कारण हम अपन इच्छा नहि वल्कि हमरा पठाबऽ वलाक इच्छा पूरा करबाक लेल स्वर्ग सँ उतरल छी, और हमरा पठाबऽ वलाक इच्छा ई छन्हि जे जकरा सभ कैँ ओ हमरा देने छथि, तकरा सभ मे सँ हम एकोटा कैँ नहि हेराबी वल्कि अन्तिम दिन मे ओकरा सभ कैँ जिआबी । हँ, हमर पिताक इच्छा ई छन्हि जे, जे केओ पुत्र दिस ताकत और ओकरा पर विश्वास करत, तकरा अनन्त जीवन हयतैक, और हम ओकरा अन्तिम दिन मे जिआ देब ।"

४१-४२ एहि पर यहूदी सभ हुनका पर कुड़बुड़ाय लागल, कारण ओ कहने छलाह जे, स्वर्ग सँ उतरल रोटी हमहीं छी। ओ सभ कहलक, "ई तँ युसुफक बेटा यीशुए अछि! और एकर माय-बाप कँ हम सभ चिन्हिते छिऐक! तँ ई आब कोना कहैत अछि जे हम स्वर्ग सँ उतरल छी?"

४३-५१ यीशु ओकरा सभ कँ उत्तर देलथिन्ह, "अहाँ सभ अपना सभ मे एना नहि कुड़बुड़ाउ! केओ हमरा लग ताबत नहि आबि सकैत अछि जाबत हमर पिता जे हमरा पठौलन्हि, से ओकरा हमरा लग नहि खीचि दैत छथि; और हम ओकरा अन्तिम दिन मे जिआ देब। भविष्यवक्ता सभक लेख छन्हि जे, 'ओ सभ गोटे परमेश्वर द्वारा सिखाओल जायत।' जे केओ पिताक सुनैत अछि और हुनका सँ सिखैत अछि, से हमरा लग अबैत अछि। हमर कहबाक मतलब ई नहि जे, केओ पिता कँ देखने छन्हि—ओ जे पिताक ओहिठाम सँ आयल अछि, खाली वैहटा हुनका देखने छन्हि। हम अहाँ सभ कँ सत्ये कहैत छी जे, जे विश्वास करैत अछि, तकरा अनन्त जीवन छैक। जीवनक रोटी हम छी। अहाँ सभक पुरखा लोकनि निर्जन जंगल मे मन्ना वला रोटी तँ खयलन्हि; और तैयो मुइलाह। मुदा ई रोटी जकरा बारे मे हम बाजि रहल छी, से ओ अछि जे स्वर्ग सँ उतरल अछि, जाहि सँ जँ केओ एहि मे सँ खायत तँ नहि मरत। हमहीं ओ जीबैत रोटी छी जे स्वर्ग सँ उतरल अछि। जँ केओ ई रोटी खायत तँ ओ अनन्त काल तक जीबैत रहत। और ई रोटी जे हम संसारक जीवनक लेल देब, से हमर माँसु अछि।"

५२ तखन यहूदी सभ अपना सभ मे वाद-विवाद करऽ लागल जे, "ई व्यक्ति हमरा सभ कैँ खाय लेल अपन माँसु कोना दऽ सकत?"

५३-५९ यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, "हम अहाँ सभ कैँ विश्वास दिअबैत छी जे, जाबत अहाँ मनुष्य-पुत्रक माँसु नहि खयबैक और ओकर शोणित नहि पीबैक, ताबत अहाँ मे जीवन नहि अछि। जे हमर माँसु खाइत अछि और हमर शोणित पीबैत अछि, तकरा अनन्त जीवन छैक, और हम ओकरा अन्तिम दिन मे जिआ देबैक। कारण हमर माँसु वास्तविक भोजन अछि और हमर शोणित वास्तविक पीबाक वस्तु अछि। जे केओ हमर माँसु खाइत अछि और हमर शोणित पीबैत अछि, से हमरा मे बनल रहैत अछि और हम ओकरा मे बनल रहैत छी; जहिना जीबैत पिता हमरा पठौलन्हि आ हम हुनका कारण जीबैत छी, तहिना, जे हमरा मे सँ खायत, सैह हमरा कारण जीबैत रहत। ई रोटी स्वर्ग सँ उतरल अछि। ई तेहन नहि अछि जेहन अहाँ सभक पुरखा लोकनि खयलन्हि। ओ सभ खयलन्हि आ मुइलाह। मुदा जे ई रोटी खायत से सर्वदा जीबैत रहत।" ई सभ बात यीशु कपरनामक सभा घर मे शिक्षा दैत काल बजलाह।

यीशुक अल्पविश्वासी शिष्य

६० यीशुक बात सुनि कऽ हुनकर बहुतो शिष्य कहलक, "ई वचन बहुत कठोर अछि—एकरा के बरदास्त कऽ सकत?"

६१-६५ मुदा यीशु अपना मन मे बूझि गेलाह जे हमर शिष्य सभ एहि सँ कुड़बुड़ाइत अछि, तैं ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह,

"की एहि बात सँ तोहर सभक मन मे ठेस लागि गेलह? और मानि लैह जे तोँ सभ मनुष्य-पुत्र कँ ओहिठाम ऊपर जाइत देखबह जाहिठाम पहिने छल—तखन की? आत्मे जीवन दैत अछि; शरीर सँ किछुओ लाभ नहि। जे किछु हम तोरा सभ कँ कहलिअह से आत्माक और जीवनक बात अछि। तैयो तोरा सभ मे अनेक एहन अछि जे विश्वास नहि करैत अछि।" (यीशु तँ शुरूए सँ जनैत छलाह जे ओ के सभ अछि जे हमरा पर विश्वास नहि करैत अछि, और ओ के अछि जे हमरा पकड़बाओत।) ओ आगाँ कहऽ लगलाह, "एहि कारणे हम तोरा सभ कँ कहने छलिअह जे, केओ हमरा लग ताबत नहि आबि सकैत अछि जाबत पिता ओकरा अयबाक सामर्थ नहि दैत छथिन्ह।"

६६-६९ एहि बात सभ सँ हुनकर बहुतो शिष्य ओहिठाम सँ घूमि गेल और फेर हुनका संग नहि चलल। तखन यीशु अपना बारहो शिष्य कँ पुछलथिन्ह, "की तोँहू सभ हमरा छोड़ऽ चाहैत छह?" सिमोन पत्रुस हुनका उत्तर देलकन्हि, "प्रभु, हम सभ ककरा लग जाउ? अहाँ लग तँ अनन्त जीवनक वचन अछि। हम सभ विश्वास कऽ कऽ जानि गेल छी जे अहाँ परमेश्वरक पवित्र पुत्र छी।"

७०-७१ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "की हम तोरा बारहो गोटे कँ नहि चुनलिअह? और तैयो तोरा सभ मे सँ एक शैतान अछि।" ओ ई बात सिमोन इस्करिओतीक पुत्र यहूदाक बारे मे कहलन्हि किएक तँ ओ बारह शिष्य मे सँ एक होइतो हुनका पकड़बाबऽ वला छल।

यीशु मण्डपक पावनि मे

७ [१-५]एकरा बाद यीशु गलील अंचल मे जगह-जगह पर घूमऽ लगलाह। ओ यहूदीया अंचल मे नहि घूमऽ चाहैत छलाह, किएक तँ यहूदी सभक धर्मगुरू सभ हुनका मारि देबाक ताक मे छलन्हि। मुदा यहूदी सभक मण्डपक पावनि जखन लग आबि गेल, तँ हुनकर भाय सभ हुनका कहलकन्हि, "ई जगह छोड़ू, और यहूदीया अंचल चल जाउ, जाहि सँ अहाँ जे चमत्कार कऽ रहल छी से अहाँक चेला सभ देखि सकत। कारण एहन केओ नहि होइत अछि जे नामी होमऽ चाहय आ गुप्त रूप सँ काज करय। अहाँ ई सभ काज कऽ रहल छी, तँ अपना कँ दुनियाक सामने मे प्रगट करू।" हुनकर अपन भायओ सभ हुनका पर विश्वास नहि करैत छल।

[६-९]तँ यीशु ओकरा सभ कँ कहलथिन्ह, "हमर समय एखन तक नहि आयल अछि, लेकिन अहाँ सभक लेल कोनो समय उपयुक्त अछि। अहाँ सभ सँ संसार घृणा नहि कऽ सकैत अछि, मुदा हमरा सँ तँ करैत अछि किएक तँ संसारक बारे मे हम गवाही दैत छी जे ओकर चालि-चलन खराब छैक। अहीं सभ पावनि मे जाउ; हम एखन एहि पावनि मे नहि जायब, कारण हमर समय एखन तक नहि पूरल अछि।" ई बात कहि कऽ ओ गलीले मे रहि गेलाह।

[१०]मुदा जखन हुनकर भाय सभ पावनि मे चल गेल तखन ओहो गेलाह, खूलि कऽ नहि वल्कि गुप्त रूप सँ।

[११-१३]पावनिक समय यहूदीक धर्मगुरू सभ ई कहैत यीशु कँ तकैत छलन्हि जे, "ओ कतऽ अछि?" हुनका बारे मे लोक

सभ बहुत फुसफुसाइत छल । किछु लोक कहैत छल, "ओ नीक आदमी छथि ।" और दोसर कहैत छल, "नहि ! ओ जनता कैँ बहकबैत छैक ।" मुदा धर्मगुरू सभक डर सँ केओ हुनका बारे मे किछु खूलि कऽ नहि कहैत छल ।

यीशुक उपदेश

१४-१५ पावनि करीब-करीब आधा खत्म भऽ गेलाक बादे यीशु मन्दिर मे जा कऽ शिक्षा देबऽ लगलाह । यहूदी सभ बहुत आश्चर्यित भऽ कऽ कहलक, "एहि आदमी कैँ बिनु पढ़नहि एतेक ज्ञान कतऽ सँ प्राप्त भेलैक ?"

१६-१९ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "हम जे शिक्षा दैत छी से हमर नहि वल्कि जे हमरा पठौलन्हि, तिनकर अछि । जँ केओ हुनकर इच्छा पूरा करबाक निश्चय करत तँ ओ अवश्य ई जानि जायत जे हमर शिक्षा परमेश्वरक अछि वा हम अपने दिस सँ बाजि रहल छी । जे अपना दिस सँ बजैत अछि, से एहि लेल, जे ओ अपना लेल आदर चाहैत अछि, मुदा जे अपन पठाबऽ वलाक आदर चाहैत अछि से सत्य पुरूष अछि और ओकरा मे कोनो छल-प्रपंच नहि अछि । की मूसा अहाँ सभ कैँ धर्मनियम नहि देने छथि ? तैयो अहाँ सभ मे सँ एको व्यक्ति ओहि नियमक आचरण नहि करैत छी । अहाँ सभ हमरा किएक मारि देबऽ चाहैत छी ?"

२० भीड़क लोक उत्तर देलकन्हि, "अहाँ पर तँ भूत सबार अछि ! अहाँ कैँ के मारऽ चाहैत अछि ?"

२१-२४ यीशु बजलाह, "हम एकटा काज कयलहुँ और ओहि सँ अहाँ सभ गोटे आश्चर्यित भेलहुँ । मूसा अहाँ सभ कैँ

शरीर मे चिन्ह करऽ वला बिधि देलन्हि (ओनातऽ ओ बिधि वास्तव मे मूसा सँ नहि देल गेल वल्कि हुनको सँ पूर्व वला पुरखा सँ) , और ओहि अनुसार अहाँ सभ विश्रामक दिन मे बच्चा कँ देह मे ओ चिन्ह कऽ दैत छी । जँ ओ बिधि विश्रामोक दिन पड़ला पर करैत छी , जाहि सँ मूसाक नियम नहि तोड़ल जाय तँ हमरा पर किएक खिसिआइत छी जखन हम विश्रामक दिन मे ककरो देह पूर्ण रूप सँ स्वस्थ कऽ देलहुँ ? मुँह देखि न्याय केनाइ छोड़ू और उचित न्याय करू ।"

की यैह मसीह छथि ?

२५-२७ तखन यरूशलेमक किछु निवासी कहऽ लागल, "की ई आदमी ओ नहि अछि, जकरा ओ सभ मारि देबाक कोशिश कऽ रहल छैक ? मुदा देखू ! ई एतऽ खूलि कऽ बाजि रहल अछि और एकरा केओ नहि किछु कहैत छैक ! कतौ एहन तँ नहि भऽ गेल जे हमरा सभक धर्मगुरू-नेता लोकनि वास्तव मे मानि लेने होथि जे ई परमेश्वरक मसीह अछि ? मुदा एकरा तँ हम सभ जनिते छी जे ई कतऽ सँ आयल अछि । मसीह जखन औताह तँ ककरो नहि बूझल हयतैक जे ओ कोन ठामक छथि ।"

२८-२९ तखन यीशु मन्दिर मे शिक्षा दैत जोर सँ कहलन्हि, "हँ ! हमरा चिन्हैत छी और जनैत छी जे हम कोन ठामक छी । मुदा हम अपने सँ नहि आयल छी । जे हमरा पठौलन्हि, वैह सत्य छथि । अहाँ सभ हुनका नहि चिन्हैत छियन्हि, मुदा हम हुनका चिन्हैत छी, किएक तँ हम हुनका ओहिठाम सँ आयल छी, और वैह हमरा पठौलन्हि ।"

३० एहि पर ओ सभ हुनका पकड़बाक कोशिश करऽ लागल, मुदा केओ हुनका हाथ नहि लगा सकलन्हि, कारण हुनकर समय एखन नहि आयल छल।

३१ तैयो जनता मे सँ बहुत लोक हुनका पर विश्वास कयलकन्हि, आ बाजल, "मसीह जखन औताह तँ की एहि व्यक्ति सँ बेशी चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखौताह?"

३२ फारिसी सभ जखन भीड़ कँ यीशुक बारे मे एना फुसफुसाइत सुनलक, तँ ओ सभ आ मुख्यपुरोहित सभ मन्दिरक सिपाही कँ हुनका पकड़ऽ लेल पठा देलकैक।

३३-३४ तखन यीशु बजलाह, "कनेक कालक लेल आओर अहाँ सभक संग छी, तखन तिनका लग जायब जे हमरा पठौलन्हि। अहाँ सभ हमरा ताकब, मुदा हम नहि भेटब, और हम जतऽ होयब ततऽ अहाँ सभ नहि आबि सकब।"

३५-३६ यहूदीक धर्मगुरू सभ एक दोसर कँ कहऽ लागल, "ई कतऽ जाय चाहैत अछि जाहि सँ हमरा सभ कँ नहि भेटत? की ओहिठाम जायत जाहिठाम हमरा सभक लोक युनानी सभ मे प्रवासी भऽ कऽ रहैत अछि, और की युनानी सभ कँ सेहो सिखाओत? एकर की कहबाक मतलब छैक जे, अहाँ सभ हमरा ताकब मुदा हम नहि भेटब, और, हम जतऽ होयब ततऽ अहाँ सभ नहि आबि सकब?"

३७-३९ पावनिक अन्तिम दिन, जे पावनिक सभ सँ पैघ दिन मानल जाइत छल, ओहि दिन यीशु ठाढ़ भऽ गेलाह और जोर सँ कहलन्हि, "जँ ककरो पियास लागल छैक तँ ओ हमरा लग आबय और पीबय। जे हमरा पर विश्वास करैत अछि, जेना धर्मशास्त्रक कथन अछि, ओकरा हृदय सँ जीवन-जलक झरना



यीशु कँ पकड़बाक लेल सिपाही सभ कँ आज्ञा दैत मुख्यपुरोहित

फूटि जायत ।" ई बात ओ पवित्र आत्माक सम्बन्ध मे कहलन्हि, जिनका विश्वास कयनिहार सभ प्राप्त करऽ वला छल । एखन तक पवित्र आत्मा तँ प्रदान नहि कयल गेल छलाह, कारण यीशु एखन तक अपन स्वर्गक महिमा मे फिरि कऽ नहि गेल छलाह ।

४०-४४ ई बात सुनि बहुत लोक कहऽ लागल, "ई सत्ये परमेश्वरक ओ प्रवक्ता छथि ।" दोसर लोक कहलक, "ओ

परमेश्वरक चुनल मसीह छथि।" मुदा फेर आरो दोसर लोक सभ कहलक, "कोना?! की मसीह गलील अंचल सँ औताह? की धर्मशास्त्रक कथन नहि अछि जे मसीह दाउद राजाक वंशज हयताह, और दाउदक गाम, बेतलहेम सँ औताह?" एहि तरहँ यीशुक विषय मे लोक सभ कँ अपना मे मत-भद भऽ गेलैक। किछु लोक हुनका पकड़ऽ चाहैत छल, मुदा केओ हुनका हाथ नहि लगौलकन्हि।

धर्मगुरू सभक अविश्वास

४५ तखन मन्दिरक सिपाही मुख्यपुरोहित आ फारिसी सभ लग घूमि कऽ आयल। ई सभ ओकरा सभ कँ पुछलक, "अहाँ सभ ओकरा किएक नहि पकड़ि कऽ अनलहुँ?"

४६-४९ सिपाही सभ उत्तर देलकैक, "ओ आदमी जेना बजैत छथि, तेना आइ तक केओ कहियो नहि बाजल अछि!" फारिसी सभ ओकरा सभ कँ कहलक, "अरे! तोरो सभ कँ ओ ठकि लेलकौ की? धर्मगुरू सभ मे सँ वा फारिसी मे सँ की एको गोटे ओकरा पर विश्वास कयने अछि? नहि! मुदा ई भीड़, जे धर्मनियमक बारे मे किछु नहि जनैत अछि—ओ सभ शापित अछि!"

५०-५१ तखन ओहि फारिसी मे सँ एक आदमी, निकोदीमुस, जे पहिने एक बेर यीशु लग आयल छलाह, से कहलन्हि, "हमरा सभक नियमक अनुसार जाबत तक ककरो बात नहि सुनल जायत और पता नहि लगाओल जायत जे ओ की कऽ रहल अछि की ताबत दोषी ठहराओल जायत?"

[५२] ओ सभ उत्तर देलकन्हि, "अहूँ गलीलेक छी की? शास्त्रक अध्ययन करू—अहाँ कँ पता लागत जे कोनो भविष्यवक्ता गलील सँ नहि अबैत छथि!"

[५३] तखन ओ सभ अपन अपन घर चल गेल। मुदा यीशु जैतून पहाड़ पर गेलाह।

कुकर्मी स्त्री कँ क्षमा कयलन्हि

८ [१-२] भोरे भोर यीशु फेर मन्दिर अयलाह। लोक सभ हुनका लग आयल और ओ बैसि कऽ ओकरा सभ कँ शिक्षा देबऽ लगलाह।

[३-६] धर्मशिक्षक और फारिसी सभ एक स्त्री कँ अनलक, जे व्यभिचार मे पकड़ा गेल छल, और लोकक बीच मे ओकरा ठाढ़ कऽ कऽ यीशु कँ कहलकन्हि, "गुरूजी, ई स्त्री पुरूषक संग कुकर्म करिते मे पकड़ा गेल। धर्मनियम मे मूसा हमरा सभ कँ आज्ञा देलन्हि जे एहन स्त्री कँ पाथर मारि कऽ मारि देबाक चाही। आब अहाँ की कहैत छी?" ई बात ओ सभ हुनका फँसाबऽ लेल पुछलकन्हि, जाहि सँ हुनका पर दोष लगयबाक आधार भेटैक। यीशु नीचा भूकि कऽ अपन आँगुर सँ जमीन पर लिखऽ लगलाह।

[७-८] ओ सभ जखन हुनका सँ पुछिते रहल, तखन ओ मूड़ी उठा कऽ ओकरा सभ कँ कहलथिन्ह, "अहाँ सभ मे सँ जे निष्पाप होअय, वैह सभ सँ पहिने पाथर मारय।" और फेर भूकि कऽ जमीन पर लिखऽ लगलाह।

[९-११] ई बात जखन ओ सभ सुनलक तँ पहिने बूढ़ सभ आ तखन एक-एक कऽ सभ केओ चल गेल। आब ओहि स्त्रीक संग

जे ओहिठाम ठाढ़ छल, मात्र यीशु रहि गेलाह । यीशु मूड़ी उठा कऽ ओकरा कहलथिन्ह, "बहीन, ओ सभ कतऽ अछि? की तोरा केओ नहि दण्ड देलकह?" ओ बाजल, "नहि, मालिक, केओ नहि ।" यीशु बजलाह, "हमहूँ तोरा दण्ड नहि दैत छिअह । आब जाह, आ फेर पाप नहि करह ।"

अपना बारे मे यीशुक गवाही

[१२] बाद मे यीशु फेर लोक सभ कँ कहलन्हि, "हम संसारक इजोत छी । जे केओ हमर अनुसरण करत, से अन्हार मे कहियो नहि चलत वल्कि जीवनक इजोत प्राप्त करत ।"

[१३] एहि पर फारिसी सभ हुनका कहलकन्हि, "आब अहाँ अपना बारे मे अपने गवाही दऽ रहल छी ! अहाँक गवाही पकिआ नहि मानल जायत ।"

[१४-१८] यीशु उत्तर देलथिन्ह, "जँ हम अपना बारे मे गवाही दैतो छी तँ हमर गवाही पकिआ होइत अछि, कारण हम जनैत छी जे हम कतऽ सँ आयल छी और कतऽ जा रहल छी, मुदा अहाँ सभ नहि जनैत छी जे हम कतऽ सँ अयलहुँ वा कतऽ जाय वला छी । अहाँ सभ सांसारिक दृष्टि सँ न्याय करैत छी । हम ककरो न्याय नहि करैत छी । तैयो जँ हम न्याय करितो छी तँ हमर न्याय उचित होइत अछि कारण निर्णय हम असगरे नहि, वल्कि हमर पिता, जे हमरा पठौलन्हि, से और हम दुनू गोटे करैत छी । अहीं सभक धर्मनियम मे लिखल अछि जे दू आदमीक गवाही पकिआ होइत अछि । हम अपना बारे मे अपने एक गवाह छी और हमर दोसर गवाह ओ छथि जे हमरा पठौलन्हि — हमर पिता ।"

१९ओ सभ तखन हुनका कहलकन्हि, "अहाँक पिता कतऽ छथि?" यीशु बजलाह, "अहाँ सभ ने हमरा चिन्हैत छी, आ ने हमरा पिता कैं। जँ हमरा चिन्हितहुँ तँ हमरा पितो कैं चिन्हितिऐन्ह।"

२०ई सभ बात ओ शिक्षा दैत काल मन्दिरक ओहि भाग मे कहलन्हि जाहिठाम दान-पात्र सभ राखल रहैत छल। तैयो हुनका केओ नहि पकड़लकन्हि, किएक तँ हुनकर समय एखन तक नहि आयल छल।

यीशुक चेतावनी

२१यीशु ओकरा सभ कैं फेर कहलथिन्ह, "हम तँ जा रहल छी। अहाँ सभ हमरा ताकब, और अपना पाप मे मरब। हम जतऽ जाइत छी ततऽ अहाँ सभ नहि आबि सकैत छी।"

२२एहि पर यहूदी सभ एक दोसर कैं कहऽ लागल, "तँ की ओ आत्महत्या कऽ लेत? की एहि कारणे ओ कहैत अछि जे, हम जतऽ जाइत छी ततऽ अहाँ सभ नहि आबि सकैत छी?"

२३-२४ओ ओकरा सभ कैं आगाँ कहलथिन्ह, "अहाँ सभ नीचाक छी, हम ऊपरक छी। अहाँ सभ एही दुनियाक छी, हम एहि दुनियाक नहि छी। एहि लेल हम अहाँ सभ कैं कहलहुँ जे, अहाँ सभ अपना पाप मे मरब। कारण, जँ अहाँ सभ विश्वास नहि करब जे हम वैह छी जे छी, तँ अहाँ सभ अपना पाप मे अवश्य मरब।"

२५ओ सभ हुनका कहलकन्हि, "तखन अहाँ के छी?"

२५-२६यीशु बजलाह, "वैह, जे हम शुरूए सँ अहाँ सभ कैं कहैत आबि रहल छी। अहाँ सभक सम्बन्ध मे हमरा बहुत किछु

कहबाक और न्याय करबाक अछि । मुदा जे हमरा पठौलन्हि, से सत्य छथि, और जे बात हम हुनका सँ सुनने छी, वैह बात हम संसार कँ कहैत छी ।''

२७-२९ ओ सभ नहि बुझलक जे ओ पिताक बारे मे ओकरा सभ कँ कहैत छथि । तँ यीशु कहलन्हि, ''जखन अहाँ सभ मनुष्य-पुत्र कँ ऊपर लटका देब तखन अहाँ सभ जानि जायब जे हम वैह छी जे छी, और जानब जे हम अपने सँ किछु नहि करैत छी, वल्कि वैह करैत आ कहैत छी जे पिता हमरा सिखौने छथि । जे हमरा पठौलन्हि, से हमरा संग छथि; ओ हमरा असगरे नहि छोड़ने छथि, कारण हम सदिखन वैह काज करैत छी जाहि काज सँ ओ प्रसन्न होइत छथि ।''

३० जखन ई बात ओ कहि रहल छलाह तखने बहुतो लोक हुनका पर विश्वास कयलकन्हि ।

सत्य अहाँ सभ कँ स्वतन्त्र कऽ देत

३१-३२ जे यहूदी सभ हुनका पर विश्वास कयलक, तकरा सभ कँ यीशु कहलथिन्ह, ''जँ अहाँ सभ हमरा सिद्धान्तक पालन करब तँ अहाँ सभ वास्तव मे हमर शिष्य होयब । तखन अहाँ सभ सत्य कँ जानब, और सत्य अहाँ सभ कँ स्वतन्त्र कऽ देत ।''

३३ ओ सभ हुनका उत्तर देलकन्हि, ''हम सभ तँ अब्राहमक वंशज छी और कहियो ककरो दास नहि भेलहुँ । अहाँ कोना कहैत छी जे हम सभ स्वतन्त्र कऽ देल जायब ?''

३४-३८ यीशु ओकरा सभ कँ उत्तर देलथिन्ह, ''हम अहाँ सभ कँ सत्ये कहैत छी जे, जे केओ पाप करैत अछि, से दास अछि । दास कँ परिवार मे कोनो अधिकार नहि होइत छैक, मुदा पुत्र

कैँ पूर्ण अधिकार छैक । तैँ जँ पुत्र अहाँ कैँ स्वतन्त्र कऽ देत तैँ वास्तव मे अहाँ स्वतन्त्र भऽ जायब । हमरा बूझल अछि जे अहाँ सभ अब्राहमक वंशज छी, तैयो अहाँ सभ हमरा मारि देबऽ चाहैत छी; तकर कारण ई जे अहाँ सभक मन मे हमरा वचनक लेल कोनो स्थान नहि अछि । हम जे किछु अपना पिताक ओहिठाम देखने छी, वैह कहैत छी, और अहाँ सभ से कहैत छी जे अपने पिता सँ सुनने छी ।''

[३९]ओ सभ उत्तर देलकन्हि, ''हमरा लोकनिक पिता अब्राहम छथि ।''

[३९-४१]यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, ''अहाँ सभ जँ अब्राहमक सन्तान रहितहुँ तैँ जे काज अब्राहम कयलन्हि सैह करितहुँ । मुदा देखू ! अहाँ सभ हमरा खून कऽ देबाक कोशिश मे छी, खाली एहि लेल, जे हम परमेश्वर सँ सुनल सत्य कैँ अहाँ सभ कैँ कहलहुँ । अब्राहम एहन काज तैँ नहि कयलन्हि ! जे अहाँ सभक पिता अछि, तकरे जकाँ अहाँ सभ करैत छी ।''

[४१]ओ सभ उत्तर देलकन्हि, ''हम सभ अनजनुआ जन्मल नहि छी ! हमरा सभक एकैटा पिता छथि, अर्थात् परमेश्वर ।''

[४२-४७]यीशु बजलाह, ''जँ अहाँ सभक पिता परमेश्वर रहितथि तैँ अहाँ सभ हमरा सँ प्रेम करितहुँ किएक तैँ हम हुनके ओहिठाम सँ अयलहुँ और आब एतऽ छी । हम अपना इच्छा सँ नहि अयलहुँ—वैह हमरा पठौलन्हि । हम जे कहैत छी से अहाँ सभ किएक नहि बुझैत छी? एहि लेल जे अहाँ सभ हमर बात नहि सुनि सकैत छी ! अहाँ सभक पिता शैतान अछि, और अहाँ सभ ओकर इच्छा पूरा करबाक निश्चय कयने छी । ओ शुरूए सँ हत्यारा अछि और सत्य सँ कोनो सम्बन्ध नहि रखैत अछि,

कारण ओकरा मे सत्य छैहे नहि । ओ जखन भूठ बजैत अछि तँ अपन मातृ भाषा बजैत अछि, किएक तँ ओ भुट्ठा अछि और भूठक पिता अछि । मुदा हम अहाँ सभ कैं सत्य कहैत छी और तँ अहाँ सभ हमर विश्वास नहि करैत छी । की अहाँ सभ मे सँ केओ प्रमाणित कऽ सकैत अछि जे हम पापक दोषी छी ? जँ हम सत्य बजैत छी तँ हमर विश्वास किएक नहि करैत छी ? जे परमेश्वरक अछि, से परमेश्वरक वचन सुनैत अछि । अहाँ सभ एहि द्वारे नहि सुनैत छी जे अहाँ सभ परमेश्वरक नहि छी ।"

"अब्राहमक जन्मो सँ पहिने हम छी"

४८ यहूदी सभ हुनका उत्तर देलकन्हि, "की हम सभ ठीके नहि कहैत आबि रहल छिऔ जे तोँ सामरी छैं और तोरा पर भूत सबार छौ ?"

४९-५१ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "हमरा पर भूत सबार नहि अछि । हम अपना पिता कैं आदर करैत छी मुदा अहाँ सभ हमर निरादर करैत छी । लेकिन हम अपना प्रशंसाक लेल चिन्ता नहि करैत छी । एक दोसर गोटे करैत छथि और वैह न्याय करैत छथि । हम अहाँ सभ कैं सत्ये कहैत छी जे जँ केओ हमर बात पर चलत तँ ओ कहियो नहि मरत ।"

५२-५३ तखन यहूदी हुनका कहलकन्हि, "आब तँ निश्चय जानि गेलहुँ जे तोरा पर भूत सबार छौ ! अब्राहम मरि गेलाह और भविष्यवक्ता लोकनि सेहो, और तैयो तोँ कहैत छैं जे, कोनो व्यक्ति जँ तोरा वचन पर चलत तँ मृत्यु कैं कहियो नहि चिखत ! की तोँ हमरा सभक पुरखा अब्राहम सँ पैघ हयबैं ? ओ

तँ मरि गेलाह तथा आओर सभ भविष्यवक्ता सेहो मुइलाह । तोँ अपना कँ की बुझैत छैं?"

[५४-५६] यीशु उत्तर देलथिन्ह, "जँ हमहीं अपन प्रशंसा करितहुँ तँ ओहि प्रशंसाक कोनो महत्व नहि होइत । हमर प्रशंसा करऽ वला हमर पिता छथि, वैह जिनका अहाँ सभ अपन परमेश्वर कहैत छियन्हि । अहाँ सभ हुनका चिन्हबे नहि करैत छी, मुदा हम हुनका चिन्हैत छी । जँ हम कहितहुँ जे हम हुनका नहि चिन्हैत छी, तँ हम अहीं सभ जकाँ झुट्ठा होइतहुँ, मुदा हम हुनका चिन्हिते छियन्हि, और हुनका वचन पर चलैत छी । अहाँ सभक पिता अब्राहम हमरा देखबाक आशा मे बहुत आनन्दित छलाह । ओ देखबो कयलन्हि और बड्ड खुश भेलाह ।"

[५७] तखन यहूदी सभ कहलकन्हि, "तोँ एखन पचासो वर्षक नहि छैं और तोँ अब्राहम कँ देखने छैं !"

[५८] यीशु उत्तर देलथिन्ह, "हम अहाँ सभ कँ सत्ये कहैत छी जे अब्राहमक जन्मो सँ पहिने, हम छी !"

[५९] एहि पर ओ सभ हुनका मारबाक लेल पाथर उठाबऽ लागल, मुदा यीशु नुका कऽ मन्दिर सँ बाहर भऽ कऽ चल गेलाह ।

जन्मक आन्हर देखऽ लागल

९ [१-२] यीशु चलैत-चलैत एक आदमी कँ देखलन्हि जे जन्म सँ आन्हर छल । हुनकर शिष्य पुछलकन्हि, "गुरूजी, ई आदमी अपने पापक कारणे आन्हर जनमल की माय-बापक पापक कारणे?"

३-५ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "ने अपना पापक कारणे आ ने माय-बापक। ई एहि लेल भेल जे ओकरा मे परमेश्वरक शक्ति प्रगट कयल जायत। जे हमरा पठौलन्हि, तिनकर काज हमरा सभ कँ दिने मे करऽ पड़त। राति आबि रहल अछि, जखन केओ नहि काज कऽ सकैत अछि। जाबत धरि हम संसार मे छी, ताबत धरि हम संसारक इजोत छी।"

६-७ एतबा कहि ओ जमीन पर थुकलन्हि, आओर थुक मे माटि सानि कऽ, ओहि आदमीक आँखि पर लगा देलथिन्ह। तखन ओकरा कहलथिन्ह, "जा कऽ शिलोह कुण्ड मे धो लैह।" (शिलोहक अर्थ अछि 'पठाओल गेल'।) तँ ओ आदमी जा कऽ आँखि धो लेलक आओर देखैत घर चल आयल।

८-९ ओकर पड़ोसी सभ आ जे लोक सभ ओकरा पहिने भीख मँगैत देखने छलैक कहलक, "की ई वैह नहि अछि जे पहिने बैसले-बैसले भीख मँगैत छल?" किछु लोक कहलक, "हँ, वैह अछि।" दोसर लोक कहलक, "नहि, नहि! ओकरा सनक लगैत छैक लेकिन अछि नहि।" मुदा ओ आदमी अपने कहलक, "हम वैह छी।"

१० तँ ओ सभ ओकरा कहलकैक, "तखन तोहर आँखि कोना खूजि गेलौ?"

११-१२ ओ बाजल, "ओ यीशु नामक आदमी माटि सानि कऽ हमरा आँखि पर लगा कऽ कहलन्हि जे, जाह, शिलोह मे धो लैह। हम गेलहुँ, धो लेलहुँ, आओर देखऽ लगलहुँ।" ओ सभ ओकरा पुछलकैक, "ओ कतऽ छौ?" ओ उत्तर देलक, "हम नहि जनैत छी।"

फारिसी सभ लग आन्हर व्यक्तिक गवाही

[१३-१५]ओ आदमी जे पहिने आन्हर छल तकरा फारिसी सभ लग आनल गेलैक। जाहि दिन यीशु माटि सानि कऽ ओकर आँखि खोलने छलथिन्ह, से विश्रामक दिन छल। तैँ फारिसी सभ ओहि आदमी कैँ फेर पुछलकैक, "ई कोना भेल जे तोँ आब देखि रहल छह?" ओ बाजल, "ओ माटि सानि कऽ हमरा आँखि पर लगा देलन्हि, हम धो लेलहुँ, आओर आब देखैत छी।"

[१६]किछु फारिसी कहऽ लागल, "ई व्यक्ति परमेश्वरक दिस सँ नहि आयल अछि, कारण ओ विश्रामक दिन कैँ नहि मानैत अछि।" मुदा दोसर सभ कहऽ लागल, "जे पापी होयत, से एहन चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभ कोना देखा सकत?" एहि तरहेँ ओकरा सभ मे मत-भेद भऽ गेलैक।

[१७]आखिर ओ सभ ओहि आन्हर कैँ पुछलकैक, "तोँ ओकरा बारे मे की कहैत छह? तोरे ने आँखि खोलि देलकह।" ओ उत्तर देलकैक, "ओ परमेश्वरक प्रवक्ता छथि।"

[१८-१९]मुदा यहूदी सभ तखनो तक नहि पतिआयल जे ओ पहिने आन्हर छल, और आब देखऽ लागल अछि जखन तक ओ सभ ओकरा माय-बाप कैँ बजा कऽ पूछि नहि लेलकैक, "की ई तोरे बेटा छह? ई वैह अछि जे तोरा सभक कहबाक अनुसार आन्हर जनमल? तैँ ई एखन कोना देखि रहल अछि?"

[२०-२३]ओकर माय-बाप उत्तर देलकैक, "हम सभ जनैत छी जे ई हमरा सभक बालक अछि, और इहो जनैत छी जे आन्हर जनमल। मुदा ई एखन कोना देखि रहल अछि, वा एकरा के

आँखि खोलि देलथिन्ह, से नहि जनैत छी। ओकरे पुछिऔक। ओ तँ बच्चा नहि अछि। ओ अपने कहत।" ओकर माय-बाप ई बात एहि लेल कहलक जे ओ सभ यहूदीक धर्मगुरू सभ सँ डेराइत छल, कारण, यहूदी सभ एकमत भऽ गेल रहय जे, जँ केओ कहत जे यीशु परमेश्वरक चुनल मसीह अछि तँ ओकरा सभा घर सँ बारि देल जयतैक। एही कारण ओकर माय-बाप कहने छलैक जे ओ बच्चा नहि अछि, ओकरे पुछिऔक।

२४ओ सभ फेर दोसर बेर ओहि आदमी कैँ बजौलक जे आन्हर छल, आओर ओकरा कहलकैक, "परमेश्वरक समक्ष सत्ये बाजह! हम सभ जनैत छी जे ई व्यक्ति पापी अछि।"

२५ओ बाजल, "ओ पापी अछि वा नहि, से हम नहि जनैत छी। मुदा एकटा बात हम जनैत छी : हम पहिने आन्हर छलहुँ और एखन देखैत छी।"

२६ओ सभ ओकरा पुछलकैक, "ओ तोरा की कयलकह? तोहर आँखि ओ कोना खोललकह?"

२७ओ उत्तर देलकैक, "हम अहाँ सभ कैँ कहि देने छी, मुदा अहाँ सभ सुनिते नहि छी। अहाँ सभ फेर किएक सुनऽ चाहैत छी? की अहूँ सभ हुनकर शिष्य बनऽ चाहैत छी?"

२८-२९ओ सभ ओकरा गारि पढ़ैत कहलकैक, "तोँही ओकर शिष्य छैं। हम सभ तँ मूसाक शिष्य छी। हम सभ जनैत छी जे परमेश्वर मूसा सँ बाजल छलथिन्ह, मुदा ई व्यक्ति जे अछि, से कतऽ सँ आयल तकर कोनो पता नहि।"

३०-३३एहि पर ओ आदमी बाजल, "अरे, ई तँ बड्ड अद्भुत बात अछि! अहाँ सभ नहि जनैत छी जे ओ कतऽ सँ आयल छथि, और तैयो ओ हमर आँखि खोलि देलन्हि। हम

सभ जनैत छी जे परमेश्वर पापी सभक नहि सुनैत छथिन्ह। जे हुनका मानैत छन्हि और हुनकर इच्छा पूरा करैत छन्हि, तकरा परमेश्वर सुनैत छथिन्ह। सृष्टिक शुरू सँ आइ तक ई कहियो सुनबा मे नहि आयल अछि जे केओ कोनो जन्म सँ आन्हर आदमीक आँखि केँ खोलने होअय। ई आदमी जँ परमेश्वरक दिस सँ नहि आयल रहितथि तँ ओ किछु नहि कऽ सकितथि।"

[३४]एहि पर ओ सभ क्रोध सँ गरजल, "तोँ तँ विल्कुल पापे मे जनमल छैं आ तोँ हमरा सभ केँ सिखाबऽ चाहैत छैं?!" ई कहि ओकरा बाहर भगा देलकैक।

आत्मिक आन्हर

[३५-३६]यीशु जखन सुनलन्हि जे ओ सभ ओकरा भगा देने छैक तँ ओकरा भेट कऽ कऽ पुछलथिन्ह, "की तोँ मनुष्य-पुत्र पर विश्वास करैत छह?" ओ उत्तर देलकन्हि, "मालिक, ओ के छथि? हमरा कहल जाओ, जाहि सँ हम हुनका पर विश्वास करिऐन्ह।"

[३७-३८]यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "तोँ हुनका देखने छहुन्ह और ओ वैह छथि जे एखनो तोरा सँ बात कऽ रहल छथुन्ह।" ओ कहलकन्हि, "प्रभु, हम विश्वास करैत छी!" और हुनकर पयर पर खसि कऽ गोड़ लगलकन्हि।

[३९]यीशु बजलाह, "हम एहि संसार मे न्यायक लेल आयल छी, जाहि सँ जे सभ नहि देखैत अछि, से सभ देखय, और जे सभ देखैत अछि, से सभ आन्हर भऽ जाय।"

[४०]किछु फारिसी जे हुनका लग मे ठाढ़ छल, से ई बात सुनि कहलकन्हि, "तँ हमहूँ सभ आन्हर छी की?"

४१ यीशु ओकरा सभ कें कहलथिन्ह, "अहाँ सभ जँ आन्हर रहितहुँ, तँ दोषी नहि होइतहुँ, मुदा अहाँ सभ कहैत छी जे, हम सभ देखैत छी, आ तेँ अहाँ सभ दोषी रहलहुँ ।"

भेंड़शालाक उपमा

१० १-५ "हम अहाँ सभ कें विश्वास दिअबैत छी जे, जे फट्टक बाटे भेंड़शाला मे प्रवेश नहि करैत अछि, बल्कि देवाल पर चढ़ि कऽ कोनो दोसर बाटे प्रवेश करैत अछि, से चोर और डाकू होइत अछि । जे फट्टक बाटे प्रवेश करैत छथि, से भेंड़ाक चरबाह छथि । हुनका लेल द्वारपाल फट्टक खोलि दैत छन्हि, और हुनकर आवाज भेंड़ा चिन्हैत छन्हि । ओ अपना भेंड़ा कें नाम लऽ लऽ कऽ बजबैत छथि, और ओकरा सभ कें बाहर लऽ जाइत छथि । अपन सभ भेंड़ा कें निकालि लेला पर ओ ओकरा सभक आगाँ-आगाँ चलैत छथि और ओ सभ हुनका पाछाँ लागि जाइत छन्हि किएक तँ हुनकर आवाज कें चिन्हैत छन्हि । ओ सभ कोनो अपरिचित आदमीक पाछाँ कहियो नहि जायत, बल्कि ओकरा लग सँ भागत, किएक तँ अपरिचित लोकक आवाज ओ सभ नहि चिन्हैत छैक ।"

६-१० यीशु ओकरा सभ कें ई उदाहरण देलन्हि, मुदा हुनकर की कहबाक अर्थ छलन्हि, से ओ सभ नहि बुझलक । तेँ ओ ओकरा सभ कें फेर कहलथिन्ह, "हम अहाँ सभ कें सत्ये कहैत छी जे, भेंड़ा सभक लेल हमहीं फट्टक छी । आरो सभ जे हमरा सँ पहिने आयल, से चोर और डाकू सभ छल, मुदा भेंड़ा ओकरा सभक बात नहि मानलक । फट्टक हम छी । हमरा बाटे जे प्रवेश करत से सुरक्षित राखल जायत । ओ भीतर-बाहर

अबैत-जाइत रहत और चारा पाओत। चोर खाली चोरी करबाक, जान मारबाक, और नष्ट करबाक उद्‌देश्य सँ अबैत अछि। मुदा हम एहि लेल अयलहुँ अछि जे मनुष्य जीवन प्राप्त करय और परिपूर्णता सँ प्राप्त करय।

नीक चरबाह

११-१३ "नीक चरबाह हम छी। नीक चरबाह भेंड़ाक लेल अपन प्राण दैत अछि। जन-बनिहार, जे ने चरबाह अछि आ ने भेंड़ाक मालिक अछि से चितुआ कँ अबैत देखि कऽ भेंड़ा सभ कँ छोड़ि कऽ भागि जाइत अछि। तखन चितुआ भेंड़ा कँ पकड़ऽ लगैत छैक और ओकरा सभ कँ छिड़िआ दैत छैक। जन-बनिहार एहि लेल भागि जाइत अछि जे ओ खाली जन अछि और ओकरा भेंड़ाक लेल कोनो चिन्ता नहि रहैत छैक।

१४-१६ "असल चरबाह हम छी। जहिना पिता हमरा चिन्हैत छथि और हम पिता कँ चिन्हैत छियन्हि, तहिना हम अपना भेंड़ा सभ कँ चिन्हैत छी और ओ सभ हमरा चिन्हैत अछि। और भेंड़ा सभक लेल हम अपन प्राण दैत छी। हमरा आओरो भेंड़ा अछि जे एहि भेंड़शालाक नहि अछि; ओकरो सभ कँ हमरा लयबाक अछि। ओहो सभ हमर आवाज सुनत। तखन एकै झुण्ड और एकै चरबाह होयत।

१७-१८ "पिता हमरा सँ एहि लेल प्रेम करैत छथि जे हम अपन प्राण दैत छी जाहि सँ हम ओकरा फेर लऽ ली। केओ हमर प्राण कँ हमरा सँ नहि छीनि लैत अछि, वल्कि हम अपना

इच्छा सँ दऽ रहल छी। हमरा अपन जान देबाक अधिकार अछि और ओकरा फेर लऽ लेबाक अधिकार सेहो अछि। ई आज्ञा हम अपना पिता सँ प्राप्त कयने छी।"

१९ एहि बात सभक कारणे यहूदी सभ मे फेर मत-भेद भऽ गेलैक। बहुत लोक कहैत छल, "एकरा मे भूत छैक; ई बताह अछि! एकर किएक सुनबैक?"

२०-२१ मुदा दोसर सभ कहैत छल, "जकरा मे भूत छैक, से की एहन बात सभ कहत? की भूत कतौ आन्हरक आँखि खोलि सकैत अछि?"

यहूदी सभक द्वारा विरोध

२२-२४ तखन यरूशलेम मे "मन्दिरक समर्पण" नामक पावनि आबि गेल। जाड़क मास छल, और यीशु मन्दिर मे ओहि असोरा पर टहलैत छलाह जे "सुलेमानक असोरा" कहबैत अछि। यहूदी सभ हुनका चारू कात सँ घेरि कऽ कहलकन्हि, "कहिया तक अहाँ हमरा सभ कैँ दुबिधा मे रखने रहब? अहाँ जँ परमेश्वरक मसीह छी तँ हमरा सभ कैँ स्पष्ट कहि दिअ।"

२५-३० यीशु बजलाह, "हम अहाँ सभ कैँ कहिए देने छी, मुदा अहाँ सभ विश्वास नहि करैत छी। जे काज हम अपना पिताक नाम सँ करैत छी, से हमर गवाही दैत अछि। मुदा अहाँ सभ विश्वास नहि करैत छी किएक तँ अहाँ सभ हमर भेंड़ा नहि छी। हमर भेंड़ा हमर आवाज सुनैत अछि; हम ओकरा सभ कैँ चिन्हैत छी और ओ सभ हमरा पाछाँ लागि जाइत अछि। हम ओकरा सभ कैँ अनन्त जीवन दैत छी और ओ सभ कहियो नाश

नहि होयत। हमरा हाथ सँ केओ ओकरा सभ कैं नहि छीनि लेत। हमर पिता, जे ओकरा सभ कैं हमरा देने छथि, से आओरो सभ सँ शक्तिशाली छथि, तैं हमरा पिताक हाथ सँ ओकरा सभ कैं केओ नहि छीनि सकैत अछि। हम और पिता एक छी।''

[३१-३२]एहि पर यहूदी सभ फेर हुनका मारि देबाक लेल पाथर उठाबऽ लागल, मुदा यीशु ओकरा सभ कैं कहलथिन्ह, ''हम अहाँ सभ कैं पिताक तरफ सँ बहुत नीक-नीक काज कऽ कऽ देखा देलहुँ। एहि सभ मे सँ कोन काजक लेल हमरा मारि देबऽ चाहैत छी?''

[३३]यहूदी सभ हुनका उत्तर देलकन्हि, ''कोनो नीक काजक लेल तोरा नहि मारऽ चाहैत छिऔ वल्कि परमेश्वरक निन्दाक लेल, कारण तौं मनुष्ये भऽ कऽ अपना कैं परमेश्वर कहैत छैं।''

[३४-३८]यीशु बजलाह, ''की अहाँ सभक धर्मशास्त्र मे नहि लिखल अछि जे, 'हम कहलहुँ जे तौं सभ ईश्वर छह।'? जँ तकरा सभ कैं ओ 'ईश्वर' कहलथिन्ह जकरा सभ कैं परमेश्वरक वचन देल गेल—और धर्मशास्त्र कहियो गलत नहि ठहरि सकैत अछि— तँ जकरा पिता अपना पवित्र काजक लेल चुनि कऽ संसार मे पठौलथिन्ह, तकरा परमेश्वरक निन्दा करबाक दोष किएक लगबैत छी जखन ओ कहैत अछि जे, 'हम परमेश्वरक पुत्र छी'? जँ हम अपना पिताक काज नहि कऽ रहल छी, तँ हमरा पर विश्वास नहि करू। मुदा जँ हम कऽ रहल छी, तँ हमरा पर जँ नहिओ विश्वास करब, तँ हमर काज पर विश्वास

करू, जाहि सँ अहाँ सभ जानब और बूझब जे पिता हमरा मे छथि और हम पिता मे छी ।"

[३९] ओ सभ हुनका फेर पकड़ऽ चाहैत छलन्हि, मुदा ओ ओकरा सभक हाथ सँ बचि कऽ निकलि गेलाह ।

[४०-४२] तखन यीशु फेर योर्दन नदीक ओहि पार गेलाह जाहिठाम युहन्ना शुरू मे बप्तिस्मा दैत छल । ओ ओहिठाम रहलाह और बहुत लोक हुनका लग आयल । ओ सभ कहलक, "ओनातऽ युहन्ना कोनो चमत्कारपूर्ण चिन्ह नहि देखौलन्हि, तैयो जतेक बात ओ एहि व्यक्तिक बारे मे कहलन्हि, से सभ सत्य छल ।" और ओहिठाम बहुत लोक यीशु पर विश्वास कयलकन्हि ।

यीशुक मित्र लाजरक मृत्यु

११ [१-३] एक लाजर नामक आदमी, जे बेथनिआ गामक छल, बहुत बिमार भऽ गेल छल । बेथनिआ गाम मरियम आओर ओकर बहीन मार्थाक गाम छल । ई मरियम वैह अछि जे यीशुक पयर पर सुगन्धित तेल ढारि कऽ हुनकर पयर अपना केश लऽ कऽ पोछि देलकन्हि । तँ लाजर एहि मरियमक भाय छल । दुनू बहीन यीशु कैँ खबरि पठा देलकन्हि जे, "प्रभु, अहाँक प्रिय मित्र बिमार अछि ।"

[४] यीशु ई सुनि कऽ बजलाह, "एहि बिमारीक अन्त मृत्यु नहि होयत । ई एहि लेल भेल जे परमेश्वरक महिमा प्रगट हयतन्हि, और जाहि सँ एहि द्वारा परमेश्वरक पुत्रक महिमा प्रगट होयत ।"

५-६ यीशु मार्था, ओकर बहीन मरियम, और लाजर सँ बहुत प्रेम करैत छलथिन्ह, मुदा तैयो ई खबरि जखन सुनलन्हि, जे लाजर बिमार अछि, तखन ओ जाहिठाम छलाह ताहिठाम दू दिन आओर रहि गेलाह ।

७-८ तखन ओ अपन शिष्य सभ कैँ कहलथिन्ह, "आब फेर यहूदीआ अंचल चलह ।" ओ सभ कहलकन्हि, "गुरूजी, किछुए दिन पहिने यहूदी सभ पाथर मारि कऽ अहाँ कैँ मारि देबऽ चाहैत छल, आ तैयो अहाँ ओतऽ फेर जाय चाहैत छी ?"

९-१० यीशु बजलाह, "की दिन मे बारह घंटा नहि होइत छैक ? जँ केओ दिन मे चलैत अछि तँ ओकरा ठेस नहि लगैत छैक, कारण ओ एहि संसारक इजोत कैँ देखैत अछि । मुदा राति मे जँ चलैत अछि तँ ठेस लगैत छैक कारण ओकरा कोनो इजोत नहि छैक ।"

११ ई कहि यीशु ओकरा सभ कैँ आगाँ कहलथिन्ह, "हमरा सभक मित्र लाजर सूति रहल, मुदा हम ओकरा जगयबाक लेल जाइत छी ।"

१२-१५ शिष्य सभ हुनका कहलकन्हि, "प्रभु, जँ ओ सूति रहल अछि तँ ओ निकैं भऽ जायत ।" यीशु ओकर मृत्युक सम्बन्ध मे ई कहने छलथिन्ह मुदा शिष्य सभ बुझलक जे ओ स्वाभावीक निन्दक सम्बन्ध मे कहि रहल छथि । तखन यीशु ओकरा सभ कैँ स्पष्ट कहलथिन्ह, "लाजर मरि गेल अछि । और तोरा सभक कारणे हमरा खुशी अछि जे हम ओतऽ नहि छलहुँ, जाहि सँ तोँ सभ विश्वास करह । मुदा आबह, हम सभ आब ओकरा लग चली ।"

१६ तखन थोमा, जे "जौंआ" कहबैत छल, से आरो शिष्य सभ कैँ कहलकैक, "आबह, हमहूँ सभ हुनका संग मरऽ लेल चली।"

"जीबि उठाबऽ वला और जीवन देबऽ वला हमहीं छी"

१७-२० ओतऽ पहुँचला पर यीशु कैँ पता लगलन्हि जे लाजर कैँ कब्बर मे रखला चारि दिन भऽ गेल छैक। बेथनिआ यरूशलेम सँ एक कोश सँ कनेक कम दूर छल, और बहुत यहूदी लोक मार्था आओर मरियमक भायक मरला पर शांत्वना देबाक लेल ओकरा सभक ओहिठाम आयल छलैक। मार्था जखन सुनलक जे यीशु आबि रहल छथि तँ हुनका भेट करऽ गेल, लेकिन मरियम घर मे बैसल रहल।

२१-२२ मार्था यीशु कैँ कहलकन्हि, "प्रभु, अहाँ जँ एतऽ रहितहुँ तँ हमर भाय नहि मरैत। मुदा हम जनैत छी जे एखनो अहाँ जे किछु परमेश्वर सँ मँगबन्हि, से अहाँ कैँ ओ देताह।"

२३ यीशु बजलाह, "तोहर भाय फेर जीबि उठतह।"

२४ मार्था बाजल, "हम जनैत छी जे अन्तिम दिन मे जखन मुइल सभ जीबि उठत तखन ओहो जीबि उठत।"

२५-२६ यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "जीबि उठाबऽ वला और जीवन देबऽ वला हमहीं छी। जे केओ हमरा पर विश्वास करैत अछि, से जँ मरिओ जायत, तैयो जीअत। और जे केओ हमरा मे जीबैत अछि और विश्वास करैत अछि, से कहियो नहि मरत। की एहि पर विश्वास करैत छह?"

[२७] मार्था हुनका उत्तर देलकन्हि, "हँ प्रभुजी, हम विश्वास करैत छी जे अहाँ परमेश्वरक चुनल मसीह छी, परमेश्वरक पुत्र छी, जे संसार मे आबऽ वला छलाह।"

[२८] ई कहि ओ अपन बहीन मरियम कैं बजयबाक लेल गेल, और ओकरा अलग लऽ जा कऽ कहलकैक, "गुरूजी आबि गेलाह; तोरा बजबैत छथुन्ह।"

[२९-३१] ई बात सुनितहि, मरियम जल्दी सँ उठि कऽ हुनका लग गेल। यीशु एखन गाम मे नहि आयल छलाह वल्कि ओहि स्थान पर छलाह जाहिठाक मार्था हुनका सँ भेट कयने छल। यहूदी सभ, जे मरियम कैं शांत्वना दैत ओकरा संग घर मे छलैक, से सभ जखन ओकरा जल्दी उठि बाहर जाइत देखलकैक, तँ ओकरा पाछाँ-पाछाँ गेल, ई बूझि कऽ जे ओ कब्बर पर विलाप करऽ जा रहल अछि।

[३२] मरियम जखन ओहिठाम पहुँचल जाहिठाम यीशु छलाह, तँ हुनका देखि हुनका पयर पर खसि कऽ बाजल, "प्रभु, अहाँ जँ एतऽ रहितहुँ तँ हमर भाय नहि मरैत।"

[३३-३४] यीशु जखन ओकरा विलाप करैत देखलथिन्ह, और यहूदी सभ, जे ओकरा संग आयल छलैक, तकरो सभ कैं विलाप करैत देखलन्हि तँ हुनका बहुत दुःख भेलन्हि और ओ व्याकुल भऽ गेलाह। ओ पुछलथिन्ह, "ओकरा कतऽ रखने छिऐक?" ओ सभ उत्तर देलकन्हि, "प्रभु, चलि कऽ देखि लिअ।"

[३५-३७] यीशु कानऽ लगलाह। तखन यहूदी सभ कहलक जे, "देखू, ओकरा सँ कतेक प्रेम करैत छलथिन्ह।" मुदा ओकरा सभ मे सँ किछु लोक कहलक, "ई जे आन्हर कैं आँखि

खोलि देलथिन्ह, से की एहि आदमीक मुइनाइ नहि रोकि सकलाह ?"

लाजर जीबि उठल

३८-३९ यीशु फेर बहुत दुःखी भऽ कऽ कब्बर लग गेलाह। ओ कब्बर एक गुफा छल, जकरा दुआरि पर एकटा बड़का पाथर राखल छलैक। यीशु कहलन्हि, "पाथर हटा दिअ !"

३९ मृतकक बहीन, मार्था, हुनका कहलकन्हि, "प्रभु, आब बहुत महकैत होयत। ओकरा मरला तँ चारि दिन भऽ गेल छैक।"

४० यीशु बजलाह, "की, हम तोरा नहि कहलिअह जे जँ तोँ विश्वास करबह तँ परमेश्वरक महिमा देखबह ?"

४१-४२ तखन ओ सभ पाथर हटा देलक, और यीशु ऊपर ताकि कऽ कहलन्हि, "पिता, हम तोरा धन्यवाद करैत छिअह जे तोँ हमर सुनि लेने छह। ओना तऽ हम जनैत छी जे तोँ सदिखन हमर सुनि लैत छह, मुदा हम ई बात एहिठाम ठाढ़ भेल लोकक कारणे कहलहुँ, जाहि सँ ओ सभ विश्वास करय जे तोँ हमरा पठौने छह।"

४३ ई बात कहि, यीशु जोर सँ सोर पाड़लन्हि, "लाजर ! बाहर निकलि आबह !"

४४ और ओ मृतक बाहर निकलि आयल। ओकर हाथ-पयर पट्टी सँ बान्हल छलैक, और ओकर मुँह अँगपोछा सँ लेपटल छलैक। यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, "ओकरा खोलि दिऔक और जाय दिऔक।"



मुख्यपुरोहित सभक षड़यन्त्र

४५-४६ एहि कारणे यहूदी सभ जे मरियम सँ भेट करबाक लेल आयल छल, और जे यीशुक ई काज देखने छल, तकरा

सभ मे सँ बहुतो हुनका पर विश्वास कयलकन्हि। मुदा किछु यहूदी फारिसी सभक ओहिठाम जा कऽ कहि देलकैक जे यीशु की कयलन्हि।

४७-४८ तँ मुख्यपुरोहित और फारिसी सभ धर्मसभाक सदस्य सभ कैँ बजा लेलक। ओ सभ आपस मे कहऽ लागल, "हम सभ की कऽ रहल छी? ई तँ बहुत चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखा रहल अछि! एकरा ई सभ करैत छोड़ि देबैक तँ एकरा पर सभ केओ विश्वास करतैक, और रोमी सभ आबि कऽ हमरा सभक पवित्र स्थान और राष्ट्र दुनू नष्ट कऽ देत।"

४९-५० तखन ओकरा मे सँ एक गोटे, काइफस नामक, जे ओहि वर्षक महापुरोहित छलाह से बजलाह, "अहाँ सभ किछुओ नहि जनैत छी आ फुरयबो नहि करैत अछि जे अहाँ सभ कैँ की नीक होइत। नीक तँ ई होइत जे एके आदमी जनताक लेल मरैक, और ई नहि जे पूरा राष्ट्र नाश भऽ जाय।"

५१-५३ ई बात ओ अपने सँ नहि वल्कि ओहि वर्षक महापुरोहित होएबाक कारणे कहलन्हि, मुदा हुनको नहि बुझल छलन्हि जे ई भविष्यवाणी भऽ गेल जे यीशु यहूदी राष्ट्रक बदला मे मरताह, और मात्र ओहि राष्ट्रक लेल नहि वल्कि परमेश्वरक एम्हर-ओम्हर छिड़िआयल सन्तानक लेल सेहो, जाहि सँ ओ ओकरा सभ कैँ एक ठाम जमा कऽ कऽ एक करथि। तँ ओहि दिन सँ ओ सभ हुनका जान सँ मारि देबाक षड़यन्त्र करऽ लागल।

५४ फलस्वरूप यीशु आब यहूदी सभक बीच मे खूलि कऽ नहि घुमैत छलाह। ओ जंगलक कात मे इफ्राइम नामक गाम मे जा कऽ ओतहि अपना शिष्य सभक संग रहऽ लगलाह।

[५५-५७]जखन यहूदी सभक फसह-पावनि लग आबि गेल तखन बहुत लोक अपना कैँ शुद्ध करबाक विधिक लेल पावनि सँ पहिनहि देहात सँ यरूशलेम आयल। ओ सभ यीशु कैँ तकैत छलन्हि, और मन्दिर मे ठाढ़ एक दोसर सँ पुछैत छल जे, "अहाँ की सोचैत छी? ओ पावनि मे नहिए आओत की?" कारण मुख्यपुरोहित और फारिसी सभ आज्ञा देने छल जे, जँ ककरो पता लागि जाइक जे यीशु कतऽ छथि तँ ओ एकरा सभ कैँ सूचना दऽ दिअय, जाहि सँ ई सभ हुनका पकड़ि सकन्हि।

यीशुक सम्मान मे भोज

१२ [१-३]फसह-पावनि सँ छओ दिन पहिने, यीशु बेथनिआ गाम अयलाह, जाहिठाम लाजर रहैत छल, जकरा मुइलाक बाद यीशु जीबित कऽ देने रहथिन्ह। ओहिठाम यीशुक अयबाक खुशी मे भोज कयल गेल। मार्था सेवा-सत्कारक काज मे लागल छल, और यीशुक संग भोजन करऽ वला सभ मे लाजर सेहो बैसल छल। तखन मरियम विशुद्ध जटामासीक लगभग आधा सेर बहुत दामी सुगन्धित तेल लऽ यीशुक पयर पर ढारि देलकन्हि और हुनकर पयर अपना केश लऽ कऽ पोछि देलकन्हि। ओहि तेलक सुगन्ध सँ सौंसे घर गमकि उठल।

[४-६]मुदा हुनकर एकटा शिष्य, यहूदा इस्करिओती, जे बाद मे हुनका पकड़बाबऽ वला भेल, से बाजल, "ई तेल बेचि दितहुँ! एहि सँ एक वर्षक बोनिक बराबर मूल्य भेटैत, आ गरीब सभ मे बाँटल जा सकैत छलैक! से किएक नहि कयल गेल?" ओ ई बात एहि लेल नहि कहलक जे ओकरा गरीब सभक लेल चिन्ता छलैक वल्कि एहि लेल जे ओ चोर छल; ओकरा लग

हुनका सभक पाइक बटुआ रहैत छलैक, और ओहि मे जे किछु राखल जाइत छल, ताहि मे सँ ओ चोरा लैत छल ।

७-८ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "ओकरा छोड़ि दहक ! हमरा कब्बर मे राखल जयबाक तैयारी करबाक लेल ओकरा ई तेल रखबाक छल । गरीब सभ तँ तोरा सभक संग सभ दिन रहतह, मुदा हम तोरा सभक संग सभ दिन नहि रहबह ।"

९-११ जखन यहूदी सभक बड़का भीड़ कैँ पता लगलैक जे यीशु एतऽ छथि, तँ ओ सभ देखबाक लेल आयल, मुदा खाली यीशु कैँ देखबाक लेल नहि, वल्कि लाजर कैँ सेहो, जकरा मुइलाक बाद यीशु जिबित कयने रहथिन्ह । तखन मुख्यपुरोहित लाजर कैँ सेहो खून कऽ देबाक योजना बनाबऽ लागल, किएक तँ ओकरे कारण बहुत यहूदी अपना धर्मगुरू सभ कैँ छोड़ि कऽ यीशु पर विश्वास करैत छलन्हि ।

यरूशलेम मे प्रवेश

१२-१५ दोसरे दिन बड़का भीड़ जे पावनि मे आयल छल, से सुनलक जे यीशु यरूशलेम आबि रहल छथि । ओ सभ खजूरक छज्जा तोड़ि कऽ हुनका सँ भेट करबाक लेल शहर सँ बहरायल । ओ सभ नारा लगबैत छल,

"जय जय !
धन्य छथि ओ जे प्रभुक नाम सँ अबैत छथि !
धन्य छथि इस्राएलक राजा !"

यीशु एक गदहाक बच्चा पर बैसल छलाह, जेना धर्मशास्त्रक लेख अछि,

"हे सिओन नगर ! भयभीत नहि होअह !
देखह ! तोहर राजा गदहाक बच्चा पर बैसल
आबि रहल छथुन्ह !"

[१६]एहि समय मे हुनकर शिष्य सभ ई सभ बात नहि बुझलक, मुदा यीशु जखन स्वर्गक महिमा मे उठा लेल गेलाह तखन ओकरा सभ कैँ मोन पड़ल जे ई सभ बात हुनके बारे मे लिखल गेल छल और हुनका संग तहिना कएलो गेल ।

[१७-१९]जे लोक सभ ओहि समय मे यीशुक संग छल जखन ओ लाजर कैँ कब्बर मे सँ बहरयबाक लेल कहि कऽ जीवित कऽ देने रहथिन्ह, से सभ एहि बातक बारे मे सभ लोक कैँ कहैत छल । एहि कारण एतेक लोक यीशु सँ भेटबाक लेल बहरायल छल । ओ सभ सुनने छल जे यीशु ई चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखौने छथि । तैँ फारिसी सभ एक दोसर कैँ कहऽ लागल, "देखैत छी कि नहि ! अहाँ सभ जे कऽ रहल छी ताहि सँ कनेको फायदा नहि ! देखू ! सौंसे संसार ओकरा पाछाँ दौड़ि रहल छैक !"

मृत्यु सँ जीवन

[२०-२१]जे लोक पावनि मे आराधना करबाक लेल आयल छल, ताहि मे किछु लोक युनानी जातिक छल । ओ सभ फिलिप्पुस लग आयल, जे गलील अंचलक बेतसैदा गामक छल । ओ सभ ओकरा सँ ई निवेदन कयलक, "मालिक, हम सभ यीशु कैँ देखितहुँ ।"

[२२]फिलिप्पुस जा कऽ अन्द्रेयास कैँ कहि देलक, और अन्द्रेयास फिलिप्पुसक संग जा कऽ यीशु कैँ कहलकन्हि ।

२३-२६ यीशु बजलाह, "मनुष्य-पुत्रक महिमा प्रगट होयबाक घड़ी आबि गेल अछि। हम अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी जे, जाबत धरि गहूमक दाना जमीन मे खसि कऽ मरि नहि जाइत अछि, ताबत धरि ओ असगर रहैत अछि। मुदा जँ मरि जायत, तँ आओर बहुत दाना कैँ उत्पादन करत। जे अपना जीवन कैँ प्रिय बुझैत अछि, से ओकरा नष्ट कऽ दैत अछि, और जे एहि संसार मे अपना जीवन कैँ तुच्छ बुझैत अछि, से ओकरा अनन्त जीवनक लेल सुरक्षित रखैत अछि। जे हमर सेवा करत, से हमर अनुसरण करय। और हम जतऽ होयब, ततऽ हमर सेवक सेहो होयत। जे केओ हमर सेवा करत, तकरा हमर पिता आदर करथिन्ह।

क्रूसक मृत्युक संकेत

२७-२८ "आब हमर आत्मा अति व्याकुल भऽ गेल अछि। हम की कहू? —ई जे हे पिता, एहि घड़ी सँ हमरा बचाबह!? नहि! हम तँ एहि कारणे एहि घड़ी तक आयल छी! हे पिता, अपन नामक महिमा कैँ प्रगट करह!"

२८ एहि पर स्वर्ग सँ ई आवाज सुनाइ देलक जे, "हम ओकरा प्रगट कयने छी और फेर प्रगट करब।"

२९-३३ लग मे ठाढ़ भेल भीड़ ई सुनलक और कहलक, "मेघ बाजल।" दोसर लोक कहलक, "हुनका सँ स्वर्गदूत बजलन्हि।" यीशु बजलाह, "ई आवाज हमरा लेल नहि, अहीं सभक लेल भेल। आब एहि संसारक न्यायक समय आबि गेल अछि, आब एहि संसारक शासक कैँ पराजित कऽ देल जयतैक। मुदा हम जखन पृथ्वीक ऊपर लटकाओल जायब तँ हम अपना

लग सभ लोक कँ खीचि लेब ।" ओ ई कहि कऽ संकेत कऽ देलथिन्ह जे हुनकर मृत्यु कोन तरहक हयतन्हि ।

[३४] एहि पर भीड़क लोक बाजल, "हम सभ धर्मनियम सँ सिखने छी जे परमेश्वरक चुनल मसीह अनन्त काल तक रहताह । तँ अहाँ कोना कहैत छी जे मनुष्य-पुत्रक ऊपर लटकाओल जेनाइ आवश्यक अछि? की मनुष्य-पुत्र आ मसीह दुनू एके नहि छथि?"

[३५-३६] यीशु ओकरा सभ कँ कहलन्हि, "इजोत कनेके काल आओर अहाँ सभक बीच मे अछि । जा धरि इजोत अछि ता धरि चलिते रहू, नहि तँ अन्हार अहाँ सभ कँ लपकि लेत । जे अन्हार मे चलैत अछि, से नहि जनैत अछि जे ओ कतऽ जा रहल अछि । जा धरि इजोत अहाँ सभक संग अछि, इजोत पर विश्वास राखू, जाहि सँ इजोतक सन्तान बनब ।"

[३६] यीशु ई सभ बात कहि कऽ चल गेलाह और ओकरा सभ सँ नुका रहलाह ।

भविष्यवक्ताक कथन पूरा भेल

[३७-४१] ओकरा सभक समक्ष मे एतेक चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखौलाक बादो, ओ सभ यीशु पर विश्वास नहि करैत छल । ई एहि लेल भेल जे यशायाह भविष्यवक्ताक ई कथन पूरा होअय,

"यौ प्रभु हमरा सभक खबरि पर के विश्वास
कयने अछि?
और प्रभुक बल ककरा पर प्रगट भेल छैक?"

तँ ओ सभ विश्वास नहि कऽ सकल, कारण, जेना यशायाह दोसर ठाम कहैत छथि,

"प्रभु ओकरा सभक आँखि आन्हर कऽ देने
छथिन्ह,
और ओकरा सभक मन कठोर कऽ देने
छथिन्ह,
जाहि सँ ओ सभ ने आँखि सँ देखय,
ने मन सँ बुझय,
आ ने हमरा दिस घूमि कऽ आबय कि हम
ओकरा सभ कैं नीकैं कऽ दिऐक ।"

यशायाह ई बात कहलन्हि किएक तँ ओ यीशुक महिमा देखलन्हि और हुनका बारे मे बजलाह ।

४२-४३ ई बात होइतो यहूदी सभक अधिकारी सभ मे सँ सेहो बहुत गोटे हुनका पर विश्वास कयलक, मुदा फारिसी सभक कारणे ओ सभ अपना विश्वास कैं खूलि कऽ नहि स्वीकार कयलक, एहि डरे जे सभा घर सँ बारि देल जाएब, कारण ओ सभ परमेश्वरक प्रशंसा सँ मनुष्यक प्रशंसा प्रिय बुझैत छल ।

४४-४६ तखन यीशु जोर सँ कहलन्हि, "जे केओ हमरा पर विश्वास करैत अछि, से हमरे पर नहि, वल्कि हमरा जे पठौलन्हि, तिनको पर विश्वास करैत अछि । और जे हमरा देखैत अछि, से तिनका देखैत छन्हि जे हमरा पठौलन्हि । हम इजोत भऽ कऽ संसार मे आयल छी जाहि सँ जे केओ हमरा पर विश्वास करत से अन्हार मे नहि रहय ।

४७-५० "हमर वचन जँ केओ सुनैत अछि, लेकिन मानैत नहि अछि, तँ हम ओकर न्याय नहि करैत छी, कारण हम संसारक न्याय करबाक लेल नहि अयलहुँ, वल्कि ओकरा

बचयबाक लेल । जे हमरा तिरस्कार करैत अछि और हमर वचन ग्रहण नहि करैत अछि, तकर न्याय करऽ वला एक अछि—जे वचन हम कहने छी, वैह अन्तिम दिन मे ओकर न्याय करतैक । कारण हम अपना दिस सँ नहि बजलहुँ वल्कि जे पिता हमरा पठौलन्हि सैह हमरा आदेश देलन्हि जे हम की कही और कोना बाजी । और हम जनैत छी जे हुनकर आदेश अनन्त जीवन अछि । तैं हम जे किछु बजैत छी, से वैह अछि जे ओ हमरा बजबाक लेल कहने छथि ।"

शिष्य सभक पयर धोलन्हि

१३ [1] फसह भोज सँ पहिनेक समय छल, और यीशु जनैत छलाह जे आब एहि संसार कँ छोड़ि कऽ पिता लग जयबाक घड़ी आबि गेल अछि । अपन चुनल लोक जे संसार मे छल, और जकरा सभ कँ ओ प्रेम करैत आयल छलथिन्ह, तकरा सभ कँ ओ अन्तिम सीमा तक प्रेम कयलन्हि ।

[2-5] यीशु और हुनकर शिष्य सभ भोजन कऽ रहल छलाह । शैतान पहिनहि सिमोनक बेटा यहूदा इस्करिओतीक मन मे यीशु कँ पकड़बयबाक विचार धऽ देने छलैक । यीशु ई जनैत छलाह जे पिता हमरा हाथ मे सभ किछु दऽ देने छथि और ई, जे हम परमेश्वर सँ आयल छी आ परमेश्वर लग जा रहल छी । तैं ओ भोजन सँ उठलाह, और अपन उपरका कपड़ा उतारि कऽ अपना डाँड़ मे गमछा लपेटि लेलन्हि । तखन एक कठौत मे पानि ढारि कऽ ओ शिष्य सभक पयर धोबऽ और डाँड़ मे बान्हल गमछा लऽ कऽ पोछऽ लगलथिन्ह ।

६-८ जखन ओ सिमोन पत्रुस लग अयलाह, तँ पत्रुस हुनका कहलकन्हि, "प्रभु! की हमर पयर अहाँ धोयब?" यीशु बजलाह, "हम की कऽ रहल छी, से तोँ एखन नहि जनैत छह, मुदा बाद मे तोँ बूझि जयबह।" पत्रुस हुनका कहलकन्हि, "नहि! अहाँ हमर पयर कहियो नहि धोबऽ पायब!" यीशु बजलाह, "जँ तोँ हमरा नहि धोबऽ देबह तँ हमरा संग तोहर कोनो सम्बन्ध नहि छह।"

९ तँ सिमोन पत्रुस हुनका कहलकन्हि, "तखन प्रभु, हमर पयरेटा नहि, हमर हाथ और माथ सेहो!"

१०-११ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "जे नहा लेने अछि, तकरा पयर कँ छोड़ि कऽ आओर किछु धोयबाक आवश्यकता नहि छैक, ओकर सम्पूर्ण देह शुद्ध रहैत छैक। और तोँ सभ शुद्ध छह, मुदा सभ केओ नहि।" यीशु तँ जनैत छलाह जे हुनका पकड़बाबऽ वला के होयत, और तँ ओ कहलथिन्ह, तोँ सभ गोटे शुद्ध नहि छह।

१२-१७ जखन यीशु ओकरा सभक पयर धो लेलन्हि, और अपन कपड़ा पहिरि कऽ बैसि गेलाह, तखन ओ ओकरा सभ कँ कहलथिन्ह, "हम तोरा सभक संग की कयलिअह, से की तोँ सभ बुझैत छह? तोँ सभ हमरा 'गुरूजी' और 'प्रभुजी' कहैत छह, और ठीके कहैत छह, कारण ओ हम छी। तँ जँ हम तोहर सभक प्रभु और गुरू भऽ कऽ तोहर सभक पयर धोयने छिअह, तँ तोरो सभ कँ एक दोसरक पयर धोयबाक चाही। हम तोरा सभ कँ एक नमूना देखा देलिअह जाहि सँ जहिना हम तोरा सभक संग कयलिअह तहिना तोँहू सभ करह। हम तोरा सभ कँ विश्वास दिअबैत छिअह जे, दास अपना मालिक सँ पैघ नहि होइत अछि,

और ने पठाओल गेल दूत अपना पठाबऽ वला सँ । ई सभ बात जानि कऽ, जँ एकरा अनुसार चलबह तँ धन्य हयबह ।

विश्वासघाती शिष्यक दिस संकेत

१८-२० "हम तोरा सभ गोटेक बारे मे नहि बाजि रहल छी । जकरा सभ कँ हम चुनलिऐक तकरा सभ कँ चिन्हैत छिऐक । मुदा धर्मशास्त्रक ई लेख पूरा होयबाक अछि जे, 'जे हमर रोटी खाइत अछि से हमरा बिरोध मे लात उठौने अछि ।' ई घटना घटऽ सँ पहिनहि हम तोरा सभ कँ ई बात कहि रहल छिअह, जाहि सँ जखन ई घटत तखन तोरा सभ कँ पूरा विश्वास हयतह जे हम वैह छी जे छी । हम तोरा सभ कँ सत्ये कहैत छिअह जे, जे केओ ओकरा स्वीकार करतैक जकरा हम पठायब, से हमरा स्वीकार करत, और जे हमरा स्वीकार करत से तिनका स्वीकार करतन्हि जे हमरा पठौलन्हि ।"

२१-२५ ई बात कहि कऽ यीशु अपना आत्मा मे बहुत व्याकुल होबऽ लगलाह, और ओ खूलि कऽ कहलन्हि, "हम तोरा सभ कँ विश्वास दिअबैत छिअह जे तोरा सभ मे सँ एक गोटे हमरा पकड़बाओत ।" शिष्य सभ एकदम नहि बूझि कऽ जे ओ ककरा बारे मे बाजि रहल छथि, एक दोसरक दिस ताकऽ लागल । ओकरा सभ मे सँ एकटा, जाहि शिष्य सँ यीशु बिशेष प्रेम करैत छलाह, से हुनका छाती सँ ओठँगि कऽ पड़ल छलन्हि । सिमोन ओहि शिष्य कँ संकेत कऽ कऽ कहलकैक, "हुनका सँ पुछहुन्ह जे ककरा बारे मे कहि रहल छथि ।" ओ यीशु पर ओठँगि कऽ पुछलकन्हि, "प्रभु, ओ के अछि ?"

२६-३० यीशु उत्तर देलथिन्ह, "ओ वैह अछि जकरा हम रोटीक टुकड़ा बट्टा मे बोरि कऽ देबैक।" तखन ओ रोटीक टुकड़ा बोरि कऽ सिमोन इस्करिओतीक बेटा यहूदा कैँ देलथिन्ह। यहूदा कैँ रोटीक टुकड़ा लितहि, शैतान ओकरा मे पैसि गेलैक। तखन यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "जे काज तोँ करऽ पर छह, से शीघ्र करह!" मुदा भोजन पर बैसल व्यक्ति सभ मे सँ केओ नहि बुझलक जे यीशु किएक ओकरा ई बात कहलथिन्ह। किछु गोटे सोचलक जे यहूदा लग पाइक बटुआ रहला सँ हुनकर कहबाक तात्पर्य छलन्हि जे, जे किछु पावनिक लेल हमरा सभ कैँ आवश्यक अछि से किनह, वा ई जे गरीब सभ मे किछु बाँटि दहक। यहूदा रोटीक टुकड़ा लेलाक बाद तुरत बाहर चल गेल, ओ रातुक समय छल।

नव आज्ञा

३१-३२ जखन यहूदा बाहर चल गेल, तखन यीशु बजलाह, "आब मनुष्य-पुत्रक महिमा प्रगट हयतैक, और ओकरा मे परमेश्वरक महिमा प्रगट हयतन्हि। जँ ओकरा द्वारा परमेश्वरक महिमा प्रगट होयत, तँ परमेश्वर सेहो अपना द्वारा ओकर महिमा प्रगट करताह, और बहुत जल्दी करताह।

३३-३५ "हौ हमर बाउ लोकनि! कनेके काल आओर हम तोरा सभक संग छिअह। तोँ सभ हमरा तकबह, और जेना हम यहूदी सभ कैँ कहलिऐक, तेना तोरो सभ कैँ कहैत छिअह जे, जतऽ हम जा रहल छी ततऽ तोँ सभ नहि आबि सकैत छह। एक नव आज्ञा हम तोरा सभ कैँ दैत छिअह : एक दोसर सँ प्रेम

करह — जेना हम तोरा सभ सँ प्रेम कयने छिअह तेना तोंहू सभ एक दोसर सँ प्रेम करह। एहि सँ सभ लोक जानत जे तोँ सभ हमर शिष्य छह, जँ तोँ सभ एक दोसर सँ प्रेम करबह।"

यीशु पत्रुसक कमजोरीक विषय मे जनैत छलाह

३६ सिमोन पत्रुस हुनका सँ पुछलकन्हि, "प्रभु, अहाँ कतऽ जा रहल छी?" यीशु बजलाह, "हम जतऽ जा रहल छी, ततऽ तोँ एखन हमरा पाछाँ-पाछाँ नहि आबि सकबह, लेकिन बाद मे तोँ हमरा पाछाँ अयबह।"

३७ पत्रुस कहलकन्हि, "प्रभु, हम अहाँक पाछाँ-पाछाँ एखन किएक नहि आबि सकैत छी? हम अहाँक लेल अपन प्राण दऽ देब!"

३८ यीशु बजलाह, "की तोँ वास्तव मे हमरा लेल अपन प्राण देबह? हम तोरा सत्ये कहैत छिअह जे, मूर्गाक बजबा सँ पहिनहि, तोँ हमरा चिन्हबो सँ तीन बेर अस्वीकार करबह।"

"रस्ता हमहीं छी"

१४ १-४ "तोँ सभ अपना मन मे घबड़ाह नहि। परमेश्वर पर विश्वास करैत रहह और हमरो पर विश्वास करैत रहह। हमरा पिताक घर मे बहुते रहऽ वला जगह अछि, और हम तोरा सभक लेल जगह तैयार करऽ जा रहल छी। ई बात जँ नहि रहैत तँ हम तोरा सभ केँ कहि दितिअह। और जँ हम तोरा सभक लेल जगह तैयार करऽ जा रहल छी, तँ हम फेर अयबह, और

तोरा सभ कँ हम अपना लग लऽ जयबह, जाहि सँ हम जतऽ छी, ततऽ तोंहू सभ रहह। जाहिठाम हम जा रहल छी, ताहि ठामक रस्ता तों सभ जनैत छह!"

५ थोमा हुनका कहलकन्हि, "प्रभु, अहाँ कतऽ जा रहल छी, सेहो हम सभ नहि जनैत छी। तँ रस्ता कोना जानब?"

६-७ यीशु बजलाह, "रस्ता हमहीं छी, हँ, और सत्य और जीवन सेहो छी। हमरा बिनु केओ पिता लग नहि अबैत अछि। जँ तों सभ वास्तव मे जनितह जे हम के छी, तँ हमरा पितो कँ जनितह; और आब हुनका जनिते छहुन्ह और देखने छहुन्ह।"

८ फिलिप्पुस हुनका कहलकन्हि, "प्रभु, हमरा सभ कँ पिता कँ देखाउ, तखन हम सभ सन्तुष्ट भऽ जायब।"

९-१४ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "फिलिप्पुस! तोरा सभक संग हम एतेक दिन सँ छी, आ की एखनो तक तों नहि जनैत छह जे हम के छी? जे हमरा देखने अछि से पिता कँ देखने अछि। तँ तों कोना कहैत छह जे, हमरा सभ कँ पिता कँ देखाउ? की तोरा विश्वास नहि होइत छह जे हम पिता मे छी और पिता हमरा मे छथि? जे बात हम तोरा कहैत छिअह, से हम अपना दिस सँ नहि कहैत छिअह, वल्कि पिता, जे हमरा मे बास करैत छथि, सैह अपन काज कऽ रहल छथि। हमर विश्वास करह जे हम पिता मे छी और पिता हमरा मे छथि; आ नहि, तँ हमर काजेक कारण विश्वास करह। हम तोरा सभ कँ सत्ये कहैत छिअह जे, हमरा पर विश्वास कयनिहार सेहो वैह काज सभ करत जे हम करैत छी, और एहू सँ पैघ काज करत, कारण हम पिता लग जा रहल छी। और तों सभ हमरा नाम सँ जे किछु मँगबह, से हम पूरा करबह, जाहि सँ पुत्र द्वारा परमेश्वरक

महिमा प्रगट होयत। जँ हमरा नाम सँ तोँ सभ हमरा सँ किछुओ मँगबह तँ तकरा हम पूरा करबह।

यीशु सहायक पठौताह

१५-२१ "जँ हमरा सँ प्रेम करैत छह तँ हमर आज्ञाक पालन करबह। हम पिता सँ विनती करबन्हि, और ओ तोरा सभक संग अनन्त काल तक रहबाक लेल एक आओर सहायक देथुन्ह, अर्थात् सत्यक आत्मा। हुनका संसार ग्रहण नहि कऽ सकैत छन्हि, किएक तँ ओ हुनका ने देखैत छन्हि आ ने चिन्हैत छन्हि। मुदा तोँ सभ हुनका चिन्हैत छहुन्ह, कारण ओ तोरा सभ लग रहैत छथुन्ह और तोरा मे बास करथुन्ह। हम तोरा सभ केँ अनाथ नहि छोड़बह, हम तोरा लग अयबह। कनेक काल आओर अछि तखन फेर संसार हमरा नहि देखत, मुदा तोँ सभ हमरा देखबह। हमरा मे वास्तविक जीवन रहबाक कारणे तोँहू सभ जीबह। ओहि दिन तोँ सभ जानि जयबह जे हम पिता मे छी और तोँ सभ हमरा मे छह, और हम तोरा सभ मे छिअह। जे हमर आज्ञा स्वीकार करैत अछि और मानैत अछि, सैह हमरा सँ प्रेम करैत अछि। और जे हमरा सँ प्रेम करैत अछि, तकरा सँ हमर पिता प्रेम करथिन्ह, और हमहूँ ओकरा सँ प्रेम करब तथा ओकरा हम अपना केँ देखायब।"

२२ तखन यहूदा (यहूदा इस्करिओती नहि, दोसर) हुनका कहलकन्हि, "प्रभु, ई की भेल जे अहाँ अपना केँ हमरे सभ केँ देखायब आ संसार केँ नहि?"

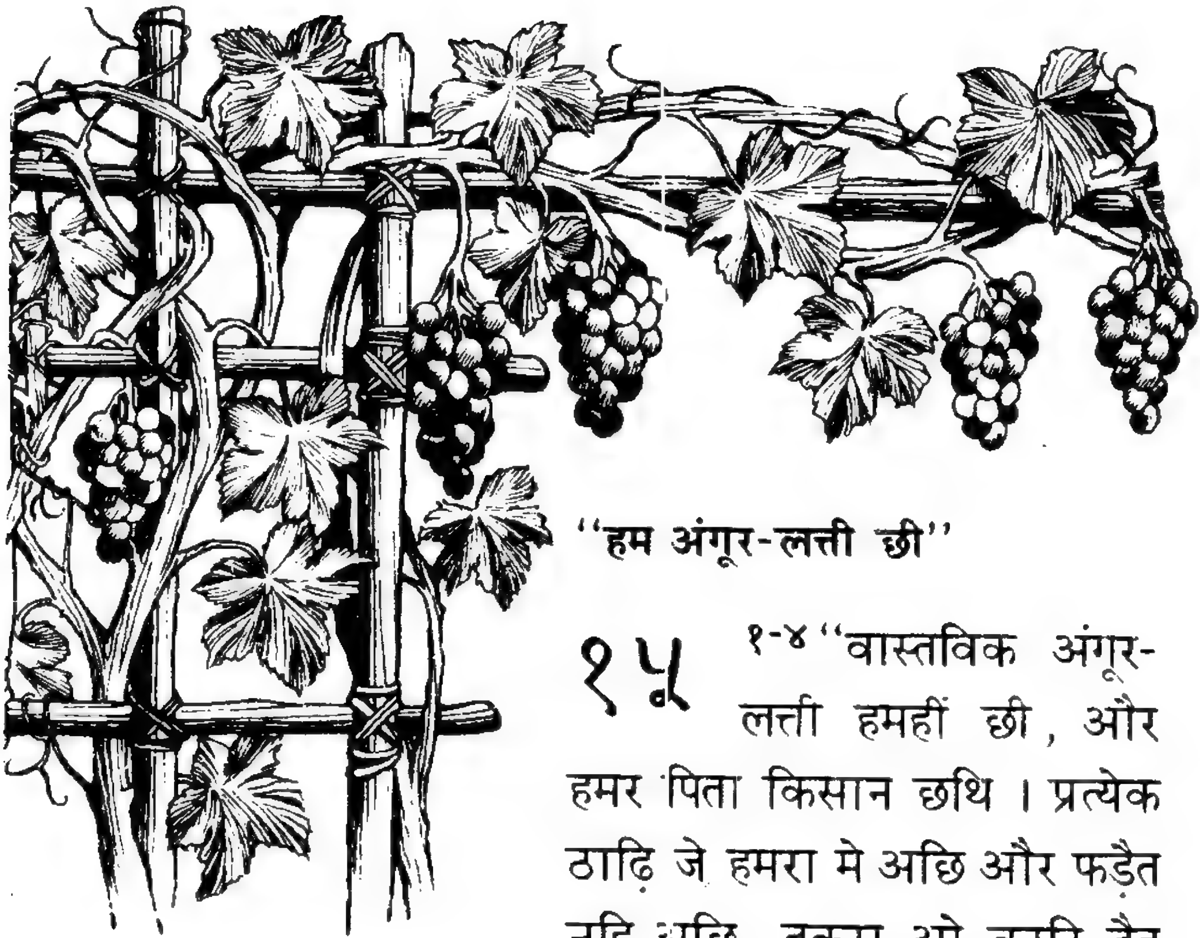
२३-२४ यीशु बजलाह, "जँ केओ हमरा सँ प्रेम करैत अछि तँ ओ हमर वचनक अनुसार चलत; हमर पिता ओकरा सँ प्रेम

करथिन्ह और हम सभ ओकरा लग आबि कऽ ओकरा मे अपन निवास-स्थान राखब। जे हमरा सँ प्रेम नहि करैत अछि, से हमर वचनक अनुसार नहि चलत। और ई बात जे तोँ सभ एखन सुनि रहल छह, से हमर नहि अछि; पिता जे हमरा पठौलन्हि, तिनकर छन्हि।

२५-२६ "ई सभ बात हम तोरा सभ लग रहितहि कहि देने छिअह। मुदा ओ सहायक, अर्थात् पवित्र आत्मा, जिनका पिता हमरा नाम सँ पठौताह, से तोरा सभ कैँ सभ बात सिखा देथुन्ह, और सभ किछु जे हम कहने छिअह, से तोरा सभ कैँ ओ मन पाड़ि देथुन्ह।

२७ "शान्ति हम तोरा सभ कैँ दऽ जाइत छिअह; अपन शान्ति हम तोरा सभ कैँ दैत छिअह। जेंना संसार दैत अछि, तेना हम नहि दैत छी। तोँ अपना मन मे नहि घबड़ाह, आ ने भयभीत होअह।

२८-३१ "तोँ सभ हमरा कहैत सुनलह जे, हम जा रहल छी आ फेर तोरा सभ लग आबि रहल छिअह। जँ तोँ सभ हमरा सँ प्रेम करितह तँ आनन्द मनबितह जे हम पिता लग जा रहल छी, कारण पिता हमरा सँ पैघ छथि। ई होबऽ सँ पहिनहि हम एखने ई बात कहि दैत छिअह, जाहि सँ ई भेला पर तोँ सभ विश्वास रखबह। हम आब तोरा सभ सँ बेसी बात नहि करबह, किएक तँ एहि संसारक शासक आबि रहल अछि। हमरा पर ओकरा कोनो अधिकार नहि छैक। मुदा संसार कैँ ई जनबाक छैक जे हम पिता सँ प्रेम करैत छी और हम सभ किछु हुनकर आज्ञानुसार करैत छी। आब उठह, हम सभ एतऽ सँ चली।"



"हम अंगूर-लत्ती छी"

१५ १-४ "वास्तविक अंगूर-लत्ती हमहीं छी, और हमर पिता किसान छथि। प्रत्येक ठाढ़ि जे हमरा मे अछि और फड़ैत नहि अछि, तकरा ओ काटि दैत छथिन्ह, और प्रत्येक ठाढ़ि जे फड़ैत अछि तकरा ओ छाँटैत छथिन्ह, जाहि सँ ओ शुद्ध भऽ कऽ आओर फड़त। तोँ सभ एखने हमरा वचन द्वारा, जे हम तोरा सभ केँ कहने छिअह, शुद्ध कएल गेल छह। हमरा मे रहैत रहह, जेना हम तोरा सभ मे। जहिना ठाढ़ि अपने सँ नहि फड़ि सकैत अछि बल्कि तखने जखन लत्ती मे रहैत अछि, तहिना तोँहू सभ तखने फड़ि सकैत छह जँ हमरा मे रहैत रहबह।

५-८ "हम अंगूर-लत्ती छी; तोँ सभ ठाढ़ि छह। जे हमरा मे रहैत अछि और हम ओकरा मे, सैह बहुत फड़ैत अछि, कारण हमरा बिनु तोँ सभ किछु नहि कऽ सकैत छह। जँ केओ हमरा मे नहि रहैत अछि, तँ ओ काटल ठाढ़ि जकाँ होइत अछि जे फेकल जाइत अछि और सुखि जाइत अछि।

एहन ठाढ़ि जमा कएल जाइत अछि, तखन आगि मे फेकल और जराओल जाइत अछि। जँ हमरा मे रहबह और हमर वचन तोरा मे रहतह तँ, जे किछु चाहैत छह से माँगह, और तोरा भऽ जयतह। हमर पिताक महिमा एहि मे प्रगट होयत जे तोँ सभ हमर शिष्य भऽ कऽ बहुत फड़ैत रहबह। तोँ सभ बहुत फड़बह आ एहि तरहें हमर शिष्य ठहरबह।

९-१७"जहिना पिता हमरा सँ प्रेम कयने छथि, तहिना तोरा सभ सँ हम प्रेम कयने छिअह। आब हमरा प्रेम मे रहह। तोँ सभ जँ हमर आदेश कँ मानबह तँ हमरा प्रेम मे रहबह, जेना हम पिताक आदेश कँ मानने छी और हुनकर प्रेम मे रहैत छी। ई बात हम एहि लेल कहैत छिअह जे हमर आनन्द तोरा सभ मे रहय और तोहर सभक आनन्द पूर्ण होअय। हमर आदेश ई अछि जे, जेना हम तोरा सभ सँ प्रेम कयने छिअह, तेना तोँ सभ एक दोसर सँ प्रेम करह। एहि सँ बड़का प्रेम कोनो नहि अछि जे, केओ अपन मित्रक लेल अपन प्राण देअय। तोँ सभ हमर मित्रे छह, जँ हमर आदेश कँ पालन करैत छह। आब हम तोरा सभ कँ 'दास' नहि कहबह, कारण दास नहि जनैत अछि जे ओकर मालिक की करैत छथि। मुदा तोरा सभ कँ हम 'मित्र' कहने छिअह, किएक तँ जे किछु हम अपना पिता सँ सुनने छी, से सभ तोरा सभ कँ कहि देने छिअह। तोँ सभ हमरा नहि चुनलह; हमहीं तोरा सभ कँ चुनलिअह, और नियुक्त कयलिअह जे तोँ सभ जा कऽ फड़ैत रहबह, तथा तोहर फल स्थायी रहतह, जाहि सँ जे किछु तोँ सभ हमरा नाम सँ पिता सँ मँगबह, से

ओ पूरा करथुन्ह । हम तोरा सभ कैं ई आदेश दैत छिअह, जे एक दोसर सँ प्रेम करह ।

संसारक दुश्मनी

१८-२५ "जँ संसार तोरा सभ सँ घृणा करैत अछि तँ मन राखह जे तोरा सभ सँ पहिनहि हमरा सँ घृणा कयने अछि । तोँ सभ जँ संसारक रहितह तँ ओ तोरा सभ सँ अपन लोक जकाँ प्रेम करितह । मुदा तोँ सभ संसारक नहि छह; हम तोरा सभ कैं संसार मे सँ चुनि लेने छिअह, और तैँ संसार तोरा सभ सँ घृणा करैत छह । जे बात हम तोरा सभ कैं कहलिअह, तकरा मन राखह, जे 'दास अपना मालिक सँ पैघ नहि होइत अछि ।' जँ ओ सभ हमरा सतौने अछि तँ तोरो सभ कैं सतौतह । जँ हमर बात मानने अछि तँ तोरो सभक मानतह । ओ सभ तोरा सभक संग एहन व्यवहार हमरा नामक कारणे करतह, किएक तँ ओ सभ तिनका नहि चिन्हैत छन्हि जे हमरा पठौलन्हि । जँ हम ओकरा सभ लग नहि आयल रहितहुँ आ ने बात कयने रहितिऐक तँ ओ सभ पापक दोषी नहि होइत । मुदा आब अपना पाप सँ बचबाक लेल ओकरा सभ कैं कोनो बहाना नहि छैक । जे हमरा सँ घृणा करैत अछि, से हमरा पितो सँ घृणा करैत अछि । जँ ओकरा सभक बीच हम ओ काज नहि कयने रहितहुँ जे आओर केओ नहि कयलक, तँ ओ सभ पापक दोषी नहि होइत, मुदा आब ओ सभ हमरा और हमरा पिता दुनू कैं देखनो अछि आ घृणो कयने अछि । मुदा ई एहि लेल भेल जे ओकरा सभक धर्मनियम मे लिखल ई कथन पूरा होअय जे, 'ओ सभ हमरा सँ बिनु कारणे घृणा कयलक ।'

२६-२७"जखन सहायक औथुन्ह, जिनका हम पिताक ओहिठाम सँ पठा देबह, अर्थात् सत्यक आत्मा, जे पिता मे सँ निकलैत छथि, तखन ओ हमरा बारे मे गवाही देताह, और तोँहू सभ हमर गवाह छह, किएक तँ शुरूए सँ हमरा संग छह।

१६ १-४"ई सभ बात हम तोरा सभ कँ एहि लेल कहि दैत छिअह जे तोँ सभ भुतिया नहि जाह। ओ सभ तोरा सभ कँ सभा घर सँ बारि देतह; हँ, समय आबि रहल अछि जे, जे तोरा सभ कँ जान सँ मारि देतह से बुझत जे ओ परमेश्वरक धर्म-कर्म कऽ रहल अछि। ई काज ओ सभ एहि लेल करत जे ओ सभ ने हमरा आ ने हमरा पिता कँ कहियो चिन्हने अछि। मुदा ई सभ बात हम तोरा सभ कँ कहि दैत छिअह जाहि सँ जखन ओ समय आओत तखन तोँ सभ मन रखबह जे हम एहि विषय मे कहि देने छिअह।

पवित्र आत्माक काज

४-११"ई बात सभ हम शुरू सँ नहि कहलिअह, कारण हम तोरा सभक संग छलिअह। मुदा आब हम तिनका लग जा रहल छी जे हमरा पठौलन्हि, तैयो तोरा सभ मे सँ केओ नहि हमरा सँ पुछैत अछि जे, अहाँ कतऽ जा रहल छी। वल्कि हमर एहि कथनक कारणे तोहर सभक मन शोक सँ भरि गेल छह। मुदा हम सत्ये कहैत छिअह जे ई तोरा सभक हितक लेल छह जे हम जा रहल छी, किएक तँ जँ हम नहि जायब तँ सहायक नहि औथुन्ह, लेकिन जँ हम जायब तँ हम हुनका तोरा सभ लग पठा देबन्हि। ओ जखन औताह तँ पाप, धार्मिकता आ न्यायक

विषय मे संसारक दोष सिद्ध करथिन्ह। ओकर दोष पापक विषय मे एहि लेल सिद्ध हयतैक, जे ओ सभ हमरा पर विश्वास नहि करैत अछि; धार्मिकताक विषय मे एहि लेल जे हम पिता लग जा रहल छी आ तोँ सभ हमरा फेर नहि देखबह; और न्यायक विषय मे एहि लेल जे एहि संसारक शासक दोषी ठहरि गेल अछि।

१२-१५ "हमरा तोरा सभ कँ आओर बहुत किछु कहबाक अछि, मुदा एखन तोँ सभ ओकरा नहि सहि सकैत छह। सत्यक आत्मा जखन औथुन्ह तखन ओ तोरा सभ कँ पूर्ण सत्य बुझौथुन्ह, कारण ओ अपना तरफ सँ नहि बजताह, वल्कि जे ओ सुनताह सैह बजताह, और भविष्य मे होबऽ वला बात तोरा सभ कँ कहि देथुन्ह। ओ हमर महिमा प्रगट करताह कारण जतेक बात ओ तोरा सभ कँ कहथुन्ह, से हमरा सँ लऽ लेने रहताह। जे किछु पिताक छन्हि, से सभ हमर अछि; एहि कारणे हम कहलिअह जे, आत्मा जतेक तोरा सभ कँ कहथुन्ह से हमरा सँ लऽ लेने रहताह।

"दुःख सुख मे बदलि जयतह"

१६ "आब कनेक काल मे तोँ सभ हमरा नहि देखबह, तखन फेर कनेक कालक बाद हमरा देखबह।"

१७-१८ एहि पर हुनकर किछु शिष्य एक दोसर सँ कहऽ लागल, "हुनकर एहि कथनक की अर्थ भेल जे 'कनेक काल मे तोँ सभ हमरा नहि देखबह', और, 'तखन तकरा कनेक कालक बाद हमरा फेर देखबह', और एकर जे, 'कारण हम पिता लग

जा रहल छी'?" ओ सभ कहऽ लागल, "हुनकर एहि 'कनेक कालक' की कहबाक मतलब छन्हि? हम सभ नहि बूझि पबैत छी जे ओ की कहि रहल छथि।"

१९-२३ यीशु जनैत छलाह जे ओ सभ हुनका सँ पुछऽ चाहैत छल, तँ ओ ओकरा सभ कँ कहलथिन्ह, "की तोँ सभ एक दोसर सँ पूछि रहल छह जे हमर की कहबाक अर्थ छल, जखन हम कहलिअह जे, कनेक काल मे तोँ सभ हमरा नहि देखबह, और, तखन तकरा कनेक कालक बाद हमरा फेर देखबह? हम तोरा सभ कँ सत्ये कहैत छिअह जे तोँ सभ कन्ना-रोहटि आ विलाप करबह जखन कि संसार आनन्द मनाओत; तोँ सभ शोक मनयबह, मुदा तोहर शोक आनन्द मे बदलि जयतह। जखन स्त्री बच्चा कँ जन्म दैत अछि तँ ओकरा दर्द होइत छैक, कारण ओकर समय आबि गेल रहैत छैक, मुदा जखन ओ बच्चा कँ जन्म दऽ दैत अछि तँ ओ एहि खुशी मे जे एक नव बच्चा संसार मे जन्म लेलक, अपना पीड़ा कँ बिसरि जाइत अछि। तहिना, तोँ सभ एखन शोक मनबैत छह, मुदा हम तोरा सभ कँ फेर देखबह आ तखन तोहर सभक मन आनन्द सँ भरि जयतह, और तोहर आनन्द केओ नहि तोरा सँ छिनतह। ओहि समय मे तोँ सभ हमरा सँ कोनो प्रश्न नहि पुछबह।

२३-२४ "हम तोरा सभ कँ विश्वास दिअबैत छिअह जे, जँ तोँ सभ पिता सँ किछु मँगबह तँ ओ तोरा सभ कँ हमरा नाम सँ देथुन्ह। एखन तक तोँ सभ हमरा नाम सँ नहि किछु मँगने छह; माँगह और तोँ सभ प्राप्त करबह, आ ताहि सँ तोहर सभक आनन्द पूर्ण भऽ जयतह।

२५-२८ "ई सभ बात हम तोरा सभ कें झाँपल भाषा मे कहि देने छिअह। मुदा समय आबि रहल अछि जखन हम झाँपल भाषा मे नहि बजबह, बल्कि पिताक विषय मे तोरा सभ कें स्पष्ट कहबह। ओहि समय मे तों सभ हमरा नाम सँ मँगबह; हम ई नहि कहैत छिअह जे हम तोरा सभक लेल पिता सँ माँगब। नहि, पिता अपने तोरा सभ सँ प्रेम करैत छथुन्ह, कारण तों सभ हमरा सँ प्रेम कयने छह आ विश्वास कयने छह जे हम पिता लग सँ अयलहुँ। हम पिता लग सँ निकलि संसार मे अयलहुँ, आब फेर संसार कें छोड़ि कऽ पिता लग जा रहल छी।"

२९-३० तखन हुनकर शिष्य सभ कहलकन्हि, "हँ, आब अहाँ स्पष्ट बाजि रहल छी, और झाँपल भाषा मे नहि। आब हम सभ जानि गेलहुँ जे अहाँ कें सभ किछु बुझल अछि और अहाँ कें इहो आवश्यकता नहि अछि जे केओ अहाँ लग अपन प्रश्न राखय। एहि कारणे हम सभ विश्वास करैत छी जे अहाँ परमेश्वर लग सँ आयल छी।"

३१-३२ यीशु बजलाह, "की आब विश्वास करैत छह? देखह! समय आबि रहल अछि, हँ, आबिओ गेलह, जखन तों सभ छिड़िआ जयबह; तों सभ अपन अपन घर भागि कऽ हमरा असगरे छोड़ि देबह। तैयो हम असगर नहि छी, कारण पिता हमरा संग छथि।

३३ हम तोरा सभ कें ई सभ बात कहि देने छिअह जाहि सँ हमरा मे तोरा सभ कें शान्ति भेटतह। संसार मे तोरा सभ पर सँकट औतह, मुदा साहस राखह—हम संसार पर विजयी भऽ गेल छी।"

अपना लेल यीशुक प्रार्थना

१७ १-३ यीशु ई सभ बात कहि स्वर्ग दिस ताकि कऽ कहलन्हि, "हे पिता ! समय आबि गेल अछि। अपन पुत्रक महिमा प्रगट करह जाहि सँ पुत्र तोहर महिमा प्रगट करय। किएक तँ तोँ ओकरा सम्पूर्ण मानव-जातिक ऊपर अधिकार देने छहक जे, जकरा तोँ ओकरा देने छहक, तकरा सभ कैँ ओ अनन्त जीवन देअय। अनन्त जीवन ई अछि :—तोरा, एकमात्र सत्य परमेश्वर कैँ, और यीशु मसीह कैँ चिन्हनाइ, जकरा तोँ पठौलह।

४-५ "जे काज तोँ हमरा करबाक लेल देने छलह, से पूरा कऽ कऽ पृथ्वी पर तोहर महिमा प्रगट कयलिअह। आब, हे पिता, अपना ओहिठाम हमरा ओहि महिमा सँ परिपूर्ण करह, जे महिमा संसारक सृष्टि सँ पहिनहि तोरा लग हमर छल।

शिष्य सभक लेल प्रार्थना

६-८ "हम ओहि मनुष्य सभ कैँ, जकरा तोँ संसार मे सँ हमरा देलह, तकरा सभ कैँ हम तोरा चिन्हा देने छिऐक। ई सभ तोरे छलह; तोँ एकरा सभ कैँ हमरा देलह, और ई सभ तोहर वचन मानने अछि। आब ई सभ जानि गेल अछि जे, जे किछु तोँ हमरा देने छह से वास्तव मे तोरे सँ भेटल अछि। कारण, जे तोँ हमरा सिखौलह, से हम एकरा सभ कैँ सिखौने छी, और ई सभ ओहि शिक्षा कैँ स्वीकार कयने अछि, और पूर्ण रूप सँ

जानि गेल अछि जे हम तोरा लग सँ आयल छी । आब एकरा सभ कँ विश्वास भऽ गेलैक जे तोँ हमरा पठौने छह ।

९-१२ "हम एकरा सभक लेल प्रार्थना कऽ रहल छिअह । संसारक लेल प्रार्थना नहि कऽ रहल छिअह वल्कि तकरा सभक लेल जकरा तोँ हमरा देने छह, किएक तँ ओ सभ तोहर छह । हमर जे सभ अछि, से तोहर छह, और तोहर जे सभ छह, से हमर अछि । और एकरा सभ मे हमर महिमा प्रगट भेल अछि । आब हम संसार मे नहि रहब, मुदा ई सभ संसार मे रहत, और हम तोरा लग आबि रहल छिअह । हे पवित्र पिता, अपन नामक शक्ति द्वारा, जे नाम तोँ हमरा देलह, ताहि द्वारा एकरा सभ कँ सुरक्षित राखह जाहि सँ ई सभ एक रहय, जेना हम सभ एक छी । जा धरि हम एकरा सभक संग छलहुँ ता धरि हम एकरा सभ कँ सुरक्षित रखलहुँ और ओहि नाम द्वारा, जे तोँ हमरा देलह, हम एकरा सभक रक्षा कयलहुँ । और 'विनाशक पुत्र' कँ छोड़ि ओकरा सभ मे सँ केओ नाश नहि भेल, जाहि सँ धर्मशास्त्रक लेख पूरा होअय ।

१३-१९ "आब हम तोरा लग आबि रहल छिअह, मुदा ई बात हम संसार मे रहिते कहैत छिऐक, जाहि सँ हमर आनन्द एकरा सभक मन मे पूर्ण होइक । हम एकरा सभ कँ तोहर वचन देने छिऐक, और संसार एकरा सभ सँ घृणा करैत छैक, कारण ई सभ संसारक सन्तान नहि अछि, जेना हमहूँ नहि छी । हम ई प्रार्थना नहि करैत छिअह जे तोँ एकरा सभ कँ संसार मे सँ उठा लहक, वल्कि ई जे एकरा सभ कँ दुष्ट सँ बचा कऽ राखह । ई सभ संसारक सन्तान नहि अछि, जेना हमहूँ नहि छी । एकरा सभ कँ सत्य द्वारा अपना लेल पवित्र कऽ लैह—सत्य तोहर

वचन अछि । जेना तौँ हमरा संसार मे पठा देलह, तहिना हम एकरा सभ कैँ संसार मे पठा देने छी । एकरा सभक लेल हम अपना कैँ अर्पित करैत छिअह जाहि सँ इहो सभ सत्य द्वारा अर्पित कयल जाय ।

सभ विश्वासीक लेल प्रार्थना

२०-२३ "हम मात्र एकरे सभक लेल प्रार्थना नहि करैत छी वल्कि ओकरो सभक लेल जे एकरा सभक गवाही द्वारा हमरा पर विश्वास करत । हमर प्रार्थना ई अछि जे ओ सभ एक होअय । हे पिता, जेना तौँ हमरा मे छह और हम तोरा मे छिअह तहिना ओहो सभ हमरा सभ मे रहय, जाहि सँ संसार विश्वास करत जे तौँही हमरा पठौने छह । जे महिमा तौँ हमरा देलह से हम ओकरा सभ कैँ दऽ देने छिऐक, जाहि सँ ओ सभ एक होअय, जेना हम सभ एक छी — हँ, हम ओकरा सभ मे और तौँ हमरा मे, जाहि सँ ओ सभ पूर्ण एकता मे सिद्ध भऽ जाय । तखन संसार जानि जायत जे तौँ हमरा पठौलह तथा ओकरा सभ सँ ओतेक प्रेम रखने छहक जतेक हमरा सँ रखने छह ।

२४ "हे पिता, हम चाहैत छी जे, जकरा तौँ हमरा देने छह, से सभ हमरा संग ओतऽ रहय जतऽ हम रहब और हम चाहैत छी जे ओ सभ हमर ओहि महिमा कैँ देखय जे तौँ हमरा एहि लेल देने छह कि तौँ संसारक सृष्टि सँ पहिनहि हमरा सँ प्रेम कयलह ।

२५-२६ "हे धर्ममय न्यायी पिता ! संसार तोरा नहि चिन्हैत छह मुदा हम तोरा चिन्हैत छिअह, और ई सभ आब जनैत अछि जे तौँ हमरा पठौने छह । हम एकरा सभ कैँ तोरा चिन्हा देने छिऐक तथा तोरा चिन्हबैत रहबैक जाहि सँ ओ प्रेम जे तौँ हमरा

सँ करैत छह से एकरा सभ मे रहत और हम एकरा सभ मे रहबैक ।"

यीशु कैँ पकड़ि लेलकन्हि

१८ [१-३]ई सभ बात कहलाक बाद यीशु अपना शिष्य सभक संग बिदा भेलाह और किद्रोन नामक बरसाती नदी कैँ पार कयलन्हि । ओहि पार एक गाछी छल, जाहि मे ओ अपना शिष्य सभक संग गेलाह । हुनका पकड़बाबऽ वला, यहूदा, ई जगह जनैत छल, किएक तँ यीशु बहुत बेर अपना शिष्य सभक संग ओहिठाम जाइत छलाह । तँ सेनाक फौज कैँ, और मुख्यपुरोहित आ फारिसी सभक दिस सँ उपलब्ध कराओल गेल सिपाही सभ कैँ लऽ कऽ, यहूदा ओहि गाछी मे आयल । संग मे सभ केओ लालटेम, मशाल, और भाला-गड़ाँस रखने छल ।

[४]यीशु ई जनैत जे हुनका संग की सभ घटत, आगाँ बढ़ि कऽ ओकरा सभ सँ पुछलथिन्ह, "अहाँ सभ ककरा ताकि रहल छी ?"

[५]ओ सभ उत्तर देलकन्हि, "नासरत निवासी यीशु कैँ ।"

[५-६]यीशु कहलथिन्ह, "ओ हमहीं छी ।" (हुनका पकड़बाबऽ वला, यहूदा, ओतऽ ओकरा सभक संग ठाढ़ छल ।) जखने यीशु कहलथिन्ह जे, ओ हमहीं छी, ओ सभ पाछाँ हटि कऽ जमीन पर खसि पड़ल ।

[७-९]तँ यीशु फेर पुछलथिन्ह, "ककरा ताकि रहल छी ?" और ओ सभ कहलकन्हि, "नासरत निवासी यीशु कैँ ।" यीशु

बजलाह, "हम अहाँ सभ कैँ कहिए देने छी जे, ओ हमहीं छी। हमरा जँ ताकि रहल छी तँ एकरा सभ कैँ जाय दिऔक।" (ई एहि लेल भेल जे हुनकर ई कहल वचन पूरा होअय जे, तोँ जकरा सभ कैँ हमरा देलह, तकरा सभ मे सँ हम एकोटा कैँ नाश नहि होबऽ देलहुँ।)

१०-११ तखन सिमोन पत्रुस, जकरा लग तरूआरि छलैक, से तरूआरि खिँचि कऽ महापुरोहितक नोकर पर चला कऽ दहिना कान उड़ा देलकैक। (नोकरक नाम मलकुस छल।) यीशु पत्रुस कैँ कहलथिन्ह, "तोँ अपन तरूआरि म्यान मे राखि लैह! की हम ओहि कटोरा कैँ नहि पीबू जे पिता हमरा देने छथि?"

१२-१४ तखन सेनाक फौज और ओकर कप्तान तथा यहूदी सभक सिपाही सभ यीशु कैँ पकड़लकन्हि और हुनका बान्हि लेलकन्हि। पहिने हुनका हन्ना लग लऽ गेलन्हि, किएक तँ हन्ना ओहि वर्षक महापुरोहित काइफसक ससुर छलाह। काइफस वैह छथि जे यहूदी सभ कैँ सल्लाह देने छलाह, जे जनताक लेल एक व्यक्तिक मरनाइ नीक होइत।

पत्रुस अस्वीकार कयलक

१५-१६ सिमोन पत्रुस आ एक आरो शिष्य यीशुक पाछाँ-पाछाँ गेल। ई शिष्य महापुरोहित सँ परिचित होयबाक कारणे यीशुक संग सोझे आङन मे चल गेल। मुदा पत्रुस दुआरिक बाहरे ठाढ़ रहल। तखन ओ शिष्य जे महापुरोहित सँ परिचित

छल, से फेर आबि द्वारपालिका सँ बात कऽ कऽ पत्रुस कँ भीतर लऽ आयल।

१७-१८ द्वारपालिका पत्रुस कँ पुछलकैक, "कहीं अहूँ ओहि आदमीक शिष्य तँ नहि छी?" ओ कहलकैक, "हम नहि छी।" जाड़क मास छल, और नोकर आ सिपाही सभ कोइलाक घूर बना चारू कात ठाढ़ भऽ कऽ आगि तपैत छल। पत्रुसो ओकरा सभक संग आगि तपैत ठाढ़ छल।

महापुरोहित द्वारा पूछताछ

१९-२१ एहि बीच महापुरोहित यीशु सँ हुनकर शिष्य सभक बारे मे और सिद्धान्तक विषय मे पूछताछ कयलथिन्ह। यीशु हुनका उत्तर देलथिन्ह, "हम तँ खुलल रूपें सभ सँ बात कयने छी; हम सदिखन सभा घर सभ मे और मन्दिर मे जाहिठाम सभ यहूदी जुटि जाइत अछि शिक्षा दैत रहलहुँ। हम गुप्त रूप सँ किछु नहि कहलहुँ। हमरा किएक पुछैत छी? जे हमर बात सुनने अछि, तकरा सभ सँ पूछि लिऔक जे हम की शिक्षा देलहुँ। ओ सभ जनैत अछि जे हम की कहलहुँ।"

२२-२३ हुनकर ई कहला पर, लग मे ठाढ़ एक सिपाही हुनका एक चमेटा मारलकन्हि और कहलकन्हि, "महापुरोहित कँ तों एहि प्रकारें उत्तर दैत छहुन्ह?" यीशु बजलाह, "जँ हम अनुचित बाजल छी, तँ तकर प्रमाण दिअ; मुदा जँ हम ठीक कहने छी तँ हमरा किएक मारैत छी?"

२४ तखन हन्ना यीशु कँ बान्हले महापुरोहित काइफस लग पठा देलथिन्ह।

पत्रुस पुन: अस्वीकार कयलक

२५ एम्हर सिमोन पत्रुस आगि तपैत ठाढ़ छल । तँ लोक सभ ओकरा पुछलकैक, "की अहूँ ओकरे शिष्य सभ मे सँ नहि छी ?" ओ अस्वीकार करैत बाजल, "हम नहि छी ।"

२६-२७ महापुरोहितक एकटा नोकर, जे ओहि आदमीक सम्बन्धी छल जकरा पत्रुस कान काटि देने छल, ओकरा सँ पुछलकैक, "की हम अहाँ कैँ ओकरा संग गाछी मे नहि देखने छलहुँ ?" पत्रुस फेर अस्वीकार कयलक, और तुरत मूर्गा बाजल ।

रोमी राज्यपाल पिलातुसक समक्ष यीशु

२८-२९ तखन यीशु कैँ काइफसक ओहिठाम सँ राज्यपालक भवन लऽ गेलन्हि । आब भोर भऽ गेल छल, और एहि डरे जे छुआ जायब आ फसह-भोज नहि खा सकब, यहूदी सभ अपने राजभवन मे नहि पैसल । तैँ पिलातुस ओकरा सभ लग बाहर अयलाह और पुछलथिन्ह, "एहि व्यक्ति पर की दोष लगबैत छी ?"

३०-३१ ओ सभ उत्तर देलक, "ओ जँ अपराधी नहि रहैत तँ हम सभ ओकरा अहाँ कैँ नहि सौंपितहुँ !" पिलातुस कहलथिन्ह, "अहीं सभ ओकरा लऽ जा कऽ अपन धर्मनियमक अनुसार ओकर न्याय करिऔक ।"

३१-३२ यहूदी सभ उत्तर देलक, "ककरो मृत्युदण्ड देनाइ हमरा सभक अधिकार मे नहि अछि ।" ई एहि लेल भेल जे

यीशुक कहल बात पूरा होअय जाहि द्वारा ओ संकेत देने रहथि जे हुनकर मृत्यु कोन तरहें हयतन्हि ।

३३-३४ तखन पिलातुस राजभवन मे फेर गेलाह और यीशु कैं अपना सामने मे बजा कऽ पुछलथिन्ह, "की यहूदी सभक राजा अहीं छी ?" यीशु उत्तर देलथिन्ह, "की ई बात अहाँ अपना दिस सँ पूछि रहल छी, वा दोसर लोक हमरा बारे मे कहने अछि ?"

३५ पिलातुस बजलाह, "की हम यहूदी छी ? अहींक लोक और अहींक मुख्यपुरोहित अहाँ कैं हमरा हाथ मे सौंपि देने अछि । अहाँ की कयने छी ?"

३६ यीशु कहलथिन्ह, "हमर राज्य एहि संसारक नहि अछि । जँ हमर राज्य एहि संसारक रहैत तँ हमर सेवक लड़ैत जाहि सँ हम यहूदी सभक हाथ नहि पड़ितहुँ । मुदा नहि ! हमर राज्य एहि संसारक नहि अछि !"



३७ तखन पिलातुस बजलाह, "तखन राजा तँ छी?" यीशु उत्तर देलथिन्ह, "से अहीं कहि रहल छी। हम एहि लेल जन्म लेलहुँ और संसार मे अयलहुँ जे हम सत्यक गवाही दी, और जे सभ सत्यक पक्ष मे अछि से सभ हमर बात सुनैत अछि।"

३८-४० पिलातुस बजलाह, "सत्य अछि की?" आ फेर यहूदी सभ लग बाहर अयलाह और ओकरा सभ कँ कहलथिन्ह, "ओकरा मे हम दोष लगयबाक कोनो आधार नहि पबैत छी। लेकिन अहाँ सभक एक प्रथा अछि जे फसह-पावनि पर हम अहाँ सभक लेल एक कैदी कँ छोड़ैत छी। तँ की अहाँ सभ चाहैत छी जे हम अहाँ सभक लेल 'यहूदी सभक राजा' कँ छोड़ि दी?" एहि पर ओ सभ जोर-जोर सँ हल्ला कऽ कऽ कहऽ लागल, "नहि! एकरा नहि! बरब्बा कँ!" (बरब्बा एक क्रान्तिकारी छल।)

यीशु कँ मृत्युदण्ड

१९ १-३ तखन पिलातुस यीशु कँ लऽ जा कऽ हुनका कोड़ा लगबौलन्हि। सिपाही सभ काँटक मुकुट बना कऽ यीशुक माथ पर राखि देलकन्हि, और हुनका राजा सनक बैगिनी वस्त्र पहिरा कऽ ई कहैत हुनका लग अबैत रहल जे, "यहूदी सभक राजा प्रणाम!" और हुनका चमेटा मारलकन्हि।

४-५ पिलातुस फेर बाहर आबि कऽ यहूदी सभ कँ कहलथिन्ह, "देखू! हम एकरा अहाँ सभ लग बाहर आनि रहल छिऐक जाहि सँ अहाँ सभ जानि लेब जे हम एकरा मे दोष लगयबाक कोनो आधार नहि पबैत छी!" तखन यीशु ओ

बैगिनी वस्त्र और काँटक मुकुट पहिरने बाहर अयलाह। पिलातुस ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, "देखू, यैह मनुष्य अछि!"

[६] मुदा हुनका देखितहि मुख्यपुरोहित और ओकरा सभक सिपाही जोर-जोर सँ हल्ला कयलक, "क्रूस पर चढ़ाउ! क्रूस पर चढ़ाउ!"

पिलातुस ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, "अहीं सभ एकरा लऽ जाउ और क्रूस पर चढ़ाउ! कारण हम एकरा मे दोष लगयबाक कोनो आधार नहि पबैत छी।"

[७] यहूदी सभ हुनका उत्तर देलकन्हि, "हमरा सभक एक नियम अछि, और ओहि अनुसार एकरा मृत्युदण्ड भेटबाक चाही, कारण ओ अपना कैँ परमेश्वरक पुत्र कहने अछि।"

[८-१०] पिलातुस जखन ई शब्द सुनलन्हि तखन आओर डेरा गेलाह। राजभवन मे फेर जा कऽ यीशु सँ पुछलथिन्ह, "अहाँ कतऽक छी?" मुदा यीशु कोनो उत्तर नहि देलथिन्ह। तँ पिलातुस कहलथिन्ह, "की अहाँ हमरा सँ नहि बाजब? की अहाँ नहि जनैत छी जे अहाँ कैँ छोड़ि देबाक और क्रूस पर चढ़यबाक सेहो हमर अधिकार अछि?"

[११] यीशु बजलाह, "अहाँ कैँ हमरा पर कोनो अधिकार नहि रहैत जँ अहाँ कैँ ऊपर सँ नहि देल गेल रहैत। एहि कारणे, जे हमरा अहाँक हाथ सौंपि देलक, से आओर दोषी अछि।"

[१२] ई सुनला पर, पिलातुस हुनका छोड़ि देबाक कोशिश कयलन्हि, मुदा यहूदी सभ हल्ला करैत छल जे, "जँ एकरा छोड़ब तँ अहाँ कैसर-सम्राटक मित्र नहि भेलहुँ! जे केओ अपना कैँ राजा कहैत अछि से कैसरक विरोधी अछि।"

१३-१४ पिलातुस ई बात सुनि कऽ, यीशु कैँ बाहर अनबौलथिन्ह और ओहि स्थान पर, जे "पाथरक चबुतरा" आ यहूदी सभक भाषा मे "गबथा" कहबैत अछि, न्याय आसन पर बैस गेलाह। ई फसह-पावनिक तैयारीक दिन छल, और दुपहरिआक समय छल। पिलातुस यहूदी सभ कैँ कहलथिन्ह, "लिअ! देखू, अहाँ सभक राजा!"

१५ मुदा ओ सभ जोर-जोर सँ हल्ला कयलक, "एकरा लऽ जाउ! लऽ जाउ! एकरा क्रूस पर चढ़ाउ!" पिलातुस ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, "की हम अहाँ सभक राजा कैँ क्रूस पर चढ़ाउ?"

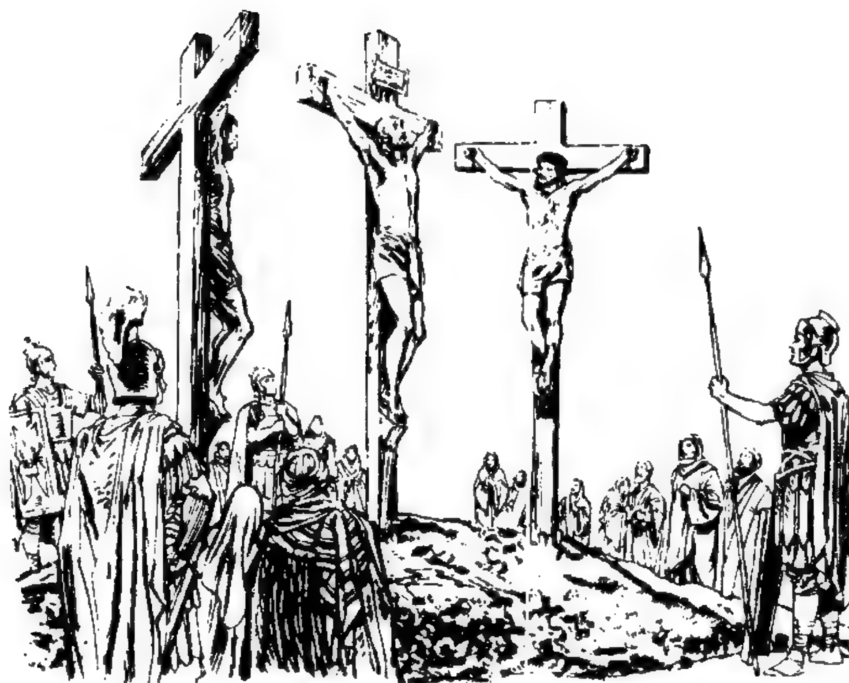
मुख्यपुरोहित सभ उत्तर देलकन्हि, "कैसर कैँ छोड़ि हमरा सभक आओर कोनो राजा नहि अछि!"

१६ तँ आखिर मे पिलातुस क्रूस पर चढ़यबाक लेल ओकरा सभक हाथ हुनका सौंपि देलथिन्ह।

क्रूस

१७-१८ तँ ओ सभ यीशु कैँ अपना जिम्मा मे लेलकन्हि। क्रूस कैँ अपने सँ ढो कऽ यीशु बाहर ओहि जगह पर गेलाह जे "खोपड़ीक जगह" (और यहूदी सभक भाषा मे "गलगता") कहबैत अछि। ओहिठाम हुनका क्रूस पर चढ़ौलकन्हि, और हुनका संगे-संग दूटा आरो कैँ सेहो, एक कैँ एहि कात आ दोसर कैँ ओहि कात, आ बीच मे यीशु कैँ।

१९-२२ पिलातुस एक सूचना क्रूस पर लगबा देलन्हि, जाहि पर लिखल छलैक, "नासरत निवासी यीशु, यहूदी सभक राजा"। एहि सूचना कैँ बहुत यहूदी पढ़लक, किएक तँ जाहि



स्थान पर यीशु क्रूस पर चढ़ाओल गेलाह से शहरक नजदीक छल, और सूचना इब्रानी, लतीनी, और युनानी भाषा मे लिखल छल । तखन यहूदी सभक मुख्यपुरोहित सभ पिलातुस कैँ कहलकन्हि, "'यहूदी सभक राजा' नहि लिखू ! ई लिखू जे, 'एकर कथन छल जे हम यहूदी सभक राजा छी' ।" पिलातुस उत्तर देलथिन्ह, "हम जे लिखि देलहुँ से लिखि देलहुँ ।"

२३-२४ सैनिक सभ यीशु कैँ क्रूस पर चढ़ौलाक उत्तर हुनकर कपड़ा लऽ चारि भाग मे बाँटि लेलक; प्रत्येक सैनिकक लेल एक भाग । हुनकर कुरतो लेलक, लेकिन कुरता बिना सिअनक ऊपर सँ नीचा तक बुनल छल । तैँ ओ सभ एक दोसर कैँ कहलक, "एहि कैँ नहि फाड़ी; पुर्जा खसा कऽ देखी जे ई ककर हयतैक ।" ई एहि लेल भेल जे धर्मशास्त्रक लेख पूरा होअय : "ओ सभ हमर कपड़ा अपना मे बाँटि लेलक और हमर वस्त्रक लेल पुर्जा खसौलक ।" और एहिना सैनिक सभ करबो कयलक ।

२५-२७यीशुक क्रूस लग हुनकर माय, मौसी, कलोपासक स्त्री मरियम, और मरियम मगदलीनी ठाढ़ छल। यीशु जखन अपना माय कँ और ओहि शिष्य कँ, जकरा सँ ओ स्नेह करैत छलाह, लग मे ठाढ़ देखलथिन्ह तखन अपना माय कँ कहलथिन्ह, "ई तोहर पुत्र छह," और शिष्य कँ कहलथिन्ह, "ई तोहर माय छथुन्ह।" ओही समय सँ ओ शिष्य ओकरा अपना घर लऽ गेलाह।

यीशुक मृत्यु

२८-३०बाद मे यीशु ई जानि जे आब सभ किछु पूर्ण भऽ गेल, धर्मशास्त्रक लेख पूरा करैत कहलन्हि, "हमरा पियास लागल अछि।" ओहिठाम ठर्रा दारू सँ भरल एक वासन राखल छल; तँ ओ सभ एक स्पंज ओहि मे डुबा कऽ जूफेक ठाढ़ि पर घोंपि कऽ हुनका मुँह लग देलकन्हि। यीशु ओ लऽ लेलन्हि आ कहलन्हि, "पूर्ण भेल," और सीर निहुरा कऽ प्राण त्यागि देलन्हि।

३१-३७ई फसह-पावनिक तैयारीक दिन छल, आ दोसरे दिन महा विश्राम-दिन होबऽ वला छल, और तँ, जाहि सँ विश्राम-दिन मे लास क्रूस पर टाँगल नहि रहय, ई सोचि यहूदी सभ पिलातुस सँ विनती कयलकन्हि जे अपराधी सभ कँ टाँग तोड़ि कऽ मारि देल जाय, आ लास क्रूस पर सँ उतारि लेल जाय। तँ सैनिक सभ आबि कऽ यीशुक संग क्रूस पर चढ़ाओल पहिल आदमीक टाँग तोड़ि देलकैक, तखन दोसरो कँ। मुदा जखन यीशु लग आबि कऽ देखलक जे ओ मरिए गेल छथि, तँ हुनकर टाँग नहि तोड़लकन्हि। मुदा एक सैनिक हुनका पाँजर मे

भाला भोंकलकन्हि, और तुरत शोणित आ पानि बहऽ लागल। जे ई घटना देखलक, से एकर गवाही देने अछि, और ओकर गवाही पकिआ अछि। ओ जनैत अछि जे ओ सत्य बाजि रहल अछि, और ओ गवाही दैत अछि जाहि सँ अहूँ सभ विश्‍वास करब। कारण ई सभ बात एहि लेल भेल जाहि सँ धर्मशास्त्रक लेख पूरा होअय : "हुनकर कोनो हड्डी नहि तोड़ल जयतन्हि", और जेना शास्त्रक दोसर कथन अछि, "ओ सभ तिनका दिस तकतन्हि, जिनका भोंकने अछि।"

कब्बर मे राखल गेलाह

३८-४२ एहि सभक बाद, अरमतियाह नगरक युसुफ पिलातुस सँ यीशुक लास मँगलन्हि। युसुफ यीशुक एक शिष्य छलाह, मुदा गुप्त रूप सँ, कारण ओ यहूदी सभ सँ डेराइत छलाह। ओ पिलातुस सँ आज्ञा माँगि, आबि कऽ यीशुक लास उतारि कऽ लऽ गेलाह। संग मे निकोदीमुस सेहो, जे शुरू मे रातुक समय यीशु लग आयल छलाह, लग-भग तैंतीस किलो गन्धरस और मुसब्बरक मिश्रण लऽ कऽ अयलाह। ओ सभ यीशुक लास लऽ जा कऽ, यहूदी सभक गाड़बाक प्रथाक अनुसार, सुगन्धित द्रव्य सहित मलमलक पट्टी सँ लपेटलन्हि। जाहिठाम यीशु कें क्रूस पर चढ़ाओल गेल छलन्हि, ताहिठाम लग मे एक बागिचा छल; ओहि मे एक नव कब्बर बनाओल छल जाहि मे कहियो कोनो लास नहि राखल गेल छल। तँ यहूदी सभक तैयारीक दिन होयबाक कारणे, और कब्बर लग मे रहबाक कारणे ओ सभ यीशु कें ओहि मे रखलथिन्ह।



कब्बर खाली छल !

२० [1-2] सप्ताहक पहिल दिन भोरे अन्हरोखे मरियम मगदलीनी कब्बर पर आयल और देखलक जे कब्बरक मुँह पर सँ पाथर हटाओल गेल अछि । ई देखि ओ दौड़ैत-दौड़ैत सिमोन पत्रुस और ओहि दोसर शिष्य लग जकरा सँ यीशु स्नेह करैत छलाह, गेल और कहलक, "ओ सभ कब्बर मे सँ प्रभु कँ

उठा कऽ लऽ गेल छन्हि, और हम सभ नहि जनैत छी जे हुनका कतऽ रखने छन्हि!"

³⁻¹⁰ एहि पर पत्रुस और दोसर शिष्य कब्बर दिस बिदा भेल। दुनू संग-संग दौड़ल, मुदा दोसर शिष्य पत्रुस सँ आगाँ दौड़ि कऽ कब्बर पर पहिने पहुँचल। ओ निहुरि कऽ भीतर तकलक और ओतऽ पड़ल मलमलक पट्टी सभ देखलक, मुदा भीतर नहि गेल। तखन सिमोन पत्रुस ओकरा पाछाँ-पाछाँ पहुँचल, और कब्बर मे पैसल। ओ पट्टी सभ कैँ ओतऽ पड़ल देखलक, और ओहि गमछा कैँ सेहो, जाहि सँ यीशुक मूड़ी लपेटल छल। गमछा पट्टी सभक संग नहि, वल्कि हटले एक जगह चौपेतल राखल छल। तखन ओ दोसर शिष्य जे कब्बर पर पहिने पहुँचल छल, सेहो भीतर गेल। ओ देखलक और विश्वास कयलक। (एखनो तक ओ सभ तँ नहि बुझैत छल जे धर्मशास्त्रक कथनानुसार हुनकर मृत्यु मे सँ जीबि उठनाइ आवश्यक छल।) तखन ओ शिष्य सभ फेर अपन घर गेल।

मरियम कैँ यीशुक दर्शन

¹¹⁻¹³ मुदा मरियम कब्बरक बाहर कनिते ठाढ़ रहल। कनैत-कनैत ओ निहुरि कऽ कब्बर मे तकलक। ओ उज्जर वस्त्र पहिरने दू स्वर्गदूत कैँ ओहिठाम बैसल देखलक जाहिठाम यीशुक लास राखल गेल छल, एक सीरहान लग और दोसर पौथान लग। ओ सभ ओकरा सँ पुछलथिन्ह, "बहिन, तोँ किएक कनैत छह?" ओ उत्तर देलकन्हि, "ओ सभ हमरा प्रभु कैँ उठा कऽ लऽ गेल अछि, और हम नहि जनैत छी जे हुनका कतऽ रखने छन्हि।"

१४-१५ई कहि, ओ घूमल और लग मे ठाढ़ यीशु कैँ देखलक, मुदा ओ नहि चिन्हलक जे ई यीशु छथि। यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "बहिन, तोँ कनैत किएक छह? किनका खोजि रहल छहुन्ह?" ओ हुनका माली बूझि कऽ कहलक, "यौ मालीजी, अहीं जँ हुनका उठा कऽ लऽ गेल छियन्हि तँ हमरा कहू जे कतऽ रखने छियन्हि; हम जा कऽ हुनका लऽ जयबन्हि।"

१६-१८यीशु बजलाह, "मरियम!" ओ हुनका दिस घूरि कऽ यहूदी भाषा मे कहलकन्हि, "रब्बुनी!" (जकर अर्थ अछि 'गुरूजी!') यीशु कहलथिन्ह, "हमरा नहि पकड़ह! कारण हम एखन पिता लग ऊपर नहि गेल छी। आब हमर भाय सभक ओहिठाम जा कऽ कहि दहक जे, हम अपना पिता और तोरा सभक पिता, अपना परमेश्वर और तोरा सभक परमेश्वर लग ऊपर जा रहल छी।" मरियम मगदलीनी जा कऽ शिष्य सभ कैँ कहि देलक, "हम प्रभु कैँ देखने छी!" और ओ ओकरा सभ कैँ हुनकर कहल बात सुना देलकैक।

शिष्य सभ कैँ यीशुक दर्शन

१९-२०ओहि दिनक साँझ, अर्थात् सप्ताहक पहिल दिन, जखन शिष्य सभ यहूदी सभक डरे घरक केबार सभ बन्द कऽ कऽ एक संग बैसल छल, तखन यीशु आबि कऽ ओकरा सभक बीच ठाढ़ भेलाह और बजलाह, "तोरा सभ कैँ शान्ति भेटओ।" ई कहि कऽ ओ ओकरा सभ कैँ अपन हाथ और पाँजर देखा देलथिन्ह। प्रभु कैँ देखि शिष्य सभक आनन्दक कोनो सीमा नहि रहल।

[२१-२३]ओ ओकरा सभ कैँ फेर कहलथिन्ह, "तोरा सभ कैँ शान्ति भेटओ। जेना हमरा पिता पठौने छथि, तहिना हमहूँ तोरा सभ कैँ पठबैत छिअह।" ई कहि ओ ओकरा सभ पर फुकलथिन्ह और कहलथिन्ह, "पवित्र आत्मा कैँ लैह। जँ ककरो पाप माफ कऽ देबहक, तँ ओकर पाप माफ भेल; जँ ककरो पाप माफ नहि कऽ देबहक तँ ओकर पाप माफ नहि भेल।"

थोमा कैँ यीशुक दर्शन

[२४-२५]मुदा बारह शिष्य मे सँ एक, थोमा, जे "जौंआ" कहबैत अछि, से आरो शिष्य सभक संग ओहि समय नहि छल जखन यीशु आयल छलाह। जखन ओ सभ ओकरा कहऽ लगलैक, "हम सभ प्रभु कैँ देखने छी," तँ ओ कहलकैक, "जा धरि हम हुनका हाथ मे काँटीक चेन्ह देखि ओहि छेद मे अपन आँगुर नहि पैसायब आ हुनकर पाँजर मे अपन हाथ नहि धऽ लेब, ता धरि हम किन्नहुँ नहि विश्वास करब।"

[२६-२७]आठ दिनक बाद शिष्य सभ फेर घर मे छल, और थोमा सेहो संग छल। केबार सभ बन्द रहितो, यीशु अयलाह और ओकरा सभक मध्य ठाढ़ भऽ बजलाह, "तोरा सभ कैँ शान्ति भेटओ।" तखन थोमा कैँ कहलथिन्ह, "एहिठाम अपन आँगुर धऽ लैह, और हमर हाथ देखि लैह। अपन हाथ लाबह और हमरा पाँजर मे धऽ लैह। अविश्वासी नहि, विश्वासी बनह।"

[२८-२९]थोमा उत्तर देलकन्हि, "हे हमर प्रभु, हे हमर परमेश्वर!" यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "तोँ हमरा देखबाक

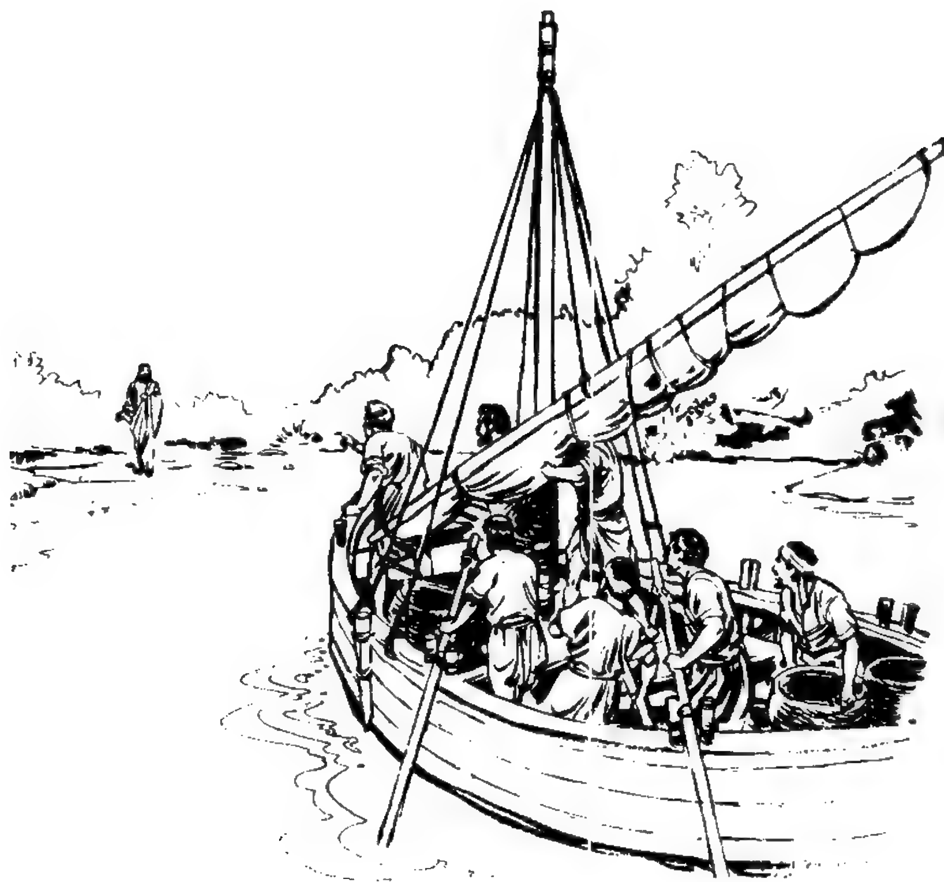
कारणे विश्वास करैत छह, धन्य अछि ओ सभ जे बिनु देखनहि विश्वास करैत अछि ।"

शुभ सन्देश लिखबाक प्रयोजन

३०-३१ यीशु आरो बहुत चमत्कारपूर्ण चिन्ह अपना शिष्य सभक समक्ष देखौलन्हि जे एहि पुस्तक मे नहि लिखल अछि । मुदा जे सभ लिखल अछि से एहि लेल जे अहाँ सभ विश्वास करी जे यीशु चुनल मसीह और परमेश्वरक पुत्र छथि, और जे विश्वास कयला सँ अहाँ सभ कँ हुनका द्वारा जीवन प्राप्त होअय ।

झीलक कात मे शिष्य सभ कँ दर्शन

२१ १-४ एकरा बाद, तिबिरियास झीलक [अर्थात् गलील झीलक] कात यीशु फेर शिष्य सभ कँ देखाइ देलन्हि जे एहि तरहें भेल : सिमोन पत्रुस, थोमा (जे "जौंआ" कहबैत अछि), गलीलक काना गामक नथनेल, जाबेदीक दू पुत्र, आ दूटा आओर शिष्य एक संग छल । सिमोन पत्रुस ओकरा सभ कँ कहलकैक, "हम माछ मारऽ जाइत छी ।" ओ सभ उत्तर देलकैक, "हमहूँ सभ चलैत छिअह ।" ओ सभ बाहर जा कऽ नाव मे चढ़ल, मुदा ओहि राति किछु नहि पकड़ि सकल । भोर होइतहि यीशु कछेड़ पर ठाढ़ छलाह, मुदा शिष्य सभ नहि चिन्हलकन्हि जे ई यीशु छथि ।



५-६ ओ ओकरा सभ कँ सोर पाड़ैत पुछलथिन्ह, "हौ बाउ सभ! की तोँ सभ नहि किछु पकड़ने छह?" ओ सभ उत्तर देलकन्हि, "नहि।" ओ कहलथिन्ह, "नावक दहिना कात जाल फेकह तँ बहुत भेटतह।" ओ सभ जाल फेकलक तँ ततेक माछ फँसलैक जे ओ सभ जाल नाव मे नहि खीचि सकैत छल।

७-१० तखन ओ शिष्य जकरा सँ यीशु स्नेह करैत छलाह, पत्रुस सँ कहलकैक, "ई तँ प्रभु छथि!" ई शब्द सुनितहि जे, ई प्रभु छथि, सिमोन पत्रुस अपन कपड़ा कसि लेलक (ओ ई कपड़ा खोलने रहैक), और झील मे कूदि पड़ल। मुदा बाँकी शिष्य सभ माछ सँ भरल जाल खीचैत, नाव मे आयल, किएक तँ कछेड़ सँ बेसी दूर नहि, लग-भग २०० हाथ छल। ओ सभ जखन कछेड़ पर आयल तखन देखलक जे कोइलाक आगि पर

माछ राखल अछि, और रोटी सेहो अछि। यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, "जे माछ तोँ सभ एखने पकड़लह, ओहि मे सँ किछु लाबह।"

११-१४ सिमोन पत्रुस नाव पर चढ़ि कऽ जाल कछेड़ पर खीचलक। जाल बड़का-बड़का माछ सँ भरल छल — सभ मिला कऽ एक सौ तीरपन, मुदा एतेक होइतो जाल नहि फाटल। यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन्ह, "आबह, जलखइ कऽ लैह।" शिष्य सभ मे सँ ककरो हुनका सँ ई पुछबाक साहस नहि भेलैक जे, अहाँ के छी? ओ सभ तँ जनैत छल जे ई प्रभु छथि। तखन यीशु अयलाह, आ रोटी लऽ कऽ ओकरा सभ कैँ देलथिन्ह, और तहिना माछो। ई आब तेसर बेर अछि जे यीशु मृतक मे सँ जिआओल गेलाक बाद शिष्य सभ कैँ देखाइ देलथिन्ह।

पत्रुसक लेल आदेश

१५ ओकरा सभक जलखइ कयलाक बाद यीशु सिमोन पत्रुस कैँ कहलथिन्ह, "सिमोन, युहन्नाक पुत्र, की तोँ एकरा सभ सँ बढ़ि कऽ हमरा सँ प्रेम करैत छह?" ओ उत्तर देलकन्हि, "हँ, प्रभु, अहाँ जनैत छी जे हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी।" यीशु कहलथिन्ह, "तँ हमर नव भेंड़ा कैँ चराबह।"

१६ फेर दोसर बेर यीशु पुछलथिन्ह, "सिमोन, युहन्नाक पुत्र, की तोँ वास्तव मे हमरा सँ प्रेम करैत छह?" ओ उत्तर देलकन्हि, "हँ, प्रभु, अहाँ तँ जनैत छी जे हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी।" यीशु बजलाह, "हमर भेंड़ाक देख-रेख करह।"

१७-१९ फेर तेसर बेर यीशु कहलथिन्ह, "सिमोन, युहन्नाक पुत्र, की तोँ हमरा सँ प्रेम करैत छह?" पत्रुस दुःखी भेल जे यीशु तेसर बेर पुछलन्हि जे, की तोँ हमरा सँ प्रेम करैत छह; ओ उत्तर देलकन्हि, "प्रभु, अहाँ तँ सभ किछु जनैत छी; अहाँ जनैत छी जे हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी।" यीशु ओकरा कहलथिन्ह, "हमर भेंड़ा केँ चराबह। हम तोरा सत्ये कहैत छिअह जे जखन तोँ जवान छलह, तखन तोँ अपन डाँड़ अपने कसि लैत छलह, आ जतऽ मन भेलह ततऽ जाइत छलह। मुदा जखन तोँ बूढ़ भऽ जयबह, तखन हाथ पसारबह और केओ दोसर तोहर डाँड़ बान्हि कऽ तोरा ततऽ लऽ जयतह जतऽ तोँ नहि जाय चाहबह।" (ओ ई बात एकर संकेत देबाक लेल कहलथिन्ह जे पत्रुस कोन तरहक मृत्यु द्वारा परमेश्वरक महिमा प्रगट करत।) तखन ओ ओकरा कहलथिन्ह, "हमरा पाछाँ चलह।"

२०-२१ पत्रुस घूमि कऽ देखलक जे ओहो शिष्य पाछाँ-पाछाँ अबैत अछि जकरा सँ यीशु स्नेह करैत छलाह, और जे भोजन करैत समय हुनका छाती लग ओठँगि कऽ हुनका सँ पुछने छल जे, प्रभु, ओ के अछि जे अहाँ केँ पकड़बाओत? पत्रुस ओकरा देखि कऽ यीशु सँ पुछलकन्हि, "प्रभु, एकरा की हयतैक?"

२२-२३ यीशु उत्तर देलथिन्ह, "जँ हम चाही जे जा धरि हम फेर नहि आयब ता धरि ओ जीबैत रहय, तँ एहि सँ तोरा की? तोँ हमरा पाछाँ चलह!" एहि कारणे भाय सभ मे ई कथन पसरि गेल जे ओ शिष्य नहि मरत। मुदा यीशु ई नहि कहने छलाह जे ओ नहि मरत; ओ मात्र ई कहने छलाह जे, जँ हम चाही जे जा धरि हम फेर नहि आयब, ता धरि ओ जीबैत रहय तँ एहि सँ तोरा की?

[24]और ओ शिष्य वैह अछि जे एहि सभ बातक गवाही दऽ रहल अछि और लिखने अछि। हम सभ जनैत छी जे ओकर गवाही सत्य अछि।

सारांश

[25]आओर बहुत काज अछि जे यीशु कयलन्हि। जँ ओकरा एककटा कऽ लिखल ज़ाइत तँ हम सोचैत छी जे, जे किताब सभ लिखल जाइत से सौंसे संसार मे नहि अँटैत।



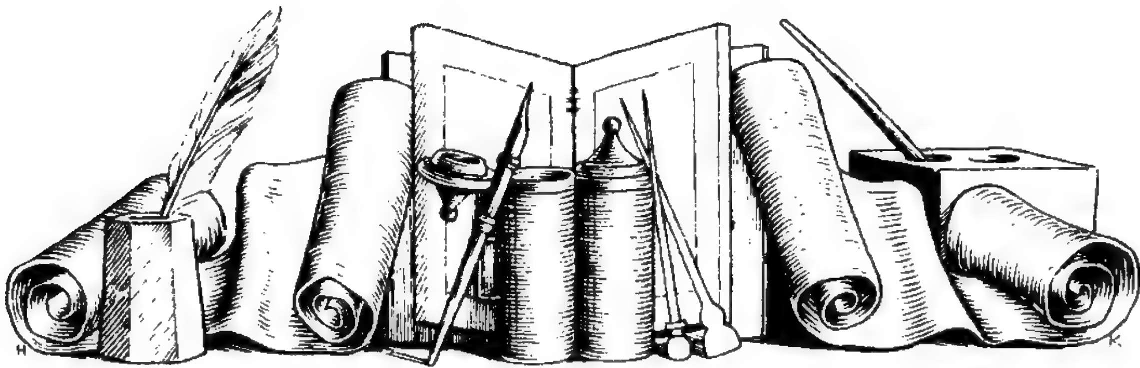


भाग ३

युहन्नाक प्रथम पत्र

जे युहन्ना एहि पोथीक दोसर भाग लिखलन्हि, वैह इहो भाग लिखलन्हि । एहि भाग मे एकटा छोट पत्र अछि, जे युहन्ना प्रभु यीशु मसीह पर किछु विश्वास कयनिहार कैँ पठा देलन्हि । ओ चाहैत छलाह जे ओ सभ ठीक सँ बुझथि जे परमेश्वरक सत्य की अछि, और ओहि सत्यक बाट पर कोना चलबाक अछि । पूर्ण विश्वास अछि जे प्रस्तुत पोथी एखनो पाठक कैँ सत्यक मार्ग-दर्शन करत ।

युहन्नाक प्रथम पत्र



जीवनक वचन

१ १-४जे शुरू सँ छल, जे हम सभ सुनने छी, जे हम सभ अपना आँखि सँ देखने छी, जे हम सभ ध्यान-पूर्बक देखने छी और हाथ सँ छुएने छी, अर्थात् ओ वचन जे जीवन अछि, से हमर सभक विषय अछि। ई जीवन प्रगट भऽ गेल; हम सभ एकरा देखलहुँ, और एकर गवाही दैत हम सभ अहाँ सभक समक्ष एहि जीवन कँ प्रस्तुत करैत छी जे अनन्त अछि, जे पिताक संग छल और जे हमरा सभक समक्ष देखार कयल गेल। हम सभ जे देखलहुँ आ सुनलहुँ, से अहाँ सभ कँ कहि रहल छी, जाहि सँ अहूँ सभ कँ हमरा सभक संग संगति होयत। हमर सभक संगति पिताक संग और हुनकर पुत्र यीशु मसीहक संग अछि। ई बात हम सभ एहि लेल लिखैत छी जाहि सँ हमर सभक आनन्द पूर्ण होअय।

इजोत मे चली

५-७ जे सम्बाद हम सभ हुनका सँ सुनलहुँ और अहाँ सभ कैँ सुनबैत छी से यैह अछि :—परमेश्वर इजोत छथि; हुनका मे एको रति अन्हार नहि छन्हि। जँ हम सभ कहैत छी जे हुनका संग हमर संगति अछि जखन कि अन्हारे मे चलि रहल छी तँ हम सभ झूठ बजैत छी और सत्यक आचरण नहि करैत छी। मुदा जँ इजोत मे चलैत छी, जेना ओ इजोत मे छथि, तँ हमरा सभ कैँ एक दोसरक संग संगति होइत अछि, और हुनकर पुत्र यीशुक शोणित हमरा सभ कैँ सभ पाप सँ शुद्ध करैत अछि।

८-१० जँ हम सभ कहैत छी जे हमरा मे कोनो पाप नहि अछि तँ हम सभ अपना कैँ ठकैत छी और सत्यक तीरस्कार करैत छी। मुदा जँ हम सभ अपन पाप कैँ मानि लेब तँ ओ जे विश्वासी और न्यायी छथि हमरा सभ कैँ पापक क्षमा करताह और हमरा सभ कैँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह। जँ हम सभ कहैत छी जे हम पाप नहि कयने छी तँ हम सभ परमेश्वर कैँ झुट्ठा ठहरबैत छी, और हुनका वचन कैँ अपना जीवन मे कोनो स्थान नहि दैत छी।

२ १-२ हौ बौआ सभ, हम तोरा सभ कैँ ई बात एहि लेल लिखि रहल छिअह जे तोँ सभ पाप नहि करह। मुदा जँ केओ पाप करत तँ हमरा सभ कैँ एक गोटे छथि जे पिता लग हमरा सभक पक्ष मे विनती करैत छथि, अर्थात् यीशु मसीह, जे धर्मी छथि। यीशु मसीह अपने ओ बलि छथि जकरा द्वारा हमर सभक पापक मूल्य चुकाओल गेल, और हमरे सभक नहि वल्कि सौंसे संसारक सेहो।

³⁻⁶हम सभ हुनका चिन्हैत छियन्हि से तखन जानि सकैत छी जखन हुनकर आज्ञाक पालन करैत छियन्हि। जे केओ कहैत अछि जे, हम हुनका चिन्हैत छियन्हि, मुदा हुनकर आज्ञाक पालन नहि करैत अछि, से झुट्ठा अछि और ओकरा मे सत्य नहि छैक। मुदा जे केओ हुनकर वचनक अनुसार चलैत अछि, तकरा मे परमेश्वरक प्रति ओकर प्रेम पूर्ण रूपेण सिद्ध कयल गेल छैक। हम सभ एहि सँ निश्चय जानि सकैत छी जे हुनका मे छी :—जे केओ कहैत अछि जे, हम परमेश्वर मे रहैत छी, तकरा ओहने जीवन व्यतीत करबाक छैक जेना यीशु व्यतीत कयलन्हि।

⁷⁻⁸प्रिय मित्र सभ, हम तोरा सभ कैं कोनो नव आज्ञा नहि लिखि रहल छिअह। ई पुरान आज्ञा अछि, जे शुरूए सँ तोरा सभक संग छह। ई पुरान आज्ञा ओ वचन अछि जे तौं सभ सुनने छह। तैयो हम एक नवे आज्ञा लिखि रहल छिअह; ओ हुनका जीवन मे और तोरो सभक जीवन मे सत्य प्रमाणित भेल अछि, कारण अन्हार दूर भऽ रहल अछि और वास्तविक इजोत एखने सँ चमकि रहल अछि।

⁹⁻¹¹जे केओ कहैत अछि जे, हम इजोत मे छी, मुदा अपना भाय सँ घृणा रखैत अछि, से एखनो अन्हारे मे अछि। जे केओ अपना भाय सँ प्रेम करैत अछि, से इजोत मे रहैत अछि, और ओकरा मे कोनो कारण नहि छैक जाहि सँ ठेस लगतैक। मुदा जे अपना भाय सँ घृणा रखैत अछि से अन्हार मे अछि और अन्हारे मे चलितो अछि; ओ नहि जनैत अछि जे हम कतऽ जा रहल छीकारण अन्हार ओकरा आन्हर बना देने छैक।

[१२] प्रिय बौआ सभ, हम तोरा सभ कें ई बात एहि लेल लिखि रहल छिअह जे प्रभु यीशु द्वारा तोहर पाप माफ भऽ गेल छह ।

[१३] पितृगण, हम तोरा सभ कें ई बात एहि लेल लिखि रहल छिअह जे तों सभ तिनका जानि गेल छह जे शुरू सँ छथि ।

युबक सभ, हम तोरा सभ कें ई बात एहि लेल लिखि रहल छिअह जे तों सभ शैतान कें पराजीत कयने छह ।

बौआ सभ, हम तोरा सभ कें एहि लेल लिखने छिअह जे तों सभ पिता कें जानि गेल छह ।

[१४] पितृगण, हम तोरा सभ कें एहि लेल लिखने छिअह जे तों सभ तिनका जानि गेल छह जे शुरू सँ छथि ।

युबक सभ, हम तोरा सभ कें एहि लेल लिखने छिअह जे तों सभ बलवन्त छह, और परमेश्वरक वचन तोरा सभ मे रहैत छह, और तों सभ शैतान कें पराजीत कयने छह ।

संसार सँ प्रेम नहि करह

[१५-१७] संसार सँ प्रेम नहि करह, और ने संसारक वस्तु सँ । जँ केओ संसार सँ प्रेम करैत अछि, तँ ओकरा मे पिताक प्रति प्रेम नहि छैक । कारण, जे किछु संसार मे छैक—अर्थात् मनुष्यक पापी स्वभावक इच्छा, ओकर आँखिक ललसा और धन-सम्पत्ति पर ओकर घमण्ड, से पिताक दिस सँ नहि वल्कि संसारक दिस सँ अबैत अछि । संसार और जे कथुक लेल ओकर इच्छा होइत छैक, से सभ समाप्त भऽ रहल अछि, मुदा जे व्यक्ति परमेश्वरक इच्छा पर चलैत अछि, से सदा-सर्वदा जीबैत रहत ।

"मसीह-विरोधी" सँ सावधान

१८-१९ प्रिय बौआ सभ, ई आब अन्तिम घड़ी अछि। तोँ सभ सुनि लेने छह जे "मसीह-विरोधी" आबऽ वला अछि, और तहिना एखनो बहुत "मसीह-विरोधी" प्रगट भऽ गेल अछि। एहि सँ हम सभ जानि सकैत छी जे ई अन्तिम घड़ी अछि। ओ सभ हमरा सभ मे सं निकलि गेल, मुदा वास्तव मे ओ सभ हमर सभक नहि छल। जँ हमर सभक रहैत तँ हमरा सभक संग रहि गेल रहैत। मुदा ओकरा सभ कँ चल गेला सँ ई स्पष्ट होइत अछि जे ओकरा सभ मे सँ केओ वास्तव मे हमर सभक नहि छल।

२०-२३ मुदा तोरा सभ कँ ओ अपन आत्मा देने छथुन्ह जे पवित्र छथि, और तोँ सभ सत्य कँ जनैत छह। तैं हम तोरा सभ कँ एहि लेल नहि लिखि रहल छिअह जे तोँ सभ सत्य कँ नहि जनैत छह वल्कि एहि लेल जे तोँ सभ जनिते छह, और इहो जनैत छह जे कोनो झूठ सत्य सँ उत्पन्न नहि होइत अछि। और झुट्ठा के अछि? ओ वैह अछि जे यीशु कँ परमेश्वरक चुनल मसीह होयबा सँ अस्वीकार करैत अछि। ओहन आदमी "मसीह-विरोधी" अछि। ओ पितो कँ और पुत्रो कँ अस्वीकार करैत अछि। जे केओ पुत्र कँ अस्वीकार करैत अछि, तकरा पितो नहि छथिन्ह। जे केओ पुत्र कँ स्वीकार करैत अछि, तकरा पितो छथिन्ह।

२४-२५ तँ तोँ सभ, जे वचन शुरू मे सुनलह, तकरा अपना मन मे वास करऽ दैह। जँ ओ वचन तोरा सभक मन मे वास करतह, तँ तोहूँ सभ पुत्र मे और पिता मे वास करबह। और ओ

अपने हमरा सभ सँ ई प्रतिज्ञा कयने छथि—अर्थात् अनन्त जीवन ।

[२६-२७]हम तोरा सभ कैँ ई सभ बात तकरा सभक बारे मे लिखि रहल छिअह जे तोरा सभ कैँ बहकाबऽ चाहैत छह । मुदा जे पवित्र आत्मा तोरा सभ कैँ मसीह प्रदान कयलथुन्ह, से तोरा सभ मे वास करैत छथुन्ह, और तैं तोरा सभ कैँ आरो शिक्षकक कोनो आवश्यकता नहि छह । कारण, हुनकर आत्मा तोरा सभ कैँ सभ बात सिखबैत छथुन्ह, और ओ आत्मा सत्य छथि; ओ झुट्ठा नहि छथि । जेना ओ तोरा सभ कैँ मसीह मे वास करक लेल सिखौने छथुन्ह तहिना हुनका मे रहह ।

परमेश्वरक सन्तान

[२८]हँ, बौआ सभ, मसीह मे रहह, जाहि सँ ओ जहिया प्रगट हयताह तहिया हम सभ स्थिर रहब और लज्जा सँ हुनका आगमन सँ मुँह नहि घुमाबऽ पड़त ।

[२९]तोँ सभ जनैत छह जे ओ सैह करैत छथि जे उचित अछि; तँ इहो जानि लैह जे, जे केओ उचित काज करैत अछि, से परमेश्वरक सन्तान अछि ।

३ [१-३]सोचह ! पिता हमरा सभ सँ कतेकटा प्रेम कयने छथि, जे हम सभ परमेश्वरक सन्तान कहाबी ! और वास्तव मे सैह छीहो । संसार हमरा सभ कैँ नहि चिन्हैत अछि, से एहि कारणे जे हुनको नहि चिन्हलकन्हि । प्रिय मित्र सभ, हम सभ एखन परमेश्वरक सन्तान छी; और भविष्य मे की होयब, से एखन तक प्रगट नहि कयल गेल अछि । मुदा ई जनैत छी जे,

मसीह जखन औताह तखन हुनके जकाँ हम सभ होयब, कारण हुनका ठीक ओहने देखबन्हि जेहन ओ छथि। जकरा हुनका सँ ई आशा छैक, से अपना कँ पवित्र रखैत अछि जेना ओ पवित्र छथि।

४-६ जे केओ पाप करैत अछि से परमेश्वरक नियमक उल्लंघन करैत अछि, कारण पाप सैह अछि, अर्थात् परमेश्वरक नियमक उपेक्षा केनाइ। मुदा तों सभ जनैत छह जे मसीह पाप दूर करबाक लेल अयलाह, और हुनका मे कोनो पाप नहि छन्हि। जे हुनका मे वास करैत अछि, से पाप नहि करैत रहैत अछि। जे पाप करैत रहैत अछि, से ने हुनका देखने छन्हि आ ने हुनका चिन्हने छन्हि।

७-१० हौ बौआ सभ! एहि विषय मे तोरा सभ कँ केओ बहकाबओ नहि! जे केओ धार्मिकताक आचरण करैत रहैत अछि, से धर्मी अछि जेना यीशु मसीह धर्मी छथि। और जे केओ पापक आचरण करैत रहैत अछि, से शैतानक सन्तान अछि, कारण शैतान शुरूए सँ पाप करैत आयल अछि। परमेश्वरक पुत्र एहि लेल संसार मे अयलाह जे ओ शैतानक काज नष्ट करथि। जे केओ वास्तव मे परमेश्वरक सन्तान अछि से पाप नहि करैत रहत, कारण परमेश्वरक स्वभाव ओकरा मे रहैत छैक। ओ पापक आचरण नहि कऽ सकैत अछि, कारण ओ परमेश्वर सँ उत्पन्न भेल अछि। एही प्रकारें हम सभ चिन्हि सकब जे परमेश्वरक सन्तान के अछि और शैतानक सन्तान के अछि : जे धार्मिकताक आचरण नहि करैत अछि से परमेश्वरक सन्तान नहि अछि, आ ने ओ जे अपना भाय सँ प्रेम नहि करैत अछि।

एक दोसर सँ प्रेम करी

११-१५ जे सम्बाद तोँ सभ शुरू सँ सुनने छह, से यैह अछि : हम सभ एक दोसर सँ प्रेम करी । काइन सनक नहि बनह, जे शैतानक छल और अपन भायक हत्या कयलकैक । ओ भायक हत्या किएक कयलक? एहि लेल, जे ओकर अपन काज दुष्टतापूर्ण छल और ओकर भायक नीक छलैक । भाय सभ, जँ संसार तोरा सभ सँ घृणा करैत छह तँ एहि सँ आश्चर्यित नहि होअह । हम सभ जनैत छी जे मृत्यु मे सँ निकलि कऽ जीवन मे पहुँचि गेल छी, कारण हम सभ अपना भाय सभ सँ प्रेम करैत छी । जे केओ प्रेम नहि करैत अछि, से मृत्यु मे रहैत अछि । जे अपना भाय सँ घृणा करैत अछि से हत्यारा अछि और तोँ सभ जनैत छह जे कोनो हत्यारा मे अनन्त जीवन वास नहि करैत छैक ।

१६-२० प्रेम की अछि, से हम सभ एहि सँ जनैत छी, जे प्रभु यीशु मसीह हमरा सभक लेल अपन प्राण देलन्हि । और हमरो सभ कँ भाय सभक लेल अपन प्राण देबाक चाही । जँ ककरो सम्पत्ति छैक, और ओ अपना भाय कँ आवश्यकता मे देखैत छैक, मुदा ओकरा प्रति अपन हृदय कठोर कऽ लैत अछि, तँ ओकरा मे परमेश्वरक प्रेम कोना रहि सकैत छैक? प्रिय बौआ सभ, हम सभ खाली शब्द वा बात द्वारा प्रेम नहि करी वल्कि शुद्ध मन सँ और काज द्वारा करी । तँ एहि प्रकारें हम सभ जानब जे हम सभ सत्यक सन्तान छी; और एहि प्रकारें जखन-जखन हमर सभक मन हमरा सभ कँ दोषी ठहराओत तखन-तखन हम सभ अपना मन कँ हुनका समुख मे शान्त कऽ सकब । कारण

परमेश्वर हमरा सभक मन सँ पैघ छथि, और ओ सभ किछु जनैत छथि ।

२१-२४ प्रिय मित्र सभ, जँ हमर सभक मन हमरा सभ कँ दोषी नहि ठहरबैत अछि, तँ हम सभ परमेश्वरक समुख साहस सँ आबि सकैत छी, और जे किछु हुनका सँ हम सभ मँगबन्हि से प्राप्त करब, किएक तँ हम सभ हुनकर आज्ञाक पालन करैत छियन्हि और वैह करैत छी जे हुनका प्रिय छन्हि । हुनकर आज्ञा ई अछि जे हम सभ हुनकर पुत्र यीशु मसीह पर विश्वास करी, और जेना ओ हमरा सभ कँ आदेश देलन्हि तहिना एक दोसर सँ प्रेम करी । जे हुनकर आज्ञाक पालन करैत अछि, से हुनका मे रहैत अछि और ओ तकरा मे । ओ हमरा सभ मे वास करैत छथि, से हम सभ एहि सँ जनैत छी — अर्थात्, हुनका आत्मा सँ, जे ओ हमरा सभ कँ देने छथि ।

सत्यक आत्मा आ भ्रमक आत्मा

४ १-३ प्रिय मित्र सभ, तकर सभक विश्वास नहि करह जे कहैत अछि जे हमरा मे परमेश्वरक आत्मा अछि, वल्कि ओकर सभक जाँच करह, ई बुझबाक लेल जे ओकरा मे जे आत्मा छैक, से परमेश्वरक तरफ सँ अछि वा नहि । कारण संसार मे बहुत झुट्ठा-शिक्षक निकलि गेल अछि । परमेश्वरक आत्मा कँ ताँ सभ एहि तरहें चिन्हि सकैत छह : जे केओ स्वीकार करैत अछि जे यीशु मसीह मनुष्य बनि कऽ अयलाह, तकरा मे परमेश्वरक आत्मा छैक । मुदा जे केओ यीशु कँ एहि तरहें स्वीकार नहि करैत अछि, तकरा मे परमेश्वरक आत्मा नहि छैक । ई "मसीह-विरोधी"क आत्मा अछि, जकरा बारे मे ताँ

सभ सुनने छलह जे आबऽ वला अछि, और एखनो ओ संसार मे आबि गेल अछि ।

४-६ प्रिय बौआ सभ, तोँ सभ ओकरा सभ पर विजयी भऽ गेल छह, कारण तोँ सभ परमेश्वरक छह, और जे तोरा सभ मे छथि, से तकरा सँ शक्तिशाली छथि जे संसार मे अछि । ओ सभ संसारक अछि आ तेँ संसारेक बात कहैत अछि, और संसार ओकर सभक बात सुनैत छैक । मुदा हम सभ परमेश्वरक छी, और जे केओ परमेश्वर केँ चिन्हैत छन्हि, से हमर सभक सुनैत अछि; मुदा जे केओ परमेश्वरक नहि अछि से हमर सभक नहि सुनैत अछि । एहि सँ हम सभ सत्यक आत्मा और भ्रमक आत्मा चिन्हि सकैत छी ।

प्रेम की अछि?

७-१२ प्रिय मित्र सभ, हम सभ एक दोसर सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेमक मूल परमेश्वर छथि । जे सभ प्रेम करैत अछि, से सभ परमेश्वर सँ उत्पन्न भेल अछि और परमेश्वर केँ चिन्हैत अछि । जे प्रेम नहि करैत अछि, से परमेश्वर केँ नहि चिन्हैत अछि, किएक तँ परमेश्वर प्रेम छथि । परमेश्वर अपन प्रेम हमरा सभक बीच एहि प्रकारेँ प्रगट कयलन्हि :—ओ अपन एकलौता पुत्र केँ एहि संसार मे पठा देलन्हि जाहि सँ हम सभ हुनका द्वारा जीवन प्राप्त करी । प्रेमक अर्थ ई नहि, जे हम सभ परमेश्वर सँ प्रेम कयलिऐन्ह वल्कि ई, जे ओ हमरा सभ सँ प्रेम कयलन्हि और अपन पुत्र केँ हमर सभक पाप शुद्ध करऽ वला बलि बना कऽ पठा देलन्हि । प्रिय मित्र, जँ परमेश्वर हमरा सभ सँ एहन प्रेम

कयलन्हि, तँ हमरो सभ कँ एक दोसर सँ प्रेम करबाक चाही । परमेश्वर कँ केओ कहियो नहि देखने छन्हि, मुदा हम सभ जँ एक दोसर सँ प्रेम करैत छी तँ ओ हमरा सभ मे वास करैत छथि और हमरा सभ मे हुनकर प्रेम सिद्ध होइत अछि ।

१३-१६ हम सभ हुनका मे रहैत छी और ओ हमरा सभ मे, तकर प्रमाण ई भेल जे ओ हमरा सभ कँ अपना आत्मा मे सहभागी बना लेने छथि । हम सभ देखने छी और गवाही दैत छी जे पिता अपना पुत्र कँ संसारक उद्धारकर्त्ताक रूप मे पठौलन्हि । जँ केओ स्वीकार करैत अछि जे यीशु परमेश्वरक पुत्र छथि, तँ परमेश्वर ओकरा मे रहैत छथि और ओ परमेश्वर मे । परमेश्वरक प्रेम जे हमरा सभक प्रति छन्हि, तकरा हम सभ जानि गेल छी और ताही पर भरोस करैत छी ।

१६-१८ परमेश्वर प्रेम छथि । जे केओ प्रेम मे रहैत अछि से परमेश्वर मे रहैत अछि, और परमेश्वर ओकरा मे । हमरा सभ मे प्रेम सिद्ध होयबाक उद्देश्य ई अछि जे हम सभ न्यायक दिन निर्भय रही, और एहि कारण निर्भय रही जे एहि संसार मे हम सभ यीशु सनक छी । प्रेम मे भय नहि होइत अछि । सिद्ध प्रेम भय कँ भगा दैत अछि, कारण भय दण्ड सँ सम्बन्धित अछि । जे भयभीत अछि, से प्रेम मे सिद्ध नहि भेल अछि ।

१९-२१ हम सभ एहि लेल प्रेम करैत छी जे ओ पहिने हमरा सभ सँ प्रेम कयलन्हि । जँ केओ कहैत अछि जे, हम परमेश्वर सँ प्रेम करैत छी, जखन कि अपना भाय सँ घृणा रखैत अछि, तँ ओ झूठ बजनिहार अछि । कारण, जे अपना भाय सँ जकरा ओ देखने छैक प्रेम नहि करैत अछि, से परमेश्वर सँ जिनका ओ नहि देखने छन्हि प्रेम कोना कऽ सकैत अछि? और ओ हमरा सभ कँ

ई आज्ञा देने छथि जे, जे परमेश्वर सँ प्रेम करैत अछि से अपना भाय सँ सेहो प्रेम करय ।

परमेश्वरक पुत्र पर विश्वास

५ १-५ जे केओ विश्वास करैत अछि जे यीशुए मसीह छथि, से परमेश्वरक सन्तान अछि, और जे केओ पिता सँ प्रेम करैत छन्हि, से हुनका बच्चो सँ प्रेम करैत छैक । हम सभ जँ परमेश्वर सँ प्रेम करैत छी और हुनकर आज्ञाक पालन करैत छी तँ ई निश्चय जानि सकैत छी जे हुनकर सन्तानो सँ प्रेम करैत छी । परमेश्वरक प्रति प्रेम ई अछि—हुनकर आज्ञाक पालन करब । और हुनकर आज्ञा सभ भारी बोझ नहि अछि, कारण जे केओ परमेश्वरक सन्तान अछि, से संसार पर विजय प्राप्त कयने अछि । जे संसार कँ पराजित करैत छैक, से हमर सभक विश्वास अछि । संसार पर विजय के प्राप्त कऽ सकैत अछि? खाली वैह जे विश्वास करैत अछि जे यीशु परमेश्वरक पुत्र छथि ।

६-१२ यीशु मसीह वैह छथि जे बप्तिस्माक जल और मृत्युक शोणित द्वारा प्रगट भेलाह । ओ मात्र बप्तिस्माक जले द्वारा नहि वल्कि बप्तिस्माक जल और मृत्युक शोणित द्वारा प्रगट भेलाह । और एकर गवाह पवित्र आत्मा छथि, कारण ओ आत्मा सत्य छथि । तँ तीनटा गवाह अछि :—आत्मा, जल और शोणित, और तीनू सहमति अछि । जँ हम सभ मनुष्यक गवाही मानि लैत छी तँ परमेश्वरक गवाही ओहि सँ कतेक पैघ अछि; और ई गवाही परमेश्वर स्वयं अपना पुत्रक विषय मे देने छथि । जे केओ परमेश्वरक पुत्र पर विश्वास करैत अछि, तकरा हृदय मे ई

गवाही रहैत छैक । जे केओ परमेश्वरक बात नहि मानैत अछि, से हुनका झुट्ठा ठहरबैत छन्हि, कारण ओ ओहि गवाहीक विश्वास नहि कयलक जे परमेश्वर अपना पुत्रक विषय मे देने छथि । ओ गवाही ई अछि जे परमेश्वर हमरा सभ कँ अनन्त जीवन देने छथि, और ई जीवन हुनका पुत्र मे भेटैत अछि । जकरा ककरो मे परमेश्वरक पुत्र छथिन्ह, तकरा मे जीवन छैक, और जकरा ककरो मे हुनकर पुत्र नहि छथिन्ह, तकरा मे जीवन नहि छैक ।

१३-१५ तोरा सभ कँ, जे परमेश्वरक पुत्रक नाम पर विश्वास करैत छह, हम ई सभ बात लिखि रहल छिअह जाहि सँ तों सभ जानह जे तोरा सभ कँ अनन्त जीवन छह । हम सभ परमेश्वरक समक्ष मे साहस सँ आबि सकैत छिऐन्ह, कारण हमर सभक पूर्ण विश्वास अछि जे, जँ हम सभ हुनकर इच्छाक अनुसार किछु मँगबन्हि तँ ओ हमर सभक प्रार्थना सुनताह । और जँ ई जनैत छी जे ओ हमर सभक प्रार्थना सुनताह, चाहे जे किछु मँगबन्हि, तँ इहो निश्चय जनैत छी जे, जे हुनका सँ मँगने छी, से हमरा सभ कँ प्राप्त भऽ गेल अछि ।

१६-१७ जँ केओ अपना भाय कँ एहन पाप करैत देखत जकर परिणाम मृत्यु नहि होइक, तँ ओ प्रार्थना करय, और ओ जे पाप कयलक, तकरा परमेश्वर जीवन देथिन्ह । हम तकरे सभक बारे मे कहैत छी जे एहन पाप करैत अछि जकर परिणाम मृत्यु नहि होइक । किएक तँ एहनो पाप होइत अछि जकर परिणाम मृत्यु छैक । हम नहि कहैत छी जे ओहि सम्बन्ध मे प्रार्थना कयल जाय । सभ गलत काज तँ पाप अछि, मुदा एहनो पाप होइत अछि जकर परिणाम मृत्यु नहि छैक ।

[१८-२०] हम सभ जनैत छी जे, जे केओ परमेश्वर सँ उत्पन्न भेल अछि, से पाप नहि करैत रहैत अछि। परमेश्वरक पुत्र ओकरा सुरक्षित रखैत छथिन्ह, और शैतान ओकरा नहि लपकि सकैत छैक। हम सभ जनैत छी जे परमेश्वरक सन्तान छी और सौंसे संसार शैतानक वश मे पड़ल अछि। हम सभ इहो जनैत छी जे परमेश्वरक पुत्र आयल छथि और हमरा सभ कँ बुझबाक सामर्थ देने छथि जाहि सँ हम सभ सत्य परमेश्वर कँ चिन्हि सकैत छी। हम सभ सत्य परमेश्वर मे छी, अर्थात् हुनकर पुत्र यीशु मसीह मे। ओ सत्य परमेश्वर और अनन्त जीवन छथि।

[२१] प्रिय बौआ सभ, अपना कँ झुट्ठे-देवता सभ सँ बचा कऽ राखह।